THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 306 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष शु.14 2080 बुधवार, 24 जनवरी-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'3 लाख रामभक्तों ने दर्शन किए'

दिन में छह बार होगी रामलला की आरती

जारी होंगे पास, 24 घंटे के आठों पहर होगी अष्टयाम सेवा

अयोध्या, 23 जनवरी (एजेंसियां)। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अब उनकी पूजा और आरती में भी बदलाव होने जा रहा है। पूरी पद्धति को व्यवस्थित किया गया है। अब रामलला की 24 घंटे के आठों पहर में अष्टयाम सेवा होगी। इसके अलावा रामलला की छह बार आरती होगी। आरती में शामिल होने के लिए पास जारी होंगे। अब तक रामलला विराजमान की दो आरती होती थीं।

रामलला के पुजारियों के प्रशिक्षक आचार्य मिथिलेशनंदिनी शरण ने कहा, अब रामलला की मंगला, श्रृंगार, भोग, उत्थापन, संध्या व शयन आरती होंगी। संभव है उत्थापन आरती पुजारी खुद कर लें और फिर दर्शन के लिए पर्दा खोलें। इसे लेकर ट्रस्ट ही घोषणा करेगा।

अयोध्या, 23 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद राम मंदिर पहली बार मंगलवार को रामभक्तों के दर्शन के लिए खोला गया। पहले दिन श्रद्धालुओं की अटूट भीड़ देखने को मिली। देश के दूर-दराज कोने से आए रामभक्तों ने भगवान श्रीराम के दर्शन किए। इस दौरान मंदिर परिसर जयश्रीराम, जय सियाराम के जयकारों से गूंजता रहा।

राम मंदिर में पहले दिन अभी तक कितने दर्शनार्थियों ने रामलला के दर्शन किए हैं। इसको लेकर यूपी की योगी सरकार का बड़ा बयान सामने आ गया है। यूपी सरकार के बयान के मुताबिक, पहले दिन अभी तक करीब 3 लाख रामभक्तों ने रामलला के दर्शन किए। वहीं सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने तीन स्तरीय सुरक्षा कवच बनाया है। अयोध्या मंदिर के इर्द-गिर्द आठ हजार के करीब सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है। इंडियन आर्किटेक्चर के पोस्टर बॉय दीक्षु कुकरेजा नेरामलला के प्राण प्रतिष्ठा से पहले उम्मीद जताई गई थी कि आने वाले वर्षों में प्रतिदिन तीन लाख से अधिक लोग अयोध्या आ सकते हैं। उन्होंने कहा था कि मंदिर शहर की योजना वेटिकन सिटी, कंबोडिया, येरूशलम सहित विदेशों में इसी तरह के उदाहरणों के अध्ययन के बाद बनाई गई है। जैसे भारत में तिरुपति और अमृतसर को शामलि किया जा सकता है। कुकरेजा ने कहा था कि अयोध्या को आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, विरासत संपत्तियों और घटनाओं पर ध्यान देने के साथ एक वैश्विक पर्यटन स्थल बनने की उम्मीद है, क्योंकि आतिथ्य और संबद्ध उद्योगों में महत्वपूर्ण मांग के साथ शहर के कई गुना बढ़ने की संभावना है।

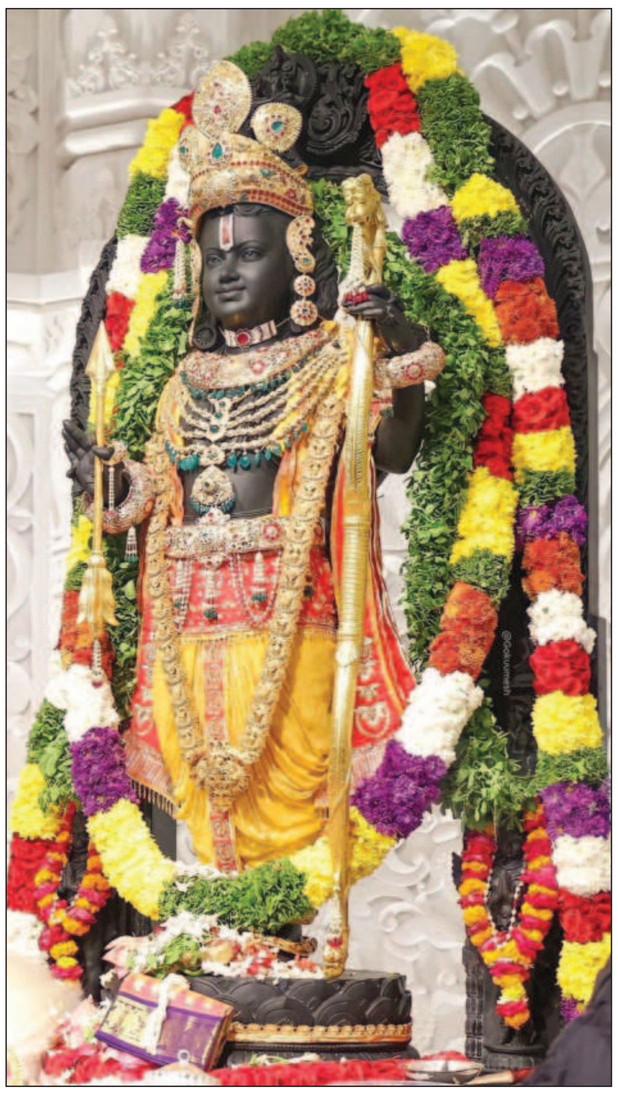

श्रीरामलला की नई मूर्ति का नाम 'बालक राम'

अयोध्या, 23 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या के राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की गई श्रीरामलला की नई मूर्ति को 'बालक राम' के नाम से जाना जाएगा। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा में शामिल रहे पुजारी अरुण दीक्षित ने बताया, नई मूर्ति का नाम 'बालक राम' रखने का कारण यह है कि वह एक बच्चे की तरह दिखते हैं, जिनकी उम्र 5 साल है। वाराणसी के रहने वाले अरुण दीक्षित ने बताया कि पहली बार जब मैंने मूर्ति देखी, तो मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। मेरी आंखों में खुशी के आंसू बहने लगे। उस समय मुझे जो अनुभूति हुई, उसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता। उन्होंने आगे कहा कि अब तक मैं 50-60 बड़े अभिषेक में शामिल रहा, लेकिन मेरे जीवन का यह सबसे अलौकिक, दिव्य और सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रम रहा। >14

नए मंदिर में पुरानी मूर्ति भी रखी जाएगी!

अयोध्या, 23 जनवरी (एजेंसियां)। राम लला की मूल मूर्ति, जो कथित तौर पर 22 दिसंबर 1949 की रात को बाबरी मस्जिद के अंदर प्रकट हुई थी और जिसके कारण लंबी कानूनी लड़ाई शुरू हुई थी, को भी नए मंदिर में स्थापित किया जाएगा।

यह मूर्ति 6 दिसंबर 1992 को बाबरी ढांचे के विध्वंस के बाद एक अस्थायी तंबू में थी और बाद में इसे एक अस्थायी मंदिर में स्थानांतरित कर दिया गया। कई लोगों का दावा है कि उन्होंने बाबरी मस्जिद में रहस्यमय तरीके से प्रकट हुई राम की मूर्ति देखी, जिससे स्थल के आसपास धार्मिक भावनाएं भड़क उठीं और कानूनी लड़ाई छिड़ गई जो दशकों तक चली। >14

नीतीश राज्यपाल से मिले मांझी ने कहा 'खेला होबे'

पटना, 23 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में राजनीतिक सरगर्मी एकबार फिर से बढ़ गई है। जदयू के फिर से एनडीए में जाने के कयास पिछले करीब एक सप्ताह से बिहार की सियासत में लगाए जा रहे हैं। इस बीच, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार को अचानक राजभवन पहुंच गए और राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मुलाकात की, जिसे लेकर चर्चा का बाजार और गर्म हो गया।

पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने फिर से सियासत में बदलाव के संकेत दिए। उन्होंने कहा कि 'खेला होबे'। एनडीए में शामिल हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के प्रमुख जीतन राम मांझी ने मंगलवार को प्रदेश में 'खेला होने' के संकेत देते हुए इशारों-इशारों में एक्स पर लिखा, बंगला में कहतें हैं, 'खेला होबे' >14

कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न मिलेगा

वे दो बार बिहार के सीएम और एक बार डिप्टी सीएम रहे

नई दिल्ली, 23 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न (मरणोपरांत) से सम्मानित किया जाएगा। वे पिछड़े वर्गों के हितों की वकालत करने के लिए जाने जाते थे। 24 जनवरी को उनकी जयंती है। कर्पूरी ठाकुर दो बार बिहार के सीएम और एक बार डिप्टी सीएम रहे। वे बिहार के पहले गैर कांग्रेसी मुख्यमंत्री थे। उन्होंने पहली बार 1952 में विधानसभा चुनाव जीता था। 1967 में कर्पूरी ठाकुर ने डिप्टी सीएम बनने पर बिहार में अंग्रेजी की अनिवार्यता को खत्म कर दिया था। समस्तीपुर के पितौंझिया (अब कर्पूरी ग्राम) में 1904 में सिर्फ 1 व्यक्ति मैट्रिक पास था। 1934 में 2 और 1940 में 5 लोग मैट्रिक पास हुए थे। इनमें एक कर्पूरी ठाकुर थे। वे 1952 में विधायक बने। वे ऑस्ट्रिया जाने वाले डेलीगेशन में चुने गए। उनके पास कोट नहीं था। एक दोस्त से मांगा। कोट फटा था। कर्पूरी जी वही कोट पहनकर चले गए। वहां युगोस्लाविया के मार्शल टीटो ने देखा कि उनका कोट फटा है। उन्हें नया कोट गिफ्ट किया। सामाजिक व्यवस्था परिवर्तन में कर्पूरी के आदर्श जेपी, लोहिया और आचार्य नरेंद्र देव थे। कर्पूरी के पहले समाजवादी आंदोलन को खाद उच्च वर्ग से ही मिलती थी। कर्पूरी ने पूरे आंदोलन को उन लोगों के बीच ही रोप दिया जिनके बूते समाजवादी आंदोलन हरा होता था।

एफटीआईआई में हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ताओं ने छात्रों को पीटा

पुणे/नई दिल्ली, 23 जनवरी (एजेंसियां)। पुणे के फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई) के कैंपस के अंदर घुसकर हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने मारपीट की। पिटाई से घायल छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल कैंपस के गेट पर पुलिस सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

दरअसल, एफटीआईआई में छात्र संगठनों ने विवादास्पद बैनर फहराया गया, जिसमें लिखा- 'रिमेंबर बाबरी, डेथ ऑफ कॉन्स्टिट्यूशन।' इसकी जानकारी हिंदुत्ववादी संगठन के कुछ कार्यकर्ताओं को हुई और उन्होंने कैंपस में घुसकर बोर्ड लगाने वाले छात्रों की पिटाई कर दी।

पीएम मोदी का राष्ट्रपति को पत्र

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से जुड़े अविस्मरणीय अनुभव साझा किए

नई दिल्ली, 23 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखा है। इसमें पीएम मोदी ने लिखा, अयोध्या धाम में अपने जीवन के सबसे अविस्मरणीय क्षणों का साक्षी बनकर लौटने के बाद मैं आपको यह पत्र लिख रहा हूं।

मैं एक अयोध्या अपने मन में भी लेकर लौटा हूं। एक ऐसी अयोध्या जो कभी मुझसे दूर नहीं हो सकती। उन्होंने आगे लिखा, अयोध्या जाने से एक दिन पूर्व मुझे आपका पत्र मिला था। आपकी शुभकामनाओं और स्नेह का मैं बहुत-बहुत आभारी हूं। आपके पत्र के हर शब्द ने आपके करुणामयी स्वभाव और प्राण-प्रतिष्ठा के आयोजन पर आपकी असीम प्रसन्नता को व्यक्त किया। जिस समय मुझे आपका पत्र मिला था, मैं एक अलग ही भावयात्रा में था। आपके पत्र ने मुझे, मेरे मन की इन भावनाओं को संभालने में, उनसे सामंजस्य बिठाने में अपार सहयोग और संबल दिया। प्रधानमंत्री ने लिखा, मैंने एक तीर्थयात्री के रूप में अयोध्या धाम की यात्रा की। जिस पवित्र भूमि पर आस्था और इतिहास का ऐसा संगम हुआ हो, वहां जाकर मेरा मन अनेक भावनाओं से विह्वल हो गया। ऐसे ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बनना एक सौभाग्य भी है और एक दायित्व भी है। आपने मेरे 11 दिन के व्रत-अनुष्ठान और उससे जुड़े यम-नियमों के विषय में भी चर्चा की थी। हमारा देश ऐसे अनगिनत लोगों का साक्षी रहा है, जिन्होंने शताब्दियों तक अनेक संकल्प व्रत किए, जिससे रामलला पुनः अपने जन्मस्थान पर विराज सकें। उन्होंने लिखा, सदियों तक चले इन व्रतों की पूर्णाहुति का संवाहक बनना, मेरे लिए बहुत भावुक क्षण था और इसे मैं अपना सौभाग्य मानता हूं।

आज ईडी के दफ्तर में पोते की होगी पेशी

समर्थन में उतरे शरद पवार

मुंबई, 23 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के विधायक और शरद पवार के पोते रोहित पवार के आज 24 जनवरी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेशी के समय पवार गुट ईडी के बाहर शक्ति प्रदर्शन करेगा। सूत्रों के मुताबिक रोहित पवार के समर्थन में शरद पवार उतर गए हैं। रोहित पवार आज जब तक ईडी ऑफिस में रहेंगे तब तक शरद पवार ईडी ऑफिस के पास स्थित पार्टी दफ्तर में मौजूद रहेंगे।

ईडी ऑफिस छोड़ने जाएंगी सुप्रिया सुले

सुप्रिया सुले खुद रोहित पवार को कल ईडी ऑफिस छोड़ने जाएंगी। उनके साथ जितेंद्र अव्हाड भी मौजूद रहेंगे। कल रोहित पवार के समर्थन में बड़ी संख्या में एनसीपी के कार्यकर्ताओं को जुटने का आह्वान किया गया है।

रोहित पवार ने ईडी से की थी ये अपील

इससे पहले रोहित पवार ने शुक्रवार को ईडी से अनुरोध किया था कि उन्हें 24 जनवरी को नहीं, बल्कि 22 या 23 जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया जाए। ईडी ने कथित महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक (एमएससीबी) घोटाला मामले में धन शोधन जांच के तहत राकांपा प्रमुख शरद पवार के पोते और कर्जत-जामखेड से विधायक 38 वर्षीय रोहित पवार को 24 जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया है। महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक धन शोधन मामला मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा की अगस्त 2019 की प्राथमिकी पर आधारित है। ईडी ने 5 जनवरी को बारामती, पुणे, औरंगाबाद और कुछ अन्य स्थानों पर रोहित पवार के स्वामित्व वाली कंपनी बारामती एग्रो और कुछ संबंधित संस्थाओं के परिसरों पर छापेमारी की थी।

पालघर में मुंबई लोकल ट्रेन की चपेट में आने से तीन रेलकर्मियों की मौत

पालघर, 23 जनवरी (एजेंसियां)। (महाराष्ट्र) एक चौंकाने वाली घटना में मंगलवार को सुबह के व्यस्त समय के दौरान वसई स्टेशन के पास उपनगरीय लोकल ट्रेन की चपेट में आने से पश्चिम रेलवे (डब्ल्यूआर) के तीन कर्मचारियों की मौत हो गई। डब्ल्यूआर के मुख्य प्रवक्ता सुमित ठाकुर के अनुसार, तीन मृत व्यक्तियों की पहचान की गई है। वासु मित्रा, भयंदर में एसएसई/एसआईजी, सोमनाथ उत्तम, ईएसएम-आई, और एक सहायक सचिन वानखेड़े की मौत हो गई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है, जबकि पश्चिम रेलवे ने तीन सहकर्मियों की मौत पर शोक व्यक्त किया है।

किसने दिया खंभे से बांधकर पीटने का अधिकार

गुजरात में मुस्लिमों की पिटाई पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

अहमदाबाद, 23 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात में मुस्लिम युवकों को खंभे से बांधकर पीटने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा एक्शन लिया है। शीर्ष अदालत ने मंगलवार को पिटाई करने वाले पुलिस कर्मियों के रवैये पर नाराजगी जाहिर की। कोर्ट ने कहा कि लोगों को खंभे में बांधकर पीटने का अधिकार आपको किसने दिया? अगर हाईकोर्ट ने 14 दिन की सजा सुनाई है तो अब आप कस्टडी का आनंद लें। अब आप कोर्ट से कैसे राहत की उम्मीद कर रहे हैं? दरअसल, ये पूरा मामला पिछले साल का है। गुजरात के खेडा में गरबा पर पथराव के आरोप में गुजरात पुलिस ने मुस्लिम युवकों को खंभे से बांधकर जमकर पिटाई की थी। इस मामले में गुजरात हाई कोर्ट ने दोषी चार पुलिस कर्मियों को 14 दिन की सजा दी थी। इसके खिलाफ दोषियों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सुप्रीम कोर्ट ने आज पुलिसकर्मियों के रवैये की सख्त आलोचना की। हालांकि दोषियों के वकील के बार-बार अनुरोध पर शीर्ष अदालत ने चार दोषियों की अपील सुनवाई के लिए मंजूर कर ली। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने 14 दिन की सजा के गुजरात हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है।

क्या है पूरा मामला?

अक्टूबर 2022 में खेडा नडियाद के उंधेला गांव में गरबा कार्यक्रम पर पथराव के मामले में पुलिस ने 13 मुस्लिम युवकों को पकड़ा था। पुलिस कर्मियों ने इनमें से कुछ मुस्लिम युवकों को खंभे से बांधकर उनकी सार्वजनिक रूप से पिटाई की थी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस के इस बर्बरतापूर्ण रवैये पर सवाल खड़े हुए थे।

'पूर्व सीएम जयललिता के सोने और हीरे के आभूषण

तमिलनाडु सरकार को सौंपे जाएं', बेंगलूरू कोर्ट का आदेश

बेंगलूरू, 23 जनवरी (एजेंसियां)। बेंगलूरू की एक विशेष अदालत ने तमिलनाडु की पूर्व सीएम जयललिता के सोने और हीरे के आभूषण तमिलनाडु सरकार को ट्रांसफर करने का निर्देश दिया है। इसके बाद अब तमिलनाडु सरकार ही इन आभूषणों को लेकर कोई अंतिम फैसला करेगी। जयललिता के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में ये आभूषण बतौर सबूत अदालत में पेश किए गए थे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जयललिता के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले की सुनवाई बेंगलूरू में हुई थी। उस दौरान मामले से संबंधित सभी दस्तावेज और अन्य सामान कोर्ट की कस्टडी में आ गया था। जयललिता के सोने और हीरे के आभूषण भी उसी सामान का

हिस्सा हैं। अपने आदेश में बेंगलूरू की कोर्ट के जज एच ए मोहन ने ने कहा कि जयललिता के सगे-संबंधी जब्त सामान के उत्तराधिकारी नहीं हैं। जयललिता की संबंधियों जे दीपा और जे दीपक द्वारा इन आभूषणों की दावेदारी की गई थी, लेकिन कोर्ट ने उसे खारिज कर दिया था।

शिंदे सरकार के लिए नई टेंशन

नागपुर में आंगनबाड़ी सेविकाओं ने शुरू किया जेल भरो आंदोलन

मुंबई, 23 जनवरी (एजेंसियां)। कुछ दिनों पहले तक मराठा आंदोलन कार्यकर्ताओं का गुस्सा झेल रहे महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे के लिए नई समस्या खड़ी हो गई है। राज्य की आंगनबाड़ी सेविकाओं 4 दिसंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान किया था। हालांकि, अब मांगों को पूरा न होते देखकर आंगनबाड़ी सेविकाओं ने मंगलवार को नागपुर में जेल भरो आंदोलन शुरू किया है। नागपुर के वैरायटी चौक पर रास्ता रोक कर आंगनबाड़ी सेविकाओं ने विरोध प्रकट किया है।

क्या हैं प्रदर्शनकारियों की मांग?

महाराष्ट्र की लगभग 60000 से अधिक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सेविकाएं राज्य सरकार से ग्रेच्युटी और उन्हें सरकारी कर्मचारियों की सूची में शामिल करने की मांग कर रही हैं।

सेविकाओं द्वारा पहले की तरह पर्यवेक्षिका के पद पर पदोन्नति दी जाने की मांग समेत कई अन्य मांगे भी की जा रही हैं। अपनी मांगों को लेकर उन्होंने 4 दिसंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान किया था। सैकड़ों की संख्या में आंगनबाड़ी सेविकाएं मंगलवार को नागपुर के वैरायटी चौक पर एकत्र हुई और वहां पर उन्होंने रास्ता रोको आंदोलन किया एवं अपनी गिरफ्तारी दी है।

अभी कितना वेतन मिलता है?

आंगनबाड़ी कर्मचारियों को 10000 रुपये का मानदेय मिलता है, जबकि सहायिकाओं को 5500 प्रति माह मिलता है। इन सभी की मांग है कि इन्हें आंगनबाड़ी सेविकाओं को 26000 रुपये प्रतिमाह दिया जाए। वहीं, सहायिकाओं को 20000 रुपये प्रतिमाह का भुगतान किया जाए। वहीं, प्रदर्शनकारियों की मांग है कि इन्हें सरकारी कर्मचारियों का दर्जा दिया जाए और सेवानिवृत्ति के बाद इन्हें पेंशन मिले।

उमरिया में युवकों को पीटने वाला एसडीएम सस्पेंड

उमरिया, 23 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले के बांधवगढ़ क्षेत्र में दो युवकों की अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) द्वारा पिटाई का वीडियो वायरल होने पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सख्त कार्रवाई की है। बीते रोज सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था जिसे उमरिया जिले के बांधवगढ़ के एसडीएम अमित सिंह का बताया गया था। कार को ओवरटेक करने पर एसडीएम को बाइक सवारों पर इतना गुस्सा आया कि उन्हें रोक कर दोनों बाइक सवारों की पिटाई की। गंभीर हालत में दोनों युवकों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस मामले को राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने गंभीरता से लिया है और एसडीएम अमित सिंह को निलंबित करने के आदेश जारी करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा है, बांधवगढ़ एसडीएम द्वारा दो युवकों से मारपीट की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है।

ईडी बनाम थॉमस इसाक का विवाद

केरल हाई कोर्ट में पहुंचने को तैयार

कोच्चि, 23 जनवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और दो बार केरल के वित्त मंत्री रह चुके अनुभवी सीपीआई (एम) नेता थॉमस इसाक के बीच झगड़ा केरल हाई कोर्ट तक पहुंचने के लिए तैयार है। इसाक को अब तक ईडी के सामने पेश होने के लिए चार नोटिस दिए जा चुके हैं और सोमवार को भी वो पेश नहीं हुए। सूत्रों के मुताबिक, ईडी अपना अगला कदम बेहद सावधानी से उठा रहा है और इसाक के खिलाफ अधिक जानकारी जुटा रही है। संभावना है कि ईडी ठोस सबूतों के साथ हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगा। पिछली एलडीएफ सरकार में मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान केरल इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) के वित्तीय लेनदेन में कुछ उल्लंघन हुआ था, खासकर 'मसाला बांड' को लेकर और नोटिस के बावजूद इसाक ईडी के सामने पेश नहीं हुए। लेकिन इसाक पहले ही विशेषज्ञ कानूनी सलाह ले चुके हैं। वो हाई कोर्ट में कहेंगे कि ईडी उन्हें परेशान कर रहा है। अब तक केआईआईएफबी के अधिकारी पहले ही सभी दस्तावेज रख चुके हैं और उनके पास कहने के लिए कुछ नया नहीं है। मई 2021 में वित्त मंत्री के पद से हटने के बाद उनकी कोई आधिकारिक भूमिका नहीं थी। यह कानूनी उलझन ऐसे समय में आई है जब इसाक अब पथानामथिट्टा में रह रहे हैं, जहां उन्हें आगामी लोकसभा चुनावों के लिए सीपीआई (एम) के उम्मीदवार के रूप में नामित किए जाने की पूरी संभावना है।

पोते ने दादी को उतारा मौत के घाट, शराब पीने पर टोके जाने से था नाराज

पालघर, 23 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पालघर में हत्या की एक सनसनीखेज वारदात हुई है। एक पोते ने अपनी ही दादी को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि पालघर में 70 साल की महिला की उसके पोते ने लकड़ी के डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि महिला की सोमवार रात जव्हार तालुका के उमरदाई गांव में हत्या कर दी गई, जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

रिपोर्ट के मुताबिक जब 23 साल का युवक धर्मवीर वाजे, घर पर रात का खाना खा रहा था, उसने अपनी दादी, आनंदी तोखरे को शिकायत करते और बड़बड़ाते हुए सुना। इससे वह नाराज हो गया और गुस्से में आकर उसने उसे लकड़ी के डंडे से मारा, उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जव्हार पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा कि घटना के समय आरोपी शराब के नशे में था।

विधवा को 29 सप्ताह का गर्भ गिराने की अनुमति देने वाला आदेश वापस

दिल्ली उच्च न्यायालय ने ऐसा क्यों किया

नई दिल्ली, 23 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पिछले साल अक्टूबर में अपने पति को खोने वाली एक महिला को 29 सप्ताह के गर्भ को गिराने की अनुमति देने वाला अपना पूर्व में दिया आदेश मंगलवार को वापस ले लिया। न्यायमूर्ति प्रसाद ने यह फैसला तब दिया है जब केंद्र ने इस आधार पर गर्भपात की अनुमति देने वाले चार जनवरी के आदेश को वापस लेने का अनुरोध करते हुए एक याचिका दायर की है कि बच्चे के जीवित रहने की उचित संभावना है और अदालत को अजन्मे बच्चे के जीवन के अधिकार की रक्षा पर विचार करना चाहिए। केंद्र सरकार ने अपनी याचिका में कहा कि मौजूदा मामले में "गर्भपात तब तक नहीं हो सकता जब तक कि चिकित्सक भ्रूण हत्या न कर दें, जिसमें नाकाम रहने पर जटिलताओं के साथ समय पूर्व प्रसव होगा।" अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान

संस्थान (एम्स) में महिला की जांच की गयी है। उसने भी दावा किया है कि यह सलाह दी जाती है कि मां और बच्चे के स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए इस गर्भावस्था को दो-तीन सप्ताह और जारी रखा जाए। एम्स ने कहा कि गर्भावस्था का चिकित्सीय समापन (एमटीपी) अधिनियम के अनुसार प्रमुख असामान्यताओं वाले भ्रूण के लिए 24 सप्ताह से अधिक समय बाद गर्भपात का प्रावधान है और "इस मामले में भ्रूण हत्या न तो उचित है और न ही नैतिक है। क्योंकि भ्रूण बिल्कुल सामान्य है।" दिल्ली उच्च न्यायालय ने चार जनवरी को अवसाद ग्रस्त एक विधवा को 29 सप्ताह का गर्भ गिराने की अनुमति दी और कहा कि गर्भावस्था जारी रखना उसके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। अदालत ने अपनी टिप्पणी में कहा था कि प्रजनन के विकल्प के अधिकार में प्रजनन न करने का अधिकार भी शामिल है। उच्च न्यायालय ने कहा कि महिला की वैवाहिक स्थिति में बदलाव आया है। उसके पति की मृत्यु 19 अक्टूबर 2023 को हो गई थी और उसे अपने गर्भवती होने की जानकारी 31 अक्टूबर 2023 को हुई। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने कहा था कि महिला को गर्भ गिराने की अनुमति दी जानी चाहिए क्योंकि इसे जारी रखने से उसकी मानसिक स्थिति खराब हो सकती है क्योंकि उसमें आत्महत्या की प्रवृत्ति दिखाई दी है। महिला का विवाह फरवरी 2023 में हुआ था और अक्टूबर में उसने अपने पति को खो दिया, इसके बाद वह अपने मायके आ गई और वहां उसे पता चला कि उसे 20 सप्ताह का गर्भ है। महिला ने दिसंबर माह में यह निर्णय लिया कि वह गर्भावस्था जारी नहीं रखेगी क्योंकि वह अपने पति की मौत से गहरे सदमे में है। उसके बाद उसने चिकित्सकों से संपर्क किया। गर्भावस्था की अवधि 24 सप्ताह से अधिक हो जाने के कारण उसे गर्भपात की अनुमति नहीं दी गई। इसके बाद, महिला ने अदालत का रुख किया और चिकित्सकीय गर्भपात की अनुमति दिए जाने का अनुरोध किया। महिला की मानसिक स्थिति का पता लगाने के लिए एक चिकित्सकीय बोर्ड का गठन किया गया।

उत्तर 24 परगना में तीन करोड़ के सोने के बिस्किट जब्त

24 परगना, 23 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में 3.09 करोड़ रुपये की सोने की सिल्लियां और बिस्किट जब्त की गई है। इस मामले में एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया गया है। बीएसएफ कर्मियों ने अंगरेल सीमा के हलदरपारा में सोने की दो सिल्लियां और 30 बिस्किट जब्त किए, ड्यूटी पर तैनात बीएसएफ के कर्मियों ने इच्छामति नदी पर तीन लोगों को देखा, जो बांग्लादेश की सीमा से भारत की तरफ आ रहे थे। बीएसएफ कर्मियों ने तीनों का पीछा किया। उनमें से दो भागने में कामयाब रहे, लेकिन एक पकड़ा गया। यह घटना रविवार की दोपहर तीन बजे की है।

आरोपी की पहचान प्रोसेंजीत मंडल के तौर पर की गई है। उसने बताया कि वह नदी पार कर सोने की खेप भारत लाने के लिए उसे 500 रुपये दिया गया था। जब वह बांग्लादेश की तरफ गया, वहां एक व्यक्ति उसका इंतजार कर रहा था। आरोपी उससे सोनी की सिल्लियां और बिस्किट लेकर वापस भारत की तरफ आने लगा। इसी दौरान बीएसएफ के कर्मियों ने उसे पकड़ लिया।

पुणे में दो कारखानों में लगी आग, दो की मौत

मुंबई, 23 जनवरी (एजेंसियां)। पुणे शहर में दो कारखानों में आग लग गई। इस हादसे में एक कारखाने के भीतर सो रहे दो लोगों की दम घुटने से मौत हो गई। यह घटना घटना पिंपरी चिंचवड़ नगर निगम (पीसीएमसी) क्षेत्र के अंतर्गत चिंचवड़ इलाके के वाल्हेकर वाडी में देर रात 2:25 बजे घटी। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि आग आस पास स्थित दो कारखानों में लगी। उन्होंने बताया कि एक कारखाने में एल्युमीनियम का दरवाजा बनाने का काम और दूसरी में सामान पैकेजिंग का काम होता था। आग ने दोनों कारखानों को चपेट में ले लिया। आग लगने से कारखानों में रखी सामग्री एक एयर कंप्रेसर और एक कार जलकर खाक हो गई। अधिकारी ने बताया कि आग लगने के बाद आस-पास के इमारतों में रहने वाले लोगों को बाहर निकाला गया। आगपर काबू पा लिया गया है। फिलहाल आग लगने के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है।

म्यांमार की सेना का विमान मिजोरम में क्रैश

एयरपोर्ट पर लैंडिंग के वक्त हुआ हादसा

आईजोल, 23 जनवरी (एजेंसियां)। मिजोरम के लेंगपुई हवाई अड्डे के पास एक बड़ा हादसा सामने आया है। यहां म्यांमार की सेना का एक विमान क्रैश हो गया है। बताया जा रहा है कि एक सैन्य विमान आज मिजोरम के लेंगपुई हवाई अड्डे पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ है, इस हादसे में 6 लोग घायल हैं। वहीं मिजोरम के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने बताया कि बर्मी सेना का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। इस हादसे में कम से कम छह लोग घायल हो गए हैं। मिजोरम के डीजीपी ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि पायलट के साथ विमान में कुल 14 लोग सवार थे। इन 14 लोगों में से 6 लोग घायल हैं। सभी घायलों को लेंगपुई अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक सेना का विमान लैंडिंग के वक्त दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

बता दें कि म्यांमार में चल रहे सत्ता संघर्ष की दौरान स्थिति गंभीर बनी हुई है। हाल ही में म्यांमार से काफी ज्यादा संख्या में सैनिक भागकर अपनी जान बचाने के लिए भारत में आए थे। वहीं भारत ने म्यांमार से भागकर मिजोरम पहुंचे 184 सैनिकों को उनके देश वापस भेजा है। हालांकि म्यांमार से कुल 276 सैनिक भागकर मिजोरम पहुंचे थे जिसमें से 184 को सोमवार यानी 22 जनवरी को उनके देश भेजा गया। एक अधिकारी के मुताबिक, शेष 92 सैनिकों को मंगलवार यानी 23 जनवरी को वापस उनके देश में भेज दिया जाएगा। असम राइफल्स के एक अधिकारी ने बताया कि अभी बीते सप्ताह म्यांमार से आए 276 सैनिकों को मिलाकर अबतक कुल 635 सैनिक भागकर मिजोरम आ चुके हैं। मिजोरम में आए सभी सैनिकों में से 359 सैनिकों को पहले ही उनके देश वापस भेजा जा चुका है। म्यांमार की सेना के 104 जवानों को नवंबर में भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टरों द्वारा मिजोरम के विभिन्न स्थानों से मणिपुर के सीमावर्ती शहर मोरेह भेजा गया और फिर उन्हें वहां से उनके देश भेज दिया गया। वहीं, इस महीने की शुरुआत में 255 सैनिकों को म्यांमार वायु सेना के विमानों द्वारा लेंगपुई हवाई अड्डे से वापस भेजा गया था।

दिल में छेद, डाउन सिंड्रोम से पीड़ित माता-पिता ने छोड़ा, फिर एवरेस्ट फतह कर देश का दिल जीता

इंदौर, 23 जनवरी (एजेंसियां)। कहते हैं हौसला हो तो आप दुनिया जीत सकते हैं। कोई कमी आपके आड़े नहीं आ सकती। इंदौर के 9 वर्षीय अवनीश तिवारी ने यह बात सही करके दिखाई है। अवनीश डाउन सिंड्रोम से पीड़ित है, उन्हें जन्म से ही दिल में छेद है और घुटने भी ठीक नहीं है। इस वजह से अवनीश को उनके माता पिता ने एक साल की उम्र में ही उन्हें अनाथाश्रम में छोड़ दिया था।

उस वक्त वे कई तरह की परेशानियों से जूझ रहे थे। उस बुरे वक्त में अवनीश को आदित्य तिवारी ने गोद लिया और आज अवनीश भारत का नाम पूरी दुनिया में रोशन कर रहे हैं। अवनीश को सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया है। अवनीश सात साल की उम्र में एवरेस्ट की चढ़ाई कर चुके हैं और अब वे बच्चों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। अवनीश तिवारी मप्र (इंदौर) से एकमात्र नाम है जिसका चयन इस पुरस्कार के लिए हुआ है। वे सबसे कम उम्र के अवार्डी हैं। अब वे सभी बच्चे गणतंत्र दिवस परेड में भी शामिल होंगे। इस वर्ष देश में से 19 बच्चों को यह पुरस्कार दिया गया है।

ममता बनर्जी का कांग्रेस को ऑफर, बताया कितनी सीटों पर लड़ सकते हैं चुनाव?

कोलकाता, 23 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव की लहर शुरू होने में अभ तुछ ही वक्त बचा है। हालांकि, अब तक विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया के बीच सीट शेयरिंग को लेकर चर्चा फाइनल नहीं हो पाई है। महाराष्ट्र, बंगाल, पंजाब समेत विभिन्न राज्यों में सीट शेयरिंग को लेकर पेंच फंसा हुआ है। इस बीच पश्चिम बंगाल की सीएम और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने कांग्रेस पार्टी को बड़ी नसीहत दी है। उन्होंने साफ बताया है कि कांग्रेस को कितनी सीटों पर चुनाव लड़ना चाहिए।

300 सीटों पर लड़े कांग्रेस

ममता बनर्जी ने कहा है कि भाजपा के खिलाफ कुछ विशेष क्षेत्रों में लड़ाई का नेतृत्व क्षेत्रीय नेताओं द्वारा किया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया है कि कांग्रेस स्वतंत्र रूप से 300 लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ सकती है।

ममता बनर्जी ने ये भी दावा किया कि दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस की तरह भाजपा को सीधी टक्कर कोई नहीं दे रहा है।

सीट शेयरिंग में देरी की आलोचना

कोलकाता में आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए ममता ने कहा कि कुछ विशेष क्षेत्रों को क्षेत्रीय दलों के लिए छोड़ दिया जाना चाहिए। कांग्रेस अकेले 300 लोकसभा सीट पर लड़ सकती है और मैं उनकी मदद करूंगी। मैं उन सीट पर चुनाव नहीं लड़ूंगी लेकिन वे अपनी बात पर अड़े हुए हैं। बिना नाम लिए ममता ने राज्य में सीट-बंटवारे को लेकर बातचीत में देरी के लिए कांग्रेस की आलोचना भी की है।

सिर्फ मंदिर जाना पर्याप्त नहीं

ममता बनर्जी ने कहा कि केवल मंदिर जाना ही पर्याप्त नहीं है। आज कितने नेताओं ने भाजपा से सीधे तौर पर मुकाबला किया? कोई व्यक्ति एक मंदिर में गया और सोचा कि यह पर्याप्त है, लेकिन ऐसा नहीं है। मैं एकमात्र व्यक्ति हूं जो मंदिर, गुरुद्वारा, चर्च और मस्जिद गई। मैं लंबे समय से लड़ रही हूं। जब बाबरी मस्जिद का ढांचा ढहाया गया और हिंसा हो रही थी, तब भी मैं सड़कों पर थी।

सु वि चा र

कर्म ध्यान से कीजिए, न किसी की दुआ खाली जाती है और ना ही बहुआ..!!

डिप्टी सीएम ने बीसी कल्याण के मामले पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर के साथ बैठक की

हैदराबाद, 23 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बजट पूर्व बैठकों के तहत राज्य के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने मंगलवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने तेलंगाना राज्य सचिवालय में परिवहन और बीसी कल्याण विभागों के मुद्दों पर राज्य के परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर और अधिकारियों के साथ बैठक की। उपमुख्यमंत्री ने परिवहन विभाग के अधिकारियों को अतिरिक्त राजस्व उत्पन्न करने के लिए नये तरीके खोजने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि लोगों को कांग्रेस सरकार से काफी उम्मीदें हैं और सरकार घोषणा पत्र में किये गये सभी वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार महालक्ष्मी कार्यक्रम के कार्यान्वयन में आरटीसी को वित्तीय सहायता देगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि परिवहन विभाग के प्रदर्शन में अभी भी सुधार की गुंजाइश है और आंतरिक राजस्व स्रोतों को बढ़ाने के तरीके तलाशे जाएं। उन्होंने कहा कि चूंकि इस वित्तीय वर्ष में राजस्व वृद्धि उम्मीद के मुताबिक नहीं है, इसलिए बजट प्रस्ताव वास्तविक स्थिति के अनुसार बनाये जाने की जरूरत है। निगम के घाटे को कम करने के लिए आरटीसी के प्रयास सराहनीय हैं।

उन्होंने उनसे आरटीसी खर्चों को कम करने के उपाय करने और मेट्रो रेल जैसे राजस्व उत्पन्न करने के तरीके तलाशने को कहा। बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता जताई। सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए परिवहन विभाग के अधिकारियों को विभिन्न मॉडलों का अध्ययन करने के लिए कहा गया है। अधिकारियों को बीसी आवासीय विद्यालयों के प्रदर्शन में सुधार को प्राथमिकता देने के लिए कहा गया। उन्होंने कारीगरों के कौशल को बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाओं का व्यापक अध्ययन करने को कहा।

राज्य के परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि महालक्ष्मी योजना के सफल कार्यान्वयन के कारण नई बसें खरीदने की जरूरत है और इसी तरह आरटीसी में भर्तियां करने की मांग है। उन्होंने कहा कि बीसी कल्याण विभाग द्वारा विभिन्न पिछड़ा वर्ग निगमों के लिए आवासीय विद्यालय, कल्याणलक्ष्मी, छात्रवृत्ति, वित्तीय सहायता जैसी योजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार पिछड़े वर्ग के लिए हर जिले में एक स्टडी सर्कल स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सरकार से बीसी गुरुकुलों को अपनी इमारतें स्थापित करने के लिए धन देने और प्रति वर्ष 300 से अधिक लोगों के लिए विदेशी छात्रवृत्ति की संख्या बढ़ाने के लिए कहा।

जातिगत व्यवसायों से जुड़े लोगों को कौशल विकास में प्रशिक्षण के लिए अध्ययन करने की सलाह दी जाती है। इस बैठक में वित्त विभाग के विशेष प्रधान सचिव रामकृष्ण राव, सड़क एवं भवन विभाग के प्रधान सचिव श्रीनिवास राजू, बीसी कल्याण विभाग के प्रधान सचिव बी वेंकटेशम, परिवहन विभाग के आयुक्त ज्योति बुद्धप्रकाश और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने की धरणी समिति से मुलाकात

हैदराबाद,23 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने सचिवालय में धरणी समिति से मुलाकात की। धरणी समिति के सदस्यों ने कहा कि वे धरणी मुद्दों के तत्काल समाधान के लिए सरकार को एक अंतरिम रिपोर्ट देंगे। इस संदर्भ में समिति के सदस्य राजस्व मंत्री के साथ अंतरिम रिपोर्ट पर चर्चा कर रहे हैं। धरणी समिति कल सीसीएलए में सिद्दीपेट और मेडक जिलों और दो और जिलों के कलेक्टरों के साथ बैठक करने जा रही है। धरणी पर जल्द से जल्द रिपोर्ट सरकार को दी जाएगी। उन्होंने कहा कि आसान पंजीकरण उतना ही महत्वपूर्ण है जितना यह सुनिश्चित करना कि कोई कठिनाई न हो।

उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी समिति किसी भी समस्या का समाधान नहीं करेगी बल्कि केवल एक रिपोर्ट तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि समिति विभिन्न राज्यों की राजस्व प्रक्रियाओं की जांच करेगी। कमेटी मैदानी स्तर पर जमीन संबंधी मामलों की जांच करेगी और फिर कमेटी पूरी अंतरिम रिपोर्ट राजस्व मंत्री को देगी। मंत्री पोंगुलेटी सीएम रेवंत रेड्डी के साथ समिति की अंतरिम रिपोर्ट पर चर्चा करेंगे। धरणी पुनर्गठन समिति ने कहा कि वह अध्ययन कर रही है कि धरणी पोर्टल को मजबूत करने के लिए क्या कदम उठाए जाने चाहिए। इसमें कहा गया कि वह सरकार को रिपोर्ट देगी कि सॉफ्टवेयर के साथ-साथ कानूनों में क्या बदलाव किए जा सकते हैं ताकि लोगों को परेशानी न हो।

हशीश तस्करी रैकेट का भंडाफोड़, तीन ड्रग तस्कर गिरफ्तार

हैदराबाद, 23 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विश्वसनीय सूचना पर, स्पेशल ऑपरेशंस टीम (एसओटी), बालानगर टीम ने सनतनगर पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाया और तीन ड्रग अम्पिली बलराजू निवासी श्रीकाकुलम,मदुगुला सतीश उर्फ सत्यबाबू निवासी बोवेनपल्ली, हैदराबाद और बागरी नागेश निवासी सिख विलेज हैदराबाद को पकड़ा है। आरोपी एपी के नरसीपट्टनम से प्रतिबंधित दवा यानी हशीश तेल खरीदने और इसे हैदराबाद और उसके आसपास जरूरतमंद ग्राहकों को बेचने में लिप्त हैं। उनके कब्जे से 2 पॉलिथीन कवर जिसमें 2 लीटर हशीश ऑयल जब्त किया गया। इस मामले में वंदालम नागार्जुन निवासी वनजाजुला गांव, लोथुगुड्डा जंक्शन पोस्ट, चिंतापल्ली मंडल, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश फरार बताया जा रहा है। आरोपियो के हशीश तेल दो लीटर, नकद 1200 रुपए , मोबाइल फोन तीन, पल्सर बाइक आदि मिला है। बरामद संपत्ति का मूल्य करीब 12 लाख रुपए बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार फरवरी 2022 के महीने में, आरोपी एम्प्लिली बलराजू को एनडीपीएस एक्ट मामले में एक्साइज पीएस, बालानगर, मेडचल मल्काजगिरी में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8 (सी) के तहत गिरफ्तार किया गया था। सेंट्रल जेल चेरलापल्ली में बंद थे। जेल से रिहा होने के बाद और फरवरी-2023 के महीने में

उन्हें अन्य ड्रग तस्करों बुदिदा विश्वनाथ और मंगली राजेश के साथ एनडीपीएस अधिनियम के तहत कुकटपल्ली पीएस, साइबराबाद तहत गिरफ्तार किया गया। उसके बाद उसने अपना व्यवहार नहीं बदला और बुदिदा विश्वनाथम के माध्यम से आरोपी नागार्जुन एन/ओ चिंतापल्ली, विजाग (हशीश तेल के आपूर्तिकर्ता) का मोबाइल नंबर प्राप्त किया और उससे हशीश तेल खरीदना शुरू कर दिया और उसे पेडलर्स मदुगुला सतीश बेचना शुरू कर दिया। अपने व्यवसाय को जारी रखते हुए, 12 जनवरी को आरोपी अम्पिली बलराजू अपने पैतृक गांव श्रीकाकुलम जिला, एपी गया और संक्रांति त्योहार के बाद उसने नागार्जुन से हशीश का तेल खरीदने और इसे हैदराबाद में आदी व्यक्तियों को आपूर्ति करने का फैसला किया। 21 जनवरी को वह नरसीपट्टनम क्षेत्र में गया, वहां नागार्जुन ने पॉलिथीन कवर में पैक 2 लीटर हशीश तेल दिया। फिर बलाराजू ट्रेन से हैदराबाद लौट आए। इसके बाद आरोपी मदुगुला सतीश उर्फ सत्यबाबू और बागरी नागेश निवासी बोवेनपल्ली, हैदराबाद हशीश तेल लेने के लिए अपनी बजाज पल्सर बाइक पर एम्पिली बलाराजू हाउस आए और एक लीटर हशीश तेल एकत्र किया और अपने आवास पर लौट आए, इस बीच एसओटी पुलिस और एल एंड ओ पुलिस ने बालानगर की ओर फतहनगर ब्रिज के अंतिम छोर पर वाहन चेकिंग के दौरान उन्हें पकड़ा और उनके कब्जे से एक लीटर हशीश तेल और पल्सर बाइक जब्त की। उनके कबूलनामे के आधार पर वे मूसापेट के भवानी नगर स्थित आरोपी अम्पिली बलाराजू के आवास पर गए और देखा कि बलाराजू हशीश तेल को छोटे बक्सों (05 मिली) में बदल रहा था और उसे पकड़ लिया और (900 मिली) हशीश तेल और (20) छोटे बक्से प्रत्येक 5 को जब्त कर लिया। इसके अलावा, आरोपी अम्पिली बलराजू ने नागार्जुन से प्रति लीटर 35,000 रुपये में हशीश ऑयल खरीदा और उसे मदुगुला सतीश उर्फ सत्यबाबू और बगारी नागेश को बेच दिया और उन्होंने इसे 5 मिलीलीटर के छोटे बक्से में बदल दिया और आसपास के इलाकों में छात्रों को बेच दिया। बोवेनपल्ली और हैदराबाद शहर के शैक्षणिक संस्थानों में से प्रत्येक को 2500 रुपये में और आसानी से पैसा कमाना।

गिरफ्तारियां डी. श्रीनिवास, डीसीपी, एसओटी, मेडचल, शोबन कुमार, एडीसीपी, एसओटी मेडचल, श्री ए. गंगाराम, एसीपी, बालानगर, आर. श्याम सुंदर रेड्डी, पुलिस निरीक्षक, एसओटी, बालानगर जोन की देखरेख में की गई।आरोपियो की गिरफ्तारी में ए. पुरेंदर रेड्डी, पुलिस निरीक्षक, सनथनगर पीएस और एसओटी बालानगर जोन टीम शामिल रहे। पुलिस ने नागरिकों से अनुरोध है किया है वे गांजा/हशीश के तेल आपूर्तिकर्ताओं से संबंधित किसी भी जानकारी के बारे में डायल 100 या साइबराबाद एनडीपीएस प्रवर्तन सेल 7901105423 या साइबराबाद व्हाट्सएप नंबर 9490617444 के माध्यम से पुलिस को सूचित करें। शैक्षणिक संस्थान के प्रबंधन से अनुरोध है कि वे छात्र गतिविधियों पर नजर रखें। एनडीपीएस से संबंधित कोई भी जानकारी हो तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। उनकी पहचान गोपनीय रखी जायेगी।

भाजपा को विकास नहीं, ध्रुवीकरण पसंद है : वीएच

हैदराबाद,23 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी. हनुमंत राव ने कहा कि बीजेपी संसदीय चुनाव जीतने के लिए राम को हथियार के तौर पर इस्तेमाल करना चाह रही है। उन्होंने कहा कि भद्राचलम राम मंदिर का विकास क्यों नहीं किया गया। बीजेपी राहुल गांधी की बढती लोकप्रियता से घबराई हुई है। इसलिए मंदिर के नाम पर वोट बटोरने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि बीजेपी का प्यार सिर्फ हिंदू वोटों के लिए है। उन्होंने सवाल किया कि क्या राम ही आपके एकमात्र भगवान हैं ! उन्होंने पूछा, मोदी सभी मंदिरों में जा सकते हैं, लेकिन अगर राहुल गांधी को जाना है तो क्या उन्हें अनुमति की जरूरत है। उन्होंने पूछा कि क्या आपको बुलाए जाने पर ही मंदिर जाना चाहिए? हनुमंत राव ने टिप्पणी की कि राम क्या अयोध्या में हैं भद्राचलम में नहीं हैं।

हनुमंत राव ने कहा कि भाजपा नेता क्या मुझसे भी ज्यादा रामभक्त हैं? असम के सीएम हेमंत बिस्वा द्वारा राहुल गांधी को रावण कहे जाने की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा, उन्होंने सीएम की गरिमा को ठेस पहुंचाया है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

निविदा सूचना सं.-2_जीएस_एचवायबी_24_ओटी, दि.22-01-2024 PUB/0069

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मुख्य परियोजना प्रबंधक/गति शक्ति युनिट, हैदराबाद डिवीजन, दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्यूरमेन्ट के माध्यम से दि.13-02-2024 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. 2 जीएस एचवायबी 24 ओटी, कार्य विवरण-हैदराबाद डिविज़नः गति शक्तिः निजामाबाद स्टेशनः निजामाबाद स्टेशन यार्ड पर मौजूदा यार्ड व्यवस्था की रिमोडिलिंग सहित ट्रैक, पाइंट्स व क्रासिन्स आदि बिछाने का कार्य। अनुमानित मूल्यःरू.1,94,61,518.19 पैसे, पूधराःरू.2,47,300.00 पैसे

अधिक जानकारी हेतु कृपया वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

उप मुख्य अभियंता/गति शक्ति/हैदराबाद

निविदा सूचना सं. 11-एमइसीएच-सीआरएमआय-टीपीटीवाय-23-24, दि.20-01-2024 PUB/0070

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, चीफ वर्कशाप मैनेजर, कैरेज रिपेयर शाप, तिरूपति, दमरे द्वारा आयआरइपीएस के माध्यम से निम्न कार्यों हेतु प्रतिष्ठित ठेकेदारों से खुली निविदा आमंत्रित है।

क्रम सं. 1. निविदा सं. 11-एमइसीएच-सीआरएमआय-टीपीटीवाय-23-24, दि.20-01-2024, कार्य विवरणः प्रमुख 3 आयटम्स की संक्षारण मरम्मत या कोरोसन रिपेअर्स (हेड स्टाक मोड्यूल नवीकरण, हेड स्टाक का नवीनीकरण एवं सोल बार का नवीनीकरण), सीआरएस/टीपीवायएस पर आयसीएफ डिजाइन कन्वेन्शनल कोचेस का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट कार्य अनुमानित मूल्यः रू. 33,54,047.35 (केवल तैंतीस लाख, चौपन हजार, सैंतालिस रूपये व पैंतीस पैसे), बोली सुरक्षा राशिःरू.67,100/-, निविदा प्रपत्र मूल्यः रू. शून्य(कृपया निम्न नोटः1 को रिफर करें), पूरा करने की अवधिः कार्य प्रारंभ होने की तिथि से 03 महिने।

नोटः
जीसीसी -2022 की पैरा नं. 3 (भाग-।) के नुसार, सभी निविदाकारों को निःशुल्क तौर पर ई-निविदा प्रपत्र जारी किये जाएंगे। इसलिए निविदा दस्तावेज में निविदा दस्तावेज मूल्य का उल्लेख नहीं किया गया है।

क्रम सं. 1. विवरणः निविदा पेटी बंद होने की तिथि व समयः 12-02-2024 के सु.11.00 बजे

A0079 चीफ वर्कशाप मैनेजर, (सीआरएस), तिरूपति

निविदा शर्तों/ तत्संबंधित अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः http://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

बीआरएस विधानसभा क्षेत्रों की समीक्षा बैठकें अगले महीने आयोजित करेगी

हैदराबाद, 23 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। लोकसभा क्षेत्रों की तैयारी बैठकों के बाद, भारतीय राष्ट्र समिति (बीआरएस) हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों का विश्लेषण करने के लिए फरवरी के पहले सप्ताह से विधानसभा क्षेत्र-वार समीक्षा बैठकें आयोजित करेगी। पार्टी को अब ऐसा लग रहा है कि पिछले साल विधानसभा चुनाव में पार्टी और सरकार के बीच तालमेल की कमी के कारण उसे हार मिली। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने नलगोंडा लोकसभा क्षेत्र की तैयारी बैठक में कहा कि 3 जनवरी को आदिलाबाद से शुरू हुई बैठकें सोमवार को नलगोंडा लोकसभा क्षेत्र के साथ समाप्त हो रही हैं। पिछली 16 बैठकों के पैटर्न को देखते हुए, पार्टी कार्यकर्ताओं में एक नये उत्साह का संचार हुआ है। राव ने कहा कि नलगोंडा में चुनाव प्रचार हमारे पक्ष में था और कहीं भी हार को लेकर कोई संदेह नहीं था, लेकिन चुनाव नतीजे अलग थे और पार्टी केवल सूर्यापेट में जीती।

बीआरएस नेता ने पार्टी की हार के कई कारण गिनाए और झूठ फैलाने वाले सोशल मीडिया प्रचार का मुकाबला करने में विफलता पर जोर दिया। रामा राव ने पार्टी सदस्यों से अपनी उदासीनता छोड़ने और चुनाव से पहले कांग्रेस नेताओं द्वारा किए गए वादों और उनके वर्तमान कार्यों के बारे में लोगों को सूचित करने को कहा। उन्होंने कांग्रेस और भाजपा के बीच अंदरूनी गठबंधन का आरोप लगाया, जिसका खुलासा नलगोंडा नगर पालिका के अविश्वास प्रस्ताव के दौरान हुआ और प्रधानमंत्री मोदी पर रेवंत रेड्डी को मोहरे के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। रामाराव ने पार्टी नेताओं से अल्पसंख्यक समुदायों के प्रति कांग्रेस-भाजपा के संबंधों को उजागर करने का आह्वान किया। वरिष्ठ नेता टी हरीश राव ने पार्टी नेताओं से लोकसभा चुनाव में पार्टी उम्मीदवारों की जीत के लिए काम करने को कहा।

एनसीसी निदेशालय एपी एंड टी कैडेट गणतंत्र दिवस शिविर में चमके

हैदराबाद, 23 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एनसीसी निदेशालय एपी एंड टी कैडेटों ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में गणतंत्र दिवस शिविर 2024 के दौरान एक शानदार और मधुर समूह गीत प्रस्तुत करते हुए अपनी प्रतिभा और देशभक्ति का प्रदर्शन किया राजनाथ सिंह, जो स्वयं एक गौरवान्वित एनसीसी कैडेट हैं, ने कैडेटों के प्रदर्शन की प्रशंसा की और उनके आत्मविश्वास, स्मार्ट और प्रगतिशील आचरण की सराहना की। जब उन्होंने एनसीसी निदेशालय एपी एंड टी कैडेटों द्वारा कौशल और समर्पण का असाधारण प्रदर्शन देखा तो उनके शब्द गर्व से गूंज उठे।समूह गीत ने न केवल कार्यक्रम में संगीतमय आकर्षण जोड़ा, बल्कि राष्ट्रीय कैडेट कोर के आदर्शों के प्रति कैडेटों की अटूट भावना और प्रतिबद्धता को भी दर्शाया। रक्षा मंत्री की स्वीकृति इन युवा नेताओं की उल्लेखनीय उपलब्धियों और गुणों को और अधिक रेखांकित करती है। एनसीसी निदेशालय एपी एंड टी अनुशासन, देशभक्ति और उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देना जारी रखता है, जैसा कि गणतंत्र दिवस शिविर 2024 में अपने कैडेटों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से पता चलता है। निदेशालय एनसीसी के मूल्यों को अपनाने वाले भावी नेताओं को पोषित करने में गर्व महसूस करता है। जिलों से कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों से अनुरोध किया गया है कि वे सुबह 8:30 बजे तक कुकट पल्ली सभागार में पहुंच जाएं और शांतिपूर्ण माहौल में कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी पूरी कर लें. डिप्टी सीईओ हरिसिंह ने निर्देशानुसार बैठक व्यवस्था कर कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी को समन्वय बनाकर कार्य करने को कहा है।

मंत्री के साथ समीक्षा बैठक में विधायक पायल शंकर शामिल

हैदराबाद, 23 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद विधायक पायल शंकर ने आदिलाबाद जिले के अपने दौरे के तहत जिले के उटनूर मंडल केंद्र में आए जिला प्रभारी मंत्री सीताक्का से शिष्टाचार मुलाकात की। इससे पहले, जिला प्रभारी मंत्री सीताक्का ने उटनूर मंडल केंद्र के केबी कॉम्प्लेक्स के सम्मेलन हॉल में जन प्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में पायल शंकर ने हिस्सा लिया। इस बैठक में बोलते हुए उन्होंने आदिलाबाद की विभिन्न समस्याओं पर विशेष ध्यान देने और उन्हें पूरा करने के लिए फंड देने को कहा।

उन्होंने कहा कि आदिलाबाद में एयरोड्रम में हवाई अड्डे के निर्माण के लिए केंद्र से पिछली सरकार से बार-बार अनुरोध करने के कारण यह परियोजना लंबित है, जिसका कई वर्षों से इंतजार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अगर यह हवाई अड्डा बनता है तो यह तेलंगाना का दूसरा हवाई अड्डा होगा और आदिलाबाद में व्यावसायिक अवसर बढ़ेंगे।

केंद्र सरकार को याद दिलाया गया कि बड़े शहरों के बराबर आदिलाबाद में 150 करोड़ की लागत से बने इस अस्पताल में 90 फीसदी डॉक्टरों की नियुक्ति नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि अस्पताल अब तक पूरी क्षमता से उपलब्ध नहीं हो सका है और उन्होंने इस अस्पताल के लिए आवश्यक चिकित्सकों एवं तकनीशियनों की नियुक्ति करने का अनुरोध किया।

उन्होंने याद दिलाया कि चनाका-कोराटा बराज का काम जनता के हजारों करोड़ रुपये खर्च कर शुरू किया गया था। उन्होंने कहा कि 2018 में पूरी आवश्यक परियोजना से अब तक एक एकड़ की भी सिंचाई नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने भूमि उपकरण के लिए आवश्यक धनराशि जारी नहीं की। कहा गया कि हर साल निर्माण लागत जोड़ने से प्रोजेक्ट बोझिल हो गया है। उन्होंने कहा, संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय करें और परियोजना को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करें।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने विधानसभा में प्रस्ताव पारित किया और जीओ लाया, काम शुरू किया, लोगों को धोखा दिया और संबंधित धन जारी किया, फिर धन पर रोक लगा दी और काम को आगे बढ़ने से रोक दिया। उन्होंने अनुरोध किया कि इस सरकार में ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो इसके उपाय किये जाएं और विकास कार्यों एवं योजनाओं को आगे बढ़ाया जाये। इसमें खानपुर विधायक एडमा बोज्जा, आसिफाबाद विधायक कोवा लक्ष्मी, जिला कलेक्टर राहुल राज, अन्य अधिकारी और जन प्रतिनिधि शामिल हुए।

बीएचईएल BHEL भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भारत सरकार का उपक्रम)

मानव संसाधन प्रबंधन रामचंद्रपुरम, हैदराबाद-502032

विज्ञापन सं.: पीटीएमसी/2024/01

बीएचईएल, एचपीईपी, हैदराबाद एक वर्ष की अवधि (आवश्यकता एवं कार्यप्रदर्शन के आधार पर विस्तारयोग्य) के लिए पूर्णतः अस्थायी आधार पर एमबीबीएस के साथ (व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा में 01 वर्ष का अनुभव के साथ), स्पेशलिस्ट जनरल सर्जन,रेडियोलॉजिस्ट) के पदों हेतु अंशकालिक मेडिकल कंसल्टेंट्स (पीटीएमसी) की नियुक्ति के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित करता है। पारिश्रमिक पद के अनुसार घंटों के आधार पर दिया जाएगा। इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवार आवेदन पत्र जमा करने एवं अन्य विवरणों के संबंध में पूर्ण जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट **https://hpep.bhel.com/** एवं **http://careers.bhel.in** पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन को देखें।

इंडियन पोर्ट रेल एंड रोपवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड

(पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय भारत सरकार के अधीन संयुक्त उद्यम)

CIN No: U60300DL2015PLC282703 (An ISO 9001, 14001 & 45001 Certified Company)

भारतीय रेल – उर्जाकरण के संदर्भ में सार्वजनिक सूचना

ईस्ट कोस्ट रेल के वाल्टेयर विभाग के निम्न सूचित पूर्ण हुए खंड पर स्थित रेलवे लाइनों तथा परिसर के सभी उपयोगकर्ताओं को सूचित किया जाता है की, 25000 वोल्ट, 50 हर्ट्झ, एसी ओवरहेड कर्षण तारों को निर्दिष्ट तिथि पर या उसके बाद इस खंड में उर्जित किया जाएगा। उसी तिथि से ओवरहेड कर्षण तारों को हर समय 'लाईव' माना जाएगा और कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति उक्त ओवरहेड लाईन के करीब नहीं जाएगा या काम नहीं करेगा।

विभाग	तिथि
ईस्ट कोस्ट रेल के वाल्टेयर विभाग में विशाखापटणम पोर्ट ट्रस्ट स्थित व्हीपीए रेल्वे लाईन की ए/ईक्यू-1 लाईन	29.01.2024

एसी 25 केवी कर्षण की पुर:स्थापना ''रास्ता उपयोगकर्ताओं को चेतावनी''

जनता की जानकारी के हेतु यह अधिसूचित किया जाता है की ईस्ट कोस्ट रेल वाल्टेयर विभाग में विशाखापटणम पोर्ट प्राधिकरण स्थित व्हीपीए के ए/ईक्यू-1 रेल्वे लाईन पर 25 केवी एसी विद्युत कर्षण के प्रारंभ के संदर्भ में सभी समपारों पर कर्षण तारों के (संपर्क तार) के संपर्क में आने या खतरनाक निकटता से रोकने के उद्देश्य से सड़क स्तर से 4.78 मीटर की स्पष्ट ऊंचाई वाले हाईट गेजेस स्थापित किये गये हैं, जो समपारों पर रेल स्तर से न्यूनतम 5.5 मीटर की ऊंचाई पर हैं।

जनता को यह सूचित किया जाता है की वे वाहनों को लोड करने के उद्देश्य से उपर निर्दिष्ट उंचाई का पालन करें और यह देखें की सड़क पर वाहनों में लाया गया भार किसी भी परिस्थिति में हाईट गेज का उल्लंघन न करें।

अत्यधिक ऊँचाई तक लादे भार के खतरें निम्नानुसार हैं:

1. हाईट गेज को खतरा और फलस्वरूप सड़क के साथ साथ रेल्वे लाइन में भी बाधा।
2. ले जाने वाली सामग्री या ले जाने वाले उपकरण या खुद वाहन को खतरा।
3. कंडक्टरों से संपर्क या खतरनाक निकटता के कारण आग का खतरा और जीवन का जोखिम।

स्थान : विशाखापटणम
दिनांक : 17/01/2024

संयुक्त महाप्रबंधक/विद्युत
आईपीआरसीएल

जीएम ने कर्मचारियों को मैन ऑफ द मंथ सुरक्षा पुरस्कार दिया

अरुण जैन ने अधिकारियों के साथ सुरक्षा एवं प्रदर्शन समीक्षा बैठक भी की

हैदराबाद, 23 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महा प्रबंधक अरुण कुमार जैन ने को रेल निलयम सिकंदराबाद में आयोजित एक आभासी सुरक्षा समीक्षा बैठक के दौरान जोन में कर्तव्य के प्रति सतर्कता और समर्पण दिखाने वाले 09 कर्मचारियों को मैन ऑफ द मंथ सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। आर. धनंजयुलु, अपर महाप्रबंधक, एससीआर ने भी सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ बैठक में भाग लिया. सभी छह मंडलों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक में शामिल हुए। अरुण कुमार जैन ने सतर्कता दिखाने और समय पर कार्रवाई करने के लिए 11

पुरस्कार विजेताओं (सिकंदराबाद डिवीजन - 05, विजयवाड़ा डिवीजन - 03, गुंतकल डिवीजन - 01, नांदेड़ डिवीजन 01 और गुंटूर डिवीजन - 01) में से 09 कर्मचारियों को मैन ऑफ द मंथ सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। असुरक्षित स्थितियों को रोकने के लिए कार्रवाई में शामिल कर्मचारी विभिन्न श्रेणियों जैसे लोको पायलट, स्टेशन मास्टर, तकनीशियन, पॉइंट मैन, की/गेट मैन और ट्रैक मेंटेनर आदि से संबंधित थे। महाप्रबंधक ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और अत्यंत समर्पण के साथ कर्तव्यों का पालन करने की प्रतिबद्धता के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि ये पुरस्कार अन्य कर्मचारियों को सुरक्षा के प्रति निष्ठा के साथ ईमानदारी से काम करने के लिए प्रेरित करेंगे, जिससे रेलवे को ट्रेनों के सुरक्षित संचालन में मदद मिलेगी। बाद में, श्री अरुण कुमार जैन ने जोन पर ट्रेन परिचालन की सुरक्षा की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सतर्कता सुनिश्चित करने और अप्रिय घटनाओं से बचने के लिए जोन पर सुरक्षा अभियान जारी रखने और औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सुरक्षा संबंधी कार्यों जैसे अतिरिक्त लूप लाइनों के प्रावधान, दोहरीकरण और तिहरीकरण कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने ब्रेक बाइंडिंग, एसेट फेल्योर आदि जैसी छोटी घटनाओं पर भी समीक्षा की। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने ट्रैक नवीनीकरण, नए चालू किए गए अनुभागों से संबंधित चल रहे कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने और समय सीमा के अनुसार कार्य पूरा करने के निर्देश दिये। उन्होंने ट्रेन संचालन के समयपालन आंकड़ों पर भी चर्चा की और अधिकारियों को समयपालन में सुधार करने और ट्रैफिक ब्लॉक आदि के दौरान जनशक्ति के इष्टतम उपयोग के लिए सक्रिय कार्य योजना बनाने की सलाह दी।

कर्पूरी ठाकुर जयंती को लेकर मिलर स्कूल मैदान पर जेडीयू-बीजेपी अड़ी

पटना, 23 जनवरी (एजेंसियां)। कर्पूरी ठाकुर पर जेडीयू-बीजेपी में जंग जारी। अभी तक भाजपा को मैदान नहीं मिला। भारतीय जनता पार्टी ने खुला ऐलान कर दिया है कि वह 24 जनवरी को वीरचंद पटेल पथ पर जेडीयू कार्यालय के बाहर ही कर्पूरी जयंती मानने की तैयारी कर रही है। दूसरी ओर जिस मिलर स्कूल मैदान को लेकर तकरार हो रही है उसको जेडीयू छोड़ने को तैयार नहीं है। ऐसे में दोनों ही पार्टियों में राजनीतिक हालात हो तनातनी के हो गए हैं। क्या है मामला- यह पूरा मामला पटना के वीरचंद पटेल स्थित मिलर हाई स्कूल मैदान से जुड़ा है। यह मैदान जदयू और भाजपा, दोनों ही पार्टियों के कार्यालय के निकट ही है। भाजपा का दावा है कि उसने इस मैदान को पहले से ही 24 जनवरी के लिए बुक किया है। वहीं, जदयू ने कह रहा है कि उसने इसे 23 जनवरी के लिए बुक किया है। अब जदयू के कार्यकर्ता पहले से ही इस मैदान पर अड्डी गाड़े बैठे हैं, जबकि

भाजपा कह रही है कि इस मैदान में वह रैली करेगी।

जदयू-भाजपा आमने-सामने

भाजपा ने चेतावनी दी है कि आरक्षित मैदान उन्हें कार्यक्रम के लिए खाली नहीं मिला तो वह सड़क पर समारोह मनाएगी। इस बात की घोषणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने स्वयं की है। वहीं, जदयू की ओर से मिलर स्कूल मैदान आरक्षित करवाने का पेपर पत्रकारों को दिखाते हुए मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि जदयू ने पहले ही इस मैदान को आरक्षित करने का आवेदन दिया था, लेकिन, भाजपा ने 1 नवंबर को आवेदन दिया था। वह इसको प्रशासन की गलती बता रहे हैं, लेकिन जगह छोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं।

जदयू-भाजपा अपने स्टैंड पर अड़ी

अशोक चौधरी ने दावा किया कि एनओसी मिला और शिक्षा विभाग ने जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह को निर्देश दिया कि मैदान खाली कर आरक्षित किया जाए। इसके बाद 23 जनवरी के लिए जदयू को यह मैदान आवंटित कर दिया गया है, ऐसे में भाजपा का आरोप बेबुनियाद है। बता दें कि जदयू 24 जनवरी को वेटनरी कॉलेज मैदान में कर्पूरी जयंती मनाने वाली है, लेकिन, वह बाहर से आने वाले लोगों के ठहरने के लिए मिलर हाई स्कूल के मैदान में व्यवस्था कर रही है।

किसके कर्पूरी?

इस पर आरएलजेडी के प्रधान महासचिव माधव आनंद ने कहा कि बिहार की राजनीति में जननायक कर्पूरी ठाकुर की प्रासंगिकता हमेशा रही है और सभी पॉलीटिकल पार्टी दावा कर रही हैं कि हम उनके बताए रास्ते पर चलते हैं। लेकिन, इस महागठबंधन की सरकार कर्पूरी ठाकुर को इग्नोर करने का काम किया है।

अगर ये कर्पूरी ठाकुर के बताए रास्ते पर चलते तो आज बिहार में शोषितों वंचितों की यह हालत नहीं होती। माधव आनंद ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर के बताए रास्ते पर अगर चलने वाली कोई सरकार है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार है जो लगातार शोषित,वंचितों के लिए बेहतर काम कर रही है। आज आरएलजेडी भी पटना के श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में कर्पूरी जयंती के मौके पर कार्यक्रम कर रही है और कर्पूरी जयंती मना रही है।

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा पर आरजेडी नेता तेज प्रताप का बड़ा बयान- राम नहीं, चुनाव आ रहे हैं

पटना, 23 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा पर राजद नेता तेज प्रताप यादव का एक बार फिर बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि राम नहीं आ रहे हैं! चुनाव आ रहे हैं ! श्री राम तो हमारे मन में, हृदय में और कण-कण में विराजमान हैं पूर्व से ही। तेज प्रताप यादव ने ट्वीट कर लिखा कि सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार भगवान श्री राम, विष्णु जी के अवतार हैं और भगवान विष्णु के अन्तिम अवतार "कल्कि अवतार" को कलियुग का अंत होने के बाद धर्म की पुनर्स्थापना के लिए आना बाक़ी है। सियावर रामचंद्र की जय वहीं 22 जनवरी को एक ट्वीट में राजद नेता ने लिखा था कि राम तो सबके मन में हैं... ।अंधभक्त राम को लाने से पहले अपने अंदर के रावण को बाहर निकालें क्योंकि राम के लोग कभी भेदभाव नहीं करते। उन्होंने कहा कि सबसे पहले महिलाओं के ख़िलाफ़ अत्याचार बंद होना चाहिए और ग़रीबी-भूख जैसे रावण को कैसे ख़त्म करे, इस पर विचार होना चाहिए।

मायावती खामोश पर भतीजे आकाश आनंद ने कहा- बीजेपी की सरकार ने बड़ी गलती कर दी

लखनऊ, 23 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में प्रभु रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से कई विपक्षी दलों ने ये कहकर दूरी बनाए रखी कि ये बीजेपी का कार्यक्रम हैं।बसपा सुप्रीमो मायावती भी न तो इस समारोह में शामिल हुईं और न ही कोई प्रतिक्रिया दी। राम मंदिर को लेकर बसपा सुप्रीमो की खामोशी के बीच अब उनके भतीजे आकाश आनंद की राम मंदिर को लेकर प्रतिक्रिया सामने आई है। आकाश आनंद ने कहा कि सिर्फ प्रोटोकॉल में प्रधानमंत्री को सर्वोच्च रखने के लिए समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को नहीं बुलाया गया। आकाश आनंद ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को नहीं बुलाने बीजेपी सरकार की बड़ी गलती बताया और कहा कि बीजेपी ने राष्ट्रपति को इस समारोह में न बुलाकर गलती की है। मायावती के भतीजे ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा, '22 जनवरी 2024 की तारीख भारत के इतिहास में दर्ज हो गई है, और बेहतर होता कि आदिवासी समाज से आने वाली देश की राष्ट्रपति आदरणीय द्रौपदी मुर्मू जी भी कार्यक्रम में मौजूद रहती, सिर्फ प्रोटोकॉल में प्रधानमंत्री को सर्वोच्च रखने के लिए बीजेपी की सरकार ने बड़ी गलती कर दी।'

प्राण प्रतिष्ठा में शामिल नहीं हुईं मायावती

दरअसल बसपा सुप्रीमो मायावती को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की ओर से प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने का न्योता दिया गया था, बसपा सुप्रीमो ने भी न्योता मिलने की बात कही थी लेकिन, मायावती इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुईं।

हालांकि उन्होंने तब ये ज़रूर कहा था कि बसपा धर्मनिरपेक्ष पार्टी है। हम सबका स्वागत करते हैं, अगर मैं व्यस्त नहीं हुई तो कार्यक्रम में शामिल भी हो सकती हूं। इस साथ ही उन्होंने ये भी कहा था कि अगर बाबरी मस्जिद को लेकर भी समारोह होता है तो वो उसका भी स्वागत करती हैं। आपको बता दें कि आकाश आनंद को बसपा सुप्रीमो ने अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है। आकाश अक्सर सोशल मीडिया पर भी एक्टिव रहते हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती उन पर काफ़ी भरोसा करती है। इससे पहले भी जब दिल्ली में संसद का उद्घाटन हुआ था, तब भी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को उस कार्यक्रम में नहीं बुलाने को लेकर कई तरह के सवाल उठाए गए थे।

'भाजपा और आरएसएस का कार्यक्रम बना दिया'

राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के बाद आरजेडी ने फिर बोला हमला; पीएम मोदी को बता दिया जादूगर

पटना, 23 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में भगवान राम के मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद लालू यादव की पार्टी राजद के तमाम नेता भाजपा को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। फिलहाल राजद नेता और राज्यसभा सांसद मनोज झा ने राम मंदिर को लेकर भाजपा और आरएसएस के साथ पीएम मोदी को भी घेर लिया है। मीडिया के साथ बातचीत में मनोज झा ने कहा कि राम तो अंतर्मन में हैं। राम अयोध्या में भी हैं, राम कश्मीर में भी हैं, राम बिहार में भी हैं, राम महाराष्ट्र में भी हैं। कबीर और गांधी के भी राम हैं। बापू के तो हर कर्म और हर क्षण में राम थे। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी में इतिहास के साक्ष्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करने की कला है, वह इस मामले में जादूगर हैं, लेकिन ये कला चलती नहीं है, बैठ जाती है। मनोज झा ने आगे कहा कि राम मंदिर का निर्माण या प्राण प्रतिष्ठा कैसे हुआ? यह तो न्यायिक प्रकिया से हुआ है, लेकिन इसे भाजपा और आरएसएस का कार्यक्रम बना दिया गया।

चार्जशीट को लेकर भाजपा पर बोला था हमला

गौरतलब है कि मनोज झा अक्सर भाजपा को विभिन्न मुद्दों को लेकर घेरते रहते हैं। हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जमीन के बदले नौकरी मामले में नई चार्जशीट दायर की गई थी। इसपर उन्होंने भाजपा पर तीखा हमला बोला था। मनोज झा ने ने कहा कि इस केस को बिहार के टॉप लीडरशिप ने बनवाया है। 2008 का केस है। 16 साल पुराना केस है। मंत्रालय की नजर में यह घोटाला नहीं है। आज भी चार्जशीट में मंत्रालय और उनके अधिकारियों का नाम नहीं है। घर की महिलाओं का नाम आपने दिया है। इनका कार्यसंचालन से कोई मतलब नहीं है।

मेरठ में बदमाशों ने दारोगा के सीने में मारी गोली

गन प्वाइंट पर लूटी कार का पीछा कर रही थी पुलिस

मेरठ, 23 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली-दून हाईवे पर मंडप के बाहर से कार लूट कर भाग रहे बदमाशों ने दारोगा को गोली मार दी है। सीने में गोली लगने से दारोगा की हालत गंभीर बनी हुई है, उन्हें गाजियाबाद के मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सुबह तक हालत में कोई सुधार नहीं है। कंकरखेड़ा थाने के हाईवे चौकी क्षेत्र स्थित एचआर गार्डन मंडप के बाहर से देर रात तीन बजे बुलंदशहर के खुर्जा निवासी सोनू सैनी की कार लूट ली गई। मंडप के बाहर ही कार को खड़ी कर सोनू सैनी अंदर सो रहा था। सोनू ने पुलिस को बताया कि बदमाशों ने उसकी कार खिड़की खुलवाई। उसके बाद गन प्वाइंट पर लेकर कार, मोबाइल और नकदी लूट कर विपरित दिशा से दिल्ली हाईवे से जाने लगे। तभी सोनू सैनी ने शोर मचा दिया। मंडप के अंदर से भी स्टाफ बाहर आ गया। तत्काल हाईवे चौकी पर पुलिस को जानकारी दी। उस समय थाने की जीप में दारोगा मुनेश सिंह पुलिस बल के साथ गश्त कर रहे थे। जीपीएस की मदद से पुलिस पीछा कर रही थी।

डिफेंस कालोनी के नाले पर बदमाशों की पुलिस ने घेराबंदी की। बदमाशों ने पहले सेंट्रो से पुलिस जीप में टक्कर मारी। उसके बाद कार से उतर कर पुलिस के ऊपर फायरिंग शुरू कर दी। कार में सवार हाईवे इंचार्ज मुनेश सिंह के सीने में गोली लगने से घायल हो गए। उन्हें पहले कैलाशी अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर गाजियाबाद के मैक्स अस्पताल में लिए रेफर कर दिया।

बरसात जाते ही छोटे मेढक गायब हो जाते हैं

स्मृति इरानी ने राहुल गांधी पर क्यों कसा तंज?

अमेठी, 23 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री और अमेठी से भाजपा सांसद स्मृति इरानी ने एक बार फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला बोला है। उन्होंने 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' पर निकले पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की तुलना बरसाती मेढक से कर दी। स्मृति इरानी ने न्याय यात्रा को लेकर मीडिया के सवाल पर तंज करते हुए कहा कि जब बरसात आती है तो छोटे-छोटे मेढक निकल आते हैं। उसी तरह अब चुनाव आ रहा है तो लोग आएंगे और जाएंगे। बरसात जाते ही ये मेढक गायब हो जाते हैं। बता दें कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 14 जनवरी से मणिपुर से भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू की थी। उनकी यह यात्रा उत्तर प्रदेश से भी गुजरेगी और महाराष्ट्र में खत्म होगी। कांग्रेस के अयोध्या राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होने से संबंधित सवाल पर स्मृति इरानी ने कहा कि जिसकी जैसी मति है वैसा ही उसका कर्म है। जिन लोगों ने अंधेरे के सिवा कुछ ना दिया हो उनसे और उम्मीद ही क्या जा सकती है। राम मंदिर को लेकर स्मृति इरानी ने कहा कि 500 सालों तक राम भक्तों ने जिस धैर्य और मर्यादा का प्रमाण दिया मैं उनको प्रणाम करती हूं। रामभक्तों का सपना साकार हो गया है।

दुर्गन भवानी मंदिर में की सफाई

इससे पहले रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से एक दिन पहले रविवार को स्मृति इरानी ने अमेठी के दुर्गन भवानी मंदिर में साफ सफाई की। साथ में मौजूद भाजपा की अन्य महिला कार्यकर्ताओं ने भी सफाई में सहयोग दिया। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष राम प्रसाद मिश्र ने स्मृति इरानी का स्वागत किया। निर्धारित कार्यक्रम के तहत इरानी ने मंदिर के फर्श पर वाइपर से सफाई करने की बात कही। उन्होंने मंदिर की सीढ़ियों और गेट के पास करीब पांच मिनट तक सफाई की।

यूपी: रामलला की शोभायात्रा के दौरान हादसा, करंट लगने से 9 बच्चे झुलसे

अखिलेश यादव ने की ये मांग

अमेठी, 23 जनवरी (एजेंसियां)। जिले के संग्रामपुर क्षेत्र में शोभायात्रा के दौरान करंट लगने से 9 बच्चे गंभीर रूप से झुलस गये। इनमें से एक बच्चे ही हालत नाजुक बनी हुई है, जिसे गंभीर हालत में ही लखनऊ के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। वहीं इस घटना के बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट करते प्रत्येक बच्चे को 10 लाख रुपये मुआवजा दिए जाने की मांग की है।

शिव मंदिर से निकाली गई शोभायात्रा

घटना के बारे में जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक लल्लन सिंह ने बताया कि संग्रामपुर थाना क्षेत्र के दुरई का पुरवा गांव में शिव मंदिर में भंडारे का कार्यक्रम था। इसी दौरान शोभायात्रा भी निकाली गई थी। उन्होंने बताया कि शोभायात्रा के दौरान डीजे सिस्टम ऊपर से गुजर रही बिजली के तार से छू गया, जिससे करंट उतर गया। वहीं करंट लगने से शोभायात्रा में शामिल 9 बच्चे झुलस गए।

सभी बच्चों की उम्र 9-15 साल के बीच

अपर पुलिस अधीक्षक लल्लन सिंह ने बताया कि सभी घायल बच्चों को गौरीगंज के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से नंदन सिंह (15) को गंभीर हालत होने के कारण लखनऊ के ट्रॉमा सेंटर भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि बाकी आठ बच्चों का इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है। सभी बच्चों की आयु 09 से 15 वर्ष के बीच है।

अखिलेश यादव ने की मुआवजे की मांग

वहीं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इस मामले को लेकर एक पोस्ट किया है। अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा है कि ''आज अमेठी में शोभायात्रा के दौरान हुए हादसे में करंट लगने से घायल हुए बच्चों को तत्काल बेहतर चिकित्सा सेवा उपलब्ध करायी जाए और 10-10 लाख रुपये के मुआवजे की तुरंत घोषणा की जाए।'' बता दें कि कल 22 जनवरी को देश भर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव देखा गया था। इसी क्रम में अमेठी में भी शोभायात्रा और भंडारे का आयोजन किया गया था।

चंद्रयान-3 में किया था कमाल, अब योगी सरकार देने जा रही बड़ा इनाम, कौन है यूपी की यह बेटी?

लखनऊ, 23 जनवरी (एजेंसियां)। आज यानि 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा। इस दौरान प्रदेश की प्रतिभाओं को 'उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान' से नवाजा जाएगा। खास बात ये है कि इस बार लखनऊ की डॉक्टर ऋतु करिधल श्रीवास्तव को यह सम्मान दिया जाएगा। चंद्रयान-3 की मिशन डायरेक्ट रही ऋतु करिधल श्रीवास्तव के नेतृत्व में भारत ने यह उपलब्धि हासिल की थी। उन्हें भारत की कई 'रॉकेट महिलाओं' में से एक कहा जाता है। मंगलयान मिशन में उनकी उत्कृष्टता को देखते हुए उन पर बॉलीवुड फिल्म मिशन मंगल बनाई गई थी, जिसमें भारतीय अभिनेत्री विद्या बालन ने उनकी भूमिका निभाई थी। कानपुर के नवीन तिवारी को भी इस सम्मान से नवाजा जाएगा। रितु करिधल श्रीवास्तव एक भारतीय वैज्ञानिक और एयरोस्पेस इंजीनियर हैं जो भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में कार्यरत हैं। इससे पहले उन्हें 2007 में राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम से इसरो युवा वैज्ञानिक पुरस्कार मिला था। करिधल ने मंगल ऑर्बिटर मिशन की सफलता का वर्णन करते हुए टीईडी और टीईडी कार्यक्रमों में भी प्रस्तुति दी थी। करिधल को लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया था। इसे राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उन्हें प्रदान किया था। 2023 में भारत ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने के लिए चंद्रयान-3 मिशन शुरू किया था और अंततः भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला पहला देश बन गया। करिधल ने भी इसी मिशन पर काम किया और भारत को इस बड़ी सफलता तक पहुंचाया। दरअसल, प्रदेश में योगी सरकार के आने के बाद ही 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के तौर मनाने की शुरुआत की गई थी। उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान के तहत विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित किया जाता है, जिसके तहत 11 लाख रुपये नकद, अंगवस्त्र व ताम्रपत्र भेंट स्वरूप दिया जाता है।

आईपीएस अमित लोढ़ा को एचसी से झटका, एफआईआर खारिज नहीं होगी; कोर्ट बोला-जांच होनी चाहिए

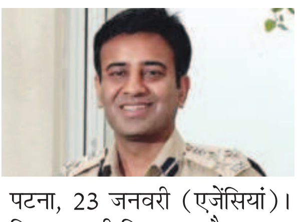

पटना, 23 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार डायरी लिखकर और उसपर बनी बेव सीरीज 'खाकी द बिहार चैप्टर' से फेमस हुए आईपीएस अधिकारी अमित लोढ़ा को पटना हाईकोर्ट से झटका लगा है। कोर्ट ने अमित लोढ़ा की क्रिमिनल रीट याचिका को खारिज कर दिया है। अमित लोढ़ा पर भ्रष्टाचार के आरोप में हुए एफआईआर खारिज करने से इंकार करते हुए पटना हाईकोर्ट ने कहा कि 'जांच होनी चाहिए'। दरसल आईपीएस लोढ़ा की सात करोड़ रुपए की संपत्ति सवालों के घेरे में है। कोर्ट ने बिहार कैडर के आईपाईएस अमित लोढ़ा की क्रिमिनल रिट याचिका को ख़ारिज करते हुए जांच एजेंसी एसवीयू को छह महीने के भीतर अनुसंधान को तार्किक अंत तक ले जाने का निर्देश दिया है। न्यायाधीश राजीव रंजन प्रसाद की एकलपीठ ने जांच एजेंसी- विशेष निगरानी इकाई को स्पष्ट किया कि मामले में जांच निष्पक्ष होनी चाहिए और जांच के दौरान आवश्यकता पड़ने पर याचिकाकर्ता जांच एजेंसी के साथ सहयोग करने के लिए बाध्य होंगे। अमित लोढ़ा पर आरोप है कि जब उनकी बतौर पुलिस महानिरीक्षक, मगध रेंज, गया, में पोस्टिंग थी उसके बाद से उन्होंने फ्राइडे स्टोरी टेलर एलएलपी और अन्य के साथ मिलकर आपराधिक साजिश को आगे बढ़ाने और अवैध रूप से निजी व्यापार में शामिल होकर अवैध कमाई किया। आरोप है कि अवैध कमाई करने और काले धन को सफेद करने के लिए उन्होंने अपनी लिखी पुस्तक बिहार डायरी का उपयोग खाकी द बिहार चैप्टर नामक एक वेब सीरीज बनाने के लिए किया। अमित लोढ़ा पर आरोप है कि उन्होंने सात करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति अर्जित की है जबकि ज्ञात कानूनी स्त्रोतों से उनकी कुल आय बिना किसी कटौती के दो करोड़ से अधिक नहीं होनी चाहिए।

24 जनवरी से शुरू होगा बीजेपी का श्रीराम जन्मभूमि दर्शन अभियान, अयोध्या इकाई पर बड़ी जिम्मेदारी

अयोध्या, 23 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में भगवान रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के बाद 23 जनवरी से राम मंदिर को श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया है। रामभक्त अपने आराध्य प्रभु श्रीराम के दर्शन के लिए बेसब्र हो रहे हैं। आज सुबह से ही मंदिर में भक्तों का तांता लगा हुआ है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु राम मंदिर में दर्शनों के लिए पहुंच रहे हैं। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी की अयोध्या यूनिट के लिए इनके

साथ समन्वय करना एक चुनौती पूर्ण कार्य होगा, बीजेपी ने जिला ईकाई को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। 24 जनवरी से भाजपा के राष्ट्रव्यापी अभियान श्रीराम जन्मभूमि दर्शन की शुरुआत हो जाएगी। जिसके लिए बीजेपी की ओर से पार्टी की जिला इकाई को अयोध्या धाम में आने वाले सभी भक्तों के लिए उचित व्यवस्था और स्वागत करने का काम सौंपा गया है। जिला इकाई के कार्यकर्ताओं को श्रद्धालुओं के स्वागत को सुनिश्चित करने की ज़िम्मेदारी दी गई है।

बीजेपी का 'श्री राम जन्म-भूमि दर्शन' अभियान

भारतीय जनता पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनाव को देखते हुए 'श्री राम जन्म-भूमि दर्शन' अभियान की शुरूआत की है। इसके तहत देश के सभी संसदीय क्षेत्रों तक पहुँचने की तैयारी की गई है। इस अभियान पर पार्टी महासचिव (संगठन) बीएल संतोष, महासचिव सुनील बंसल और विनोद तावड़े समेत कई बड़े नेता सीधे निगरानी कर रहे हैं और इसकी सफलता के लिए अयोध्या जिला इकाई के संपर्क में बने हुए हैं। 24 जनवरी को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा अयोध्या में राम मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद इस अभियान की शुरुआत करेंगे।

श्रद्धालुओं के स्वागत की व्यवस्था करेंगे कार्यकर्ता

बीजेपी के अयोध्या ज़िलाध्यक्ष संजीव सिंह ने इस बारे में में कहा है कि ये हमारे लिए एक बड़ा अवसर होने जा हे हैं जब हमें देश के अलग-अलग हिस्सों से आने वाले श्रद्धालुओं के उचित स्वागत की व्यवस्था की ज़िम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही हम उनके रहने, परिवहन, उचित भोजन और चिकित्सा सुविधाओं से लेकर हर बात का ख्याल रखेंगे। खबरों के मुताबिक अयोध्या में भाजपा की अयोध्या इकाई ने पहले से ही यहां आने वाले 25,000 श्रद्धालुओं के रहने का इंतज़ाम किया हुआ है। बीजेपी नेता के मुताबिक इन जगहों पर राम भजन, कीर्तन और राम लीला जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों भी आयोजित करने की तैयारी है। दूसरे राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं का भी पूरा ख्याल रखा जाएगा। दक्षिण राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं का इंतज़ाम उसी राज्य के बीजेपी की टीम करेगी, ताकि किसी तरह की भाषाई परेशानी न हो। इस अभियान की सफलता के लिए बीजेपी ने विभिन्न राज्यों से क़रीब 500 पार्टी कार्यकर्ता को बुलाया है जो अयोध्या बीजेपी का पूरा सहयोग करेंगे। दक्षिण के राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं के साथ समन्वय करने के लिए उसी राज्य के कार्यकर्ताओं को लगाया जाएगा। जो उस राज्य की भाषा के साथ हिन्दी और अंग्रेज़ी भाषा भी जानता होगा।

पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान पर दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित

हैदराबाद , 23 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 64वीं नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप मीटिंग सह कार्यशाला 22 और 23 जनवरी को आईआरआईएफएम, हैदराबाद में आयोजित हुई। रेल मंत्रालय, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय और बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय ने सम्मेलन में भाग लिया। रेल मंत्रालय द्वारा 22 और 23 जनवरी, 2024 को भारतीय रेलवे वित्तीय प्रबंधन संस्थान, मौला-अली, हैदराबाद में प्रधान मंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान पर दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। 64वीं नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप (एनपीजी) बैठक सह कार्यशाला आयोजित की जा रही है जिसमें रेल मंत्रालय, उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय और बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भाग ले रहे हैं। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, एससीआर ने क्षेत्रीय सम्मेलन के दौरान मुख्य भाषण दिया। भारतीय रेलवे पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के प्रमुख चालकों में से एक है। रेल मंत्रालय ने रेलवे बोर्ड में एक बहु-विषयक गतिशक्ति निदेशालय की स्थापना की है। गतिशक्ति इकाइयों ने भारतीय रेलवे के सभी मंडलों में काम करना शुरू कर दिया है। पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान ने परियोजनाओं की शीघ्र मंजूरी, कार्यों के निष्पादन की निगरानी और अन्य मंत्रालयों/राज्य सरकारों के साथ समन्वय में मदद की है।

अरुण कुमार जैन ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि यह सम्मेलन राष्ट्र में परिवहन कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे के निर्माण के परिदृश्य को बदलने की दिशा में हमारे माननीय प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए एक और महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर किसी भी देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एक पीढ़ी के भीतर सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन प्राप्त करने के लिए बुनियादी ढांचे में निवेश प्रमुख चालकों में से एक है। उन्होंने कहा कि इसके लिए महत्वपूर्ण प्रवर्तक मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट नेटवर्क की स्थापना है, जो न केवल लॉजिस्टिक्स की लागत को कम करता है, उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करता है बल्कि देश के निर्यात को भी काफी बढ़ावा देता है। गतिशक्ति, राष्ट्रीय मास्टर प्लान जो विभागवाद के बंधनों को तोड़ते हुए निर्णय लेने में एक आदर्श बदलाव का प्रतीक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता हासिल करने के लिए एक कुशल लॉजिस्टिक्स नेटवर्क महत्वपूर्ण घटक है, गतिशक्ति इस आवश्यकता को संबोधित करती है। उन्होंने कहा कि, छह स्तंभ गतिशक्ति मास्टर प्लान को कायम रखते हैं, जो व्यापकता, प्राथमिकता, अनुकूलन, सिंक्रनाइज़ेशन, विश्लेषणात्मक क्षमता और गतिशील दृश्य पर जोर देते हैं। महाप्रबंधक ने कहा कि, दक्षिण मध्य रेलवे भी परियोजनाओं की योजना और मंजूरी के लिए पीएम जीएस पोर्टल का कुशलतापूर्वक उपयोग कर रहा है। वर्तमान में, लगभग 600 किलोमीटर की लंबाई वाली 09 परियोजनाओं को पोर्टल के माध्यम से संसाधित किया गया है।

संवर्धन उद्योग और आंतरिक व्यापार विभाग की विशेष सचिव सुश्री सुमिता डावरा ने पीएम गति शक्ति और इसके लाभों पर एक प्रस्तुति दी। रेल मंत्रालय, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय और बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया।

टीपीसीसी मेनिफेस्टो कमेटी की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 23 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी की मेनिफेस्टो कमेटी की बैठक उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू की अध्यक्षता में गांधी भवन में हुई। इस बैठक में एआईसीसी प्रभारी दीपादास मुंशी, एआईसीसी प्रोफेशनल कांग्रेस के अध्यक्ष प्रवीण चक्रवर्ती, राज्य सड़क और भवन मंत्री कोमाटी रेड्डी वेंकट रेड्डी, एआईसीसी सचिव रोहित चौधरी, मंसूर अली खान, एमएलसी, टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, घोषणापत्र समिति के सदस्य और अन्य ने भाग लिया। इस अवसर पर मंत्री सुधर बाबू ने कहा कि हम चुनाव से पहले एक अच्छा चुनावी घोषणा पत्र पेश करने में सफल रहे। हम प्रदेश में सबसे अच्छा घोषणा पत्र देने में सफल रहे। हमने घोषणा पत्र में छह गारंटी दी थी। जब हम सत्ता में आये तो छह गारंटी लागू करने की दिशा में कदम उठाया।दूसरे दिन महिलाओं के लिए मुफ्त बस सुविधा। हमने आरोग्य श्री में दस लाख स्वास्थ्य योजना प्रदान की है। हम चुनाव में किये गये सभी वादों पर अमल करेंगे। लोगों ने कांग्रेस पार्टी पर बहुत भरोसा दिखाया है। विपक्षी दल की आलोचनाएँ बहुत जल्दबाजी में हैं। सरकारी जनता से किये गये वादों को क्रियान्वित करने के लिए प्रयासरत है।

भाजपा नेतृत्व को तेलंगाना में लोकसभा सीटों की चिंता

आरएसएस के चन्द्रशेखर आज हैदराबाद आएंगे

हैदराबाद,23 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। कुछ वरिष्ठ नेताओं के बीच चल रहे झगड़े को खत्म करने और पार्टी नेताओं के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के लिए, भाजपा नेतृत्व कथित तौर पर एक सख्त कार्यकारी और वरिष्ठ आरएसएस नेता चंद्रशेखर को तेलंगाना भेज रहा है। हाल ही में हुए राजस्थान विधानसभा चुनाव में बीजेपी को सत्ता में लाने में आरएसएस नेता ने पर्दे के पीछे से अहम भूमिका निभाई थी।

चन्द्रशेखर को तेलंगाना का महासचिव (संगठन) बनाया गया और वह लोकसभा चुनाव के लिए रणनीति और नीतियां तैयार करने वाले मुख्य व्यक्ति होंगे। संगठन सचिव नियुक्त होने और राज्य के वरिष्ठ नेताओं के साथ चर्चा करने के बाद चंद्रशेखर पहली बार बुधवार को हैदराबाद आएंगे।

सूत्रों ने कहा कि पिछले विधानसभा चुनावों के दौरान पार्टी को मुख्य रूप से अंदरूनी कलह और वरिष्ठ नेताओं के बीच समन्वय की कमी के कारण वांछित परिणाम नहीं मिल सके। चंद्रशेखर को इन दो मुद्दों को सर्वोच्च प्राथमिकता पर उठाने का काम सौंपा गया है। पता चला है कि पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने उनसे राज्य में पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को सुव्यवस्थित करने और नेताओं और पदाधिकारियों के बीच अधिक समन्वय बनाने के लिए कहा है।

चूंकि करीमनगर के सांसद बंडी संजय और पूर्व विधायक एटला राजेंदर गुटों के बीच कोई सुलह नहीं हो पाई है, ऐसे में चंद्रशेखर के जल्द ही दोनों नेताओं के साथ विस्तृत चर्चा करने की संभावना है। वरिष्ठ नेताओं के बीच कथित तौर पर चल रहे शीत युद्ध के कारण पार्टी के लिए कई निर्वाचन क्षेत्रों में अपना आधार मजबूत करना मुश्किल हो गया है। नेताओं के बीच आंतरिक कलह के कारण पार्टी को विधानसभा चुनावों में कई सीटों को हारना पडा है। ऐसी स्थिति को रोकने के लिए पार्टी ने चंद्रशेखर को भेजा है।

दरअसल, लोकसभा चुनाव के दौरान पार्टी के भीतर विभिन्न गुटों से परेशानी की आशंका के चलते प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने सभी जिला अध्यक्षों को बदल दिया है। चन्द्रशेखर की नियुक्ति से किशन रेड्डी को पार्टी का नेतृत्व करने में मदद मिलने की संभावना है। बीजेपी आलाकमान ने पार्टी की राज्य इकाई को लोकसभा चुनाव में 10 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य दिया है और इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए नेताओं और पदाधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत है, इसलिए चंद्रशेखर की भूमिका काफी अहम हो जाती है।

इससे पहले, श्रीनिवास तेलंगाना के आयोजन सचिव थे, लेकिन उन्हें पंजाब और हरियाणा के आयोजन सचिव के रूप में स्थानांतरित कर दिया गया था। तब से तेलंगाना बीजेपी टीम में कोई आयोजन सचिव नहीं है और पार्टी ने विधानसभा चुनाव प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में लड़ा था।

निर्वासित तिब्बती संसद के सदस्यों ने डिप्टी सीएम से मुलाकात की

हैदराबाद, 23 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीमती त्सेरिंग यांगचेन के नेतृत्व में निर्वासित तिब्बती संसद के सदस्यों ने आज सचिवालय में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क से मुलाकात की। सदस्यों ने उपमुख्यमंत्री को तिब्बत की स्थिति से अवगत कराया। सदस्यों ने भारत और तिब्बत के बीच लंबे समय से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण संबंधों को याद किया। उन्होंने उपमुख्यमंत्री को एक ज्ञापन सौंपा और तिब्बत के लिए खड़े होने के लिए सरकार और लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। निर्वासित तिब्बती संसद के अध्यक्ष खेंपो सोनम तेनफेल और अन्य लोग प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे।

मुफ्त बिजली गारंटी जल्द लागू करेंगे

हैदराबाद,23 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी द्वारा दी गई छह गारंटी को लागू करने की कोशिश की जा रही है. मालूम हो कि दो गारंटी लागू कर चुकी सरकार एक और गारंटी लागू करने की तैयारी में है। राज्य सरकार मुफ्त बिजली गारंटी लागू करने की दिशा में कदम उठा रही है।

मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने स्पष्ट किया है कि प्रति घर 200 यूनिट मुफ्त बिजली की गारंटी अगले महीने से पूरी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि चुनाव के तहत दी गयी छह गारंटी को क्रियान्वित और पूरा किया जायेगा। हम वादे के मुताबिक 100 दिनों के भीतर इन सभी को लागू करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। राज्य की वित्तीय स्थिति बदहाल होने की वजह से वादों के कार्यान्वियन में देरी हो रही है।

सरकार के सलाहकारों और नवनिर्वाचित एमएलसी ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की

हैदराबाद, 23 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से नवनियुक्त सरकारी सलाहकारों और एमएलसी ने उनके जुबली हिल्स आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर, मुख्यमंत्री ने सरकारी सलाहकार के रूप में नियुक्त शब्बीर अली, वेणुगोपाल राव और वेम नरेंद्र रेड्डी, दिल्ली में सरकार के विशेष प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त मल्लू रवि और नवनिर्वाचित एमएलसी महेश कुमार गौड़ और बालमुरी वेंकट को सम्मानित किया। इन सभी ने सीएम रेवंत रेड्डी को उनके दावोस दौरे के दौरान तेलंगाना में 40 हजार करोड़ से ज्यादा के निवेश के समझौते करने के लिए बधाई दी।

हैदराबाद पर मंडरा रहा जल संकट

नागार्जुन सागर में बचा सिर्फ 7 टीएमसी पानी

हैदराबाद, 23 (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद को जल आपूर्ति करने वाले नागार्जुन सागर बांध में अब केवल 7 टीएमसी पानी बचा है। इतने पानी में अगले 6 महीनों के लिए हैदराबादवासियों को पीने की आपूर्ती करनी है। यह एक नया संकट हैदराबादवासियों पर मंडरा रहा है। अगले छह माह के लिए शासन एवं प्रशासन को इसी जल संचय से हैदराबाद को पीने के पानी की आपूर्ती करने में दिक्कतों का सामना कर पड सकता है।

आंध्र प्रदेश ने दो दिन पहले ही अपनी जरूरतों के लिए पाच टीएमसी पानी ले लिया था, ऐसा केआरएमबी द्वारा अनुमोदित किया गया था। नागार्जुन सागर परियोजना में न्यूनतम निकासी स्तर (एमडीडीएल) 510 फीट से ऊपर केवल 18 टीएमसी पानी बचा था। इसमें से तेलंगाना राज्य के पास नलगोंडा और खम्मम जिलों के अलावा हैदराबाद और सिकंदराबाद के जुडवां शहरों में अपनी पीने के पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए केवल 7 टीएमसी हिस्सा होगा। हैदराबाद और इसके उपनगरों के निवासियों की पीने के पानी की आवश्यकता को पूरा करने के लिए हैदराबाद को एक महीने में 1.6 टीएमसी की आवश्यकता होती है।

पीने के पानी की आपूर्ति की आवश्यकता को कम से कम अगले 6 महीनों यानी फरवरी से जुलाई तक हर तरह से समर्थन देना होगा। कृष्णा नदी बेसिन परियोजनाएँ अपने प्रवाह के देर से आने के लिए जानी जाती है। परियोजना के वर्तमान भंडारण में उपलब्ध पानी में राज्य का हिस्सा मई के पहले पखवाडे तक ही रहेगा। भले ही राज्य सरकार ने कर्नाटक से लगभग 10 टीएमसी और पश्चिमी महाराष्ट्र के कोयना बांध से 30 टीमसी पानी मांगने की योजना बनाई थी, लेकिन प्रस्ताव अब तक अमल में नहीं आए हैं।

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश दोनों राज्य शुरू में विशेष रुप से पीने के पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए नागार्जुन सागर बांध से निकाले गए पानी के उपयोग को प्रतिबंधित करने पर सहमत हुए थे, लेकिन आंध्र प्रदेश अब अपनी प्रतिबद्धता पर कायम नहीं रहा है। अधिकारियों के अनुसार, आंध्र प्रदेश के लिए छोडे गए पानी की अंतिम अवधि में से अधिकांश को सिंचाई की जरूरतों को पूरा करने के लिए छोडा गया था।

एक बार जलस्तर 510 फीट के एमडीडीएल स्तर तक पहुंचने के बाद नागार्जुन सागर परियोजना से पानी लेना एक कठिन कार्य होगा। सिंचाई की जरूरतों को पूरा करने के लिए गुरुत्वाकर्षण द्वारा परियोजना से पानी खींचने के लिए एक नहर खोदनी होगी, ऐसा भी अधिकारियों ने कहा है।

हैदराबाद में एचपी गैस उपभोक्ताओं को करना पड रहा असुविधाओं का सामना

हैदराबाद, 23 (स्वतंत्र वार्ता)। रसोई गैस सिलेंडर की डिलीवरी के समय में हो रही वृद्धि के कारण शहर में एचपी गैस उपभोक्ताओं को दिक्कतों का सामना करना पड रहा है। बुकिंग के बाद आठ से दस दिनों तक प्रतीक्षा की शिकायत ग्राहकों द्वारा की जा रही है। इस व्यवधान ने शीघ्र रिफिल चाहने वालों की चिंता बढा दी है। साथ ही कालाबाजारी की चर्चा लोगों में चल रही है।

तेलंगाना एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष जगन मोहन रेड्डी कल्लूरी के अनुसार एचपी सिलेंडर डिलीवरी में इस देरी के लिए कई कारण हैं।एलपीजी क्षेत्र में कई चुनौतियाँ सामने आई हैं, जिनमें नए मोटर वाहन अधिनियम के विरोध में परिवहन निकायों की हालिया हडताल भी शामिल है । इसका एलपीजी और डीजल जैसी आवश्यक वस्तुओं के वितरण पर व्यापक प्रभाव पडा, जिससे व्यवधान उत्पन्न हुआ।

हडताल के अलावा, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड में एक नियमित निरीक्षण, जिसमें हर पांच से छह साल में एक बार व्यापक सुरक्षा जांच की जाती थी, इसके परिणामस्वरूप लगभग साढे तीन दिनों तक उत्पादन रुका रहा। इस अंतराल के कारण बुकिंग ज्यादा हुआ है। कल्लूरी ने कहा, इसके अलावा जनवरी के पहले सप्ताह के दौरान सिलेंडर की कीमतों में 500 रूपयों तक की संभावित बढोतरी की अटकलों ने ग्राहकों में खरीदने की होड़ बढा दी। इन चुनौतियों के सामूहिक प्रभाव से एक बडा बैकलॉग बन गया, जिसकी वजह से कुछ इलाकों मे 10 दिनों तक की देरी हो गई है।कल्लूरी ने कहा की, बैकलॉक के प्रभाव को कम करने के लिए ठोस प्रयास चल रहे हैं और अधिकतम 15 दिनों के भीतर इसका हल निकलने की संभावना है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया की भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के ग्राहकों को भी इसी तरह की चुनौतियों का सामना करना पड रहा है, जबकि इंडेन कुकिंग गैस के उपभोक्ताओं को किसी समस्या का सामना नहीं करना पड रहा है।

आंध्र पुलिस अधिकारी का बेटा मृत पाया गया

हैदराबाद, 23 (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र पुलिस अधिकारी का बेटा मंगलवार को बंजारा हिल्स में मृत पाया गया।

महिला पुलिस अधिकारी रत्ना कुमारी आंध्र में पुलिस अधीक्षक के रुप में कार्यरत है। बताया जा रहा है कि उनके बेटे ने अपनी जान देने के लिए जहर खा लिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मृतक रोशन कुमार अवसाद में चल रहा था, जिसके कारण उसने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना के समय एसपी रत्ना कुमारी गुंटूर गई हुई थी।

हिंदीतर भाषी हिंदी नवलेखक शिविर संपन्न

हैदराबाद, 23 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली तथा सेंट एन्स कॉलेज फॉर वुमन, मेंहदीपट्टनम के संयुक्त तत्वावधान में 18 जनवरी से 22 जनवरी तक हिंदीतर भाषी हिंदी नवलेखक शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। शिविर के समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्री अजय मिश्रा, पूर्व मुख्य सचिव तेलंगाना सरकार रहे साथ में निदेशालय से हुकम चंद मीणा उप निदेशक व क्षेत्रीय कार्यालय हैदराबाद के प्रमुख और प्रो. विशाला शर्मा, औरंगाबाद, गंगाधर चाटे दिल्ली ओर सेंट एन्स कालेज की डीन ने दीप ज्योति प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। उसके बाद केंद्रीय हिंदी निदेशालय के निदेशक प्रो. सुनील बाबूराव कुलकर्णी आन लाइन उद्बोधन दिया। उन्होंने नव लेखक शिविर के संबंध में विस्तृत जानकारी दी, जिससे हमारे शिविरार्थी लाभान्वित हुआ ओर सभी को अच्छा लगा। विशाला शर्मा ओर गंगाधर चाटे जी उक्त पांच दिन के समारोह में भाग लेने वाले शिविरार्थियों के आलेखों का अवलोकन कर उन्हें अलग विषयों पर उन्हें दिशा निर्देश दिए। मुख्य अतिथि ने भी हिंदी साहित्य में विस्तृत जानकारी दी। उसके बाद श्री मीणा ने उक्त पांच दिनों मे शिविरार्थियों के साथ जो अनुभव प्राप्त हुआ वह शेयर किया।अंत डॉ अर्चना झा ने शिविर समन्वयक के रूप कार्य किया ओर शिविरार्थियों के प्राप्त अनुभव को शेयर किया ओर शिविरार्थियों ने भी अपनी स्वरचित कविता, लेखआदि बाचन किया ओर जो अनुभव प्राप्त हुआ। उन पर विस्तृत चर्चा की। अंत में शिविरार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए ओर शिविर का समापन हुआ। शिविर में दो विदेशी शिविरार्थी उजेकिवसतान ओर अरमानिया ने भी भाग लिया।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह सफल होना चाहिए: कलेक्टर गौतम

हैदराबाद, 23 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। मेडचल जिला कलेक्टर गौतम ने अधिकारियों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह में राज्य के राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौदरराजन की भागीदारी के मद्देनजर बिना किसी कमी के पुख्ता इंतजाम करने का निर्देश दिया है। इस महीने की 25 तारीख को जेएनटीयू में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के राज्य स्तरीय समारोह में राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौदरराजन की भागीदारी के मद्देनजर, जिला कलेक्टर ने मंगलवार को जेएनटीयू सभागार में व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस मौके पर कलेक्टर गौतम ने कहा कि अधिकारियों को इस महीने की 25 तारीख को सुबह 9 बजे कुकटपल्ली जेएनटीयू में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह की सभी व्यवस्थाएं पूरी करने का आदेश दिया। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में राज्य के सीईओ विकास राज और मुख्य सचिव शांति कुमारी शामिल हों।कलेक्टर ने जीएचएमसी आयुक्त की व्यवस्थाओं पर जिम्मेदारी सौंपे गए अधिकारियों को प्रभावी ढंग से काम करने और सफल होने के लिए कहा है।मेडचल जिला कलेक्टर के साथ, अतिरिक्त चुनाव आयुक्त खैरताबाद जोनल कमिश्नर वेंकटेश दोत्रे, कुकटपल्ली जोनल कमिश्नर अभिलाष अभिनव, डिप्टी सीईओ हरि सिंह ईएनसी जिया उद्दीन, अतिरिक्त आयुक्त उपेन्द्र रेड्डी, चंद्र कांत रेड्डी, चारमीनार, एलबी नगर जोनल कमिश्नर वेंकन्ना, पंकजा, संपदा अधिकारी महमूद बाशा, डीसी रमेश, कानूनी और चुनाव संयुक्त आयुक्त माइकल बोस, मंगथैयारु, सीईओ कार्यालय स्वीप सलाहकार भवानी शंकर पुलिस विभाग के अधिकारियों और अन्य ने भाग लिया।

कोरेमुला स्थित श्री आईमाता बडेर में श्री राम मंदिर मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर समाज बन्धुओं द्वारा आयोजित पुजा-अर्चना, लाईव दर्शन, भजन-कीर्तन, भोजन-प्रसादी व दीपोत्सव कार्यक्रम में उपस्थित उपाध्यक्ष 1 बकताराम पंवार, उपाध्यक्ष 2 राजाराम पंवार, कोषाध्यक्ष पोकरराम पंवार, सहसचिव राजाराम गेहलोत, समाज बन्धु व महिलाएं।

गोलकुंडा किले में साउंड एंड लाइट शो का उद्घाटन आज

हैदराबाद, 23 (स्वतंत्र वार्ता)। संस्कृति मंत्रालय के तहत भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, हैदराबाद सर्कल, 24 जनवरी को शाम 6 बजे से 8 बजे तक गोलकोंडा किले में ध्वनि और प्रकाश शो के उद्घाटन का आयोजन कर रहा है। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी इसके मुख्य अतिथि होंगे। बता दें कि गोलकोंडा किला, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, हैदराबाद सर्कल का एक केंद्रीय संरक्षित स्मारक, दक्कन पठार के प्रसिद्ध और सबसे बड़े किलों में से एक है। जो 120 मीटर ऊंची पहाड़ी पर बना है और हैदराबाद शहर से 11 किमी पश्चिम में स्थित है। गोलकुंडा किले ने मध्यकाल के दौरान 1948 में भारत सरकार के शासन में आने तक दक्कन के राजनीतिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शेरीलिंगमपल्ली स्थित श्री आईमाता मंदिर में अयोध्या श्री रामलला मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर आयोजित पुजा-अर्चना, भजन-कीर्तन, भोजन-प्रसादी व दीपोत्सव कार्यक्रम में भजन प्रस्तुत करते हुए आईजी भजन मंडली। अवसर पर कार्यक्रम का लाभ लेते हुए अध्यक्ष मनोज चौधरी, सचिव मांगीलाल सोनपरा, कोषाध्यक्ष विनोद गेहलोत, महिला मंडल अध्यक्षा इन्द्रा गेहलोत, सचिव गीता देवड़ा, कोषाध्यक्षा पुष्पा गेहलोत।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 24 जनवरी - 2024

पूरे विश्व में राम ही राम

पीएम नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में राम विग्रह की सौहार्द और उल्लासपूर्ण वातावरण में प्राण प्रतिष्ठा क्या की कि पूरी दुनिया ही राममय हो गई। इसके साथ ही सदियों से चल रहा विवाद भी समाप्त हो गया। आखिर कौन नहीं जानता कि राम भारतीय आस्था के प्रतीक हैं। पौराणिक प्रमाणों के साक्ष्य के अनुसार उनका जन्मस्थान वहीं है, जहां भव्य मंदिर बनाया गया है। इसी जगह को लेकर करीब पांच सौ सालों से संघर्ष चल रहा था। भाजपा की प्रमुख संकल्पों में से एक यह भी था कि वह राम मंदिर का निर्माण राम के मूल जन्म स्थान पर ही कराएगा। इस जगह को लेकर जो विवाद था वह यह कि राम मंदिर को ध्वस्त कर आक्रांता शासकों ने वहां मस्जिद खड़ी कर दी थी। उस जगह पर मालिकाना हक पाने के लिए संत समाज लगातार संघर्ष कर रहा था। अंग्रेजी हुक्मरानों ने इसका आसान रास्ता यह निकाला कि दोनों समुदाय अलग-अलग अपनी पद्धति से पूजा करें। लेकिन संत समाज ने अंग्रेजों के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। अंग्रेजों से आजादी मिली तो उस स्थान को प्राप्त करने के लिए देश के विभिन्न न्यायालयों का दरवाजा खटखटाया गया। कई मौकों पर केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार ने भी मामले को सुलझाने का प्रयास किया, लेकिन कोई व्यावहारिक हल नहीं निकल सका। फिर इसके लिए भाजपा ने देशव्यापी आंदोलन चलाया और कारसेवकों के दल ने विवादित ढांचे को ध्वस्त कर दिया था। तब अनवरत सुनवाइयों, गवाहियों के बाद आखिरकार सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला दिया कि विवादित जगह मूल रूप से राम जन्मस्थान है और उस पर संत समाज का हक है। इस मंदिर को बनने में इसलिए भी इतना समय लग गया कि संवैधानिक सिद्धांतों और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत किसी एक आस्था के पक्ष में एकतरफा फैसला करना किसी भी सरकार के लिए आसान नहीं था। काफी लंबे बहस के बाद आखिरकार सुप्रीम कोर्ट ने तर्क दिया कि राम जन्मभूमि भारतीय आस्था से जुड़ा मामला है, इसलिए विवादित जगह पर उसे स्वामित्व दिया जाना चाहिए। दूसरे पक्ष के लिए अलग से जगह देने और उस पर उनकी इच्छा के अनुरूप पूजा स्थल का निर्माण कराया जाना चाहिए। वह फैसला दोनों पक्षों ने मंजूर किया। जाहिर है अगर इस मामले को राजनीतिक रंग न दिया गया होता, तो शायद यह इतना लंबा न खिंचता। जब राममंदिर आंदोलन शुरू हुआ तो अल्पसंख्यक समुदाय के भीतर तरह-तरह से भय भरने और उसे उकसाने का भी प्रयास किया जाता रहा। अच्छी बात है कि कोर्ट का फैसला आने और उसके बाद राम मंदिर निर्माण की प्रक्रिया शुरू होने के बाद किसी तरह की कोई अप्रिय घटना नहीं घटी। किसी प्रकार के उन्माद का वातावरण भी नहीं बनने पाया। राम विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा से पहले और उसके बाद भी प्रधानमंत्री ने संकल्प दोहराया कि वे राम के आदर्शों पर चलते हुए सुशासन स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। निश्चय ही उनका संकल्प उम्मीदें जगाता है। भारत जैसे धर्मबहुल और विविध संस्कृतियों वाले देश में सुशासन की नीव सद्भावना पर ही टिकती है। जिस तरह मंदिर निर्माण और उसमें प्राण प्रतिष्ठा तक सौहार्द और सद्भाव का वातावरण दिखाई दिया, वह इस नींव की मजबूती का भरोसा पैदा करता है। राम तो मर्यादा पुरुषोत्तम हैं, समदर्शी और सद्भावना के प्रतीक हैं। इसीलिए रामराज किसी भी शासन की कसौटी है। लोक आस्था से जुड़े राम का मंदिर लोक को समर्पित कर भाजपा और उसकी सरकारों ने अपना संकल्प पूरा कर दिया है, अब उसके सामने सद्भाव और सुशासन का वातावरण बनाने के संकल्प पर खरा उतरने की परीक्षा है। इसमें भी वह कितनी सफल होती है यह आगामी आमचुनाव परिणाम पर ही निर्भर करेगा।

गुजरे समय का महत्वपूर्ण क्षण नहीं लौट कर आता दोबारा

संजीव ठाकुर

गुजरे हुए समय और बीते कल के मूल्य को बेंजामिन फ्रैंकलीन ने पहचानते हुए कहा था बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता है। यह वाक्य अत्यंत यथार्थ भी है, खोया हुआ धन अर्जित कर सकते हैं पर खोई हुई ख्याति,इज्जत को प्राप्त नहीं किया जा सकता है।समय को एक बार खो देने के बाद वापस प्राप्त करना बहुत मुश्किल ही नहीं असंभव है।इसीलिए यह कहावत कही गई है ₹काल करे सो आज कर, आज करे सो अब, पल में परलय होएगी बहुरि करेगा कब₹प्रसिद्ध लेखक मेसन ने समय को महिमामंडित करते हुए कहा है सोने के कण की तरह समय का हर क्षण मूल्यवान है। प्लेटफार्म पर खड़ी रेलगाड़ी भी अपने यात्रियों का इंतजार नहीं करती और देर से पहुंचने वाले यात्री हाथ मलते रह जाते हैं,उनके पास अफसोस करने के अलावा कुछ नहीं रह जाता।समय और समुद्र की लहरें किसी की प्रतीक्षा नहीं करती, समय के महत्व को दर्शाते प्रकृति के कई उदाहरण भी हैं, बरसात के समय वर्षा देर से आने से कृषि सूख जाती है. इसलिए कहा गया है ₹का वर्षा जब कृषि सुखावे,₹ इसीलिए इतिहास में महान लोगों ने समय के साथ निज के अनुशासन और श्रम के महत्व को अपने जीवन में अपनाकर अपने आप को बड़ा बनाकर इतिहास में अपना नाम स्थापित किया है। समाज में जितने भी प्रसिद्ध, नामचीन और महान बने हैं, या उदाहरण देने लायक बने हैं, उन सब ने समय को समय देकर अपने आप को समाज में अग्रणी स्थान पर स्थापित किया है,और हजारों,लाखों लोग उनका सम्मान कर उनका अनुसरण भी करने लगते हैं। समय का महत्व और निज पर शासन फिर अनुशासन एक दूसरे से जुड़े तथा पर्यायवाची ही है। जिसमें भी समय के महत्व को समझते हुए उसका अनुशासन के साथ उपयोग किया है,वे अपनी जिंदगी में आर्थिक सामाजिक एवं वैश्विक रूप से अपने आप को सफल बना चुके हैं। विद्वानों में यह भी कहा है कि जो कार्य जिंदगी में आप को सबसे कठिन एवं क्लिष्ट लगने लगता है। उसे समय और अनुशासन के साथ सबसे पहले किया जाना चाहिए, और तब तक करना चाहिए जब तक वह कार्य अपनी परिणति तक ना पहुंचे, और ऐसी प्रक्रिया से आप सफलता की सीढ़ी चढ़कर एक सफलतम व्यक्तित्व बन सकते हैं। और सफल व्यक्ति ही समाज को दृढ़ समृद्ध और महान बना सकता है। पश्चिमी देशों में इंग्लैंड का नाम इसीलिए भी ग्रेट ब्रिटेन और यूनाइटेड किंगडम कहा जाता है उन्होंने अनुशासन और समय का सर्वाधिक सदउपयोग कर पूरे विश्व में किसी समय राज किया था। हालांकि समय और अनुशासन का उन्होंने दमन नीति अपनाकर अनुचित उपयोग भी किया था। सकारात्मक रूप से भारत के वैज्ञानिको ने समय तथा अनुशासन का पालन करते हुए अपने अन्वेषण और शोध में कठोर श्रम करके जो भी नवीन उपलब्धियां हासिल की, वह वैश्विक रूप से स्वीकार हुई, और उन्हें अनेक राष्ट्रीय,अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुए। जो व्यक्ति अपना निश्चित कार्यक्रम बना कर मानसिक वृत्तियों को संयमित, मर्यादित कर कार्य करता है, उसे जीवन संग्राम में अवश्य बड़ी सफलता अर्जित होती है।समय के महत्व को समझने के लिए वैसे तो सभी वर्गों के लिए यह आवश्यक है, पर समय की महत्ता का सर्वाधिक महत्व विद्यार्थियों के लिए होता है। जो विद्यार्थी समय को महत्व को समझते हुए अनुशासित तरीके से मेहनत करता है उसे परीक्षाओं में दिल से सफलताएं प्राप्त होती हैं और प्रतियोगी परीक्षाओं में समय के महत्व को ध्यान में रख पढ़ाई करके वह बड़ी-बड़ी परीक्षाएं उत्तीर्ण कर बड़े-बड़े पदों को प्राप्त करते हैं बोलतें हैं कि जीवन में समय का दुरुपयोग एक तरह से आत्महत्या के समान है।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ विरोधियों के बदले स्वर

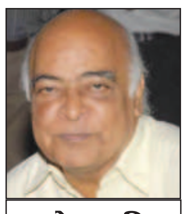

अशोक भाटिया

रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर कांग्रेस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी , नवीन पटनायक , अरविन्द केजरीवाल सहित अन्य विपक्षी नेताओं ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा था कि चुनावी लाभ के लिए अभी किया जा रहा है पर जैसे - जैसे प्राण प्रतिष्ठा की तारीख नजदीक आती गई देश की जनता का मूड देख विपक्षी दलों के स्वर बदली हो गए और उनके दिल की धडकनें बढती गई । दरअसल वे पहले जनता के मूड को नहीं भांप पाए थे । उन्होंने डैमेज कंट्रोल करने कि कोशिश शुरू कर दी पर तब तक तीर हाथ से निकल चुका था पर सभी ने किसी न किसी प्रकार से अपने को हिन्दू साबित करने की कोशिश की । और हुआ भी ऐसा जैसा अंदेशा था . राम मंदिर के गर्भगृह में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही देश में जश्न का माहौल गरमा गया । इस खास कार्यक्रम में कई हस्तियां शामिल हुईं थी । रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए गर्भगृह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत मौजूद रहे थे जो इस अवसर के गवाह रहेंगे । करोड़ों लोगों ने इस ऐतिहासिक क्षण को टीवी पर सीधे प्रसारण के दौरान देखा ।रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए विशेष अनुष्ठान में भाग लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे अलौकिक क्षण बताया। उन्होंने इस दौरान विपक्षी दलों पर निशाना साधा। वहीं विपक्षी नेताओं ने भी अलग-अलग कार्यक्रमों में भाग लिया और कई नेताओं का प्राण प्रतिष्ठा पर बयान भी आया। प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्षी दलों का नाम लिए बिना कहा कि वो भी एक समय था कि जब कुछ लोग कहते थे कि राम मंदिर बना तो आग लग जाएगी। ऐसे लोग भारत के सामाजिक भाव की पवित्रता को नहीं जान पाए। रामलला के मंदिर का निर्माण भारतीय समाज के शांति, धैर्य, आपसी सद्भाव और समन्वय का प्रतीक है। तृणमूल कांग्रेस की चीफ और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन कोलकाता में सर्वधर्म सद्भाव रैली निकाली। विभिन्न धर्मगुरुओं और पार्टी नेताओं के साथ उन्होंने ये रैली की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं चुनाव से पहले धर्म का राजनीतिकरण करने में विश्वास नहीं करती पर ध्यान देने योग्य बात यह है कि सर्वधर्म सद्भाव रैली से पहले बनर्जी ने केवल कालीघाट मंदिर में पूजा-अर्चना की जो एक हिन्दू मंदिर है । वहीं, दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में आयोजित भंडारों में शामिल हुए । उन्होंने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के इस पवित्र अवसर पर आप सभी को हार्दिक बधाईयां और शुभकामनाएं, जय सिया राम। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दिन आम आदमी पार्टी दिल्ली में शोभायात्रा निकाली ' इसके साथ ही आम आदमी पार्टी द्वारा विधानसभाओं में भंडारे का भी आयोजन किया गया ।इस मौके पर दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी ने राम पूजन और हवन किया। आप नेता दिलीप पांडे ने बताया कि लगभग सात जगह पर 22 तारीख को शोभायात्रा निकाली गई है। इसके अलावा तीन विधानसभाएं ऐसी हैं, जहां पर फिर से सुंदरकांड का पाठ किया गया । करीब 16-17 विधानसभाएं ऐसी हैं, जहां सुंदरकांड और आरती के बाद फल प्रसाद वितरण का कार्यक्रम रखा गया था । दिलीप पांडे के अनुसार मुख्यमंत्री की प्रेरणा और निर्देश से देश की सबसे अच्छी रामलीला मंच 22 जनवरी को भी जारी रहेगा। 21 जनवरी को इस रामलीला को देखने खुद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पहुंचे थे। इस मौके पर मंच से जय श्रीराम के नारे लगाते हुए मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा, "आज इस मौके पर जब हम भगवान राम की भक्ति कर रहे हैं। हमें उनके जीवन से उनके विचारों से उनके शब्दों से प्रेरणा लेने की जरूरत है। एक तरफ भगवान राम से प्रेरणा लेनी है। इससे पहले जब मुख्यमंत्री केजरीवाल से प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने को लेकर पत्रकारों ने सवाल किया था तो उन्होंने कहा था कि उनका एक लेटर आया था। उसके बाद हमने उनको फोन किया। उन्होंने बताया कि व्यक्तिगत रूप से निमंत्रित करने के लिए उनकी टीम आएगी, वो तो आई नहीं।उन्होंने कहा था कि मैं चाहता हूं कि अपनी धर्मपत्नी और बच्चों के साथ और मेरे माता पिता को भी बहुत चाव चढ़ा हुआ है कि हमें जाकर रामलला के दर्शन कराना हैं। अपने माता-पिता, धर्मपत्नी और अपने बच्चों के साथ मैं जाऊंगा। बाद में चले जाएंगे। एक बार ये 22 तारीख वाला हो जाए।केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के बुजुर्गों को अयोध्या में रामलला के दर्शन करवाने के लिए उनकी सरकार ज्यादा से ज्यादा ट्रेनें चलवाएगी।

इस बीच कांग्रेस की कर्नाटक सरकार के मुख्यमंत्री एम . सिद्धारमैया ने बेंगलुरु में ही एक राम मंदिर का उद्घाटन किया। वे बेंगलुरु के महादेवपुरा में सिद्धारमैया मंदिर के उद्घाटन समारोह में पहुंचे। यहां उन्होंने कहा कि मैं आज श्री रामचंद्र मंदिर का उद्घाटन किया है। इस इलाके को लोगों ने मुझे कार्यक्रम में आमंत्रित किया था। इसलिए यहां आया हूं। हनुमान जी की एक बड़ी प्रतिमा भी यहां लगाई गई है। सिद्धारमैया ने कहा कि राम को लेकर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए क्योंकि श्रीरामचंद्र सबके हैं। वह केवल भाजपा के भगवान नहीं हैं। वह हर हिंदू के भगवान हैं।

बीजू जनता दल के अध्यक्ष और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का लाइव टेलीकास्ट टीवी के जरिए देखा। फोटो में उनके साथ पार्टी नेता वीके पांडियन भी दिख रहे हैं और उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर फोटो शेयर कर यह बात सार्वजानिक भी की । प्राण प्रतिष्ठा के दिन कांग्रेस नेता भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर निकले राहुल गांधी भी सोमवार को मंदिर पॉलिटिक्स करते दिखे। वह असम के बटाद्रवा मंदिर में जाना चाहते थे, लेकिन प्रशासन से इसकी मंजूरी नहीं मिली। ऐसा हुआ तो राहुल गांधी कांग्रेस के तमाम नेताओं के साथ सड़क पर ही बैठ गए। इस दौरान वह रघुपति राघव राजा राम गाते हुए दिखे। उनके साथ जयराम रमेश समेत कई सीनियर नेता यह भजन गा रहे थे। राहुल गांधी ने कहा कि आज देश में सिर्फ एक ही आदमी को मंदिरों में प्रवेश करने दिया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश के नेता विक्रमादित्य सिंह निजी तौर पर रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में गए। सोचने वाली बात यह है कि राम मंदिर न जाने के कांग्रेस के निर्णय को कई कांग्रेस वालों ने ही ठुकरा दिया । अयोध्या में रामलला विग्रह के प्राण प्रतिष्ठा के बीच कांग्रेस के एक नेता ने राममंदिर निर्माण का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया । उन्होंने यह भी कहा है कि यदि नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री ना होते तो राममंदिर नहीं बन पाता। राममंदिर के लिए प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करने वाले नेता हैं आचार्य प्रमोद कृष्णम जो प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होने की वजह से कांग्रेस नेतृत्व की आलोचना भी कर चुके हैं। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने मीडिया से बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ की और कहा कि उन्हीं की वजह से आज का यह शुभ दिन आया है। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा, 'मंदिर का निर्माण अदालत के फैसले से हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया। भगवान श्रीराम जन्मभूमि के मंदिर का निर्माण शुरू हुआ। अब प्राण प्रतिष्ठा है। यह बात ठीक है कि मंदिर का निर्माण अदालत के फैसले से हुआ, लेकिन अगर मोदी देश के प्रधानमंत्री नहीं होते, यदि उनकी जगह कोई और प्रधानमंत्री होता तो यह फैसला ना होता, यह मंदिर नहीं बन पाता। मैं रामंदिर के निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा के इस शुभदिन का श्रेय नरेंद्र मोदी को देना चाहता हूं।' कांग्रेस नेता ने आगे कहा, 'सरकारें आईं, कितनी सरकारें आईं, कितने प्रधानमंत्री आए, विश्व हिंदू परिषद, आरएसएस, बजरंग दल, संत-महात्माओं के बड़े बलिदान हैं। बड़ा लंबा संघर्ष है, लेकिन यदि मोदी देश के प्रधानमंत्री नहीं होते तो मंदिर का निर्माण नहीं हो पाता।'

रामलला मंदिर एक नए युग की आधारशिला

मनोज कुमार अग्रवाल

अयोध्या नगरी में श्री रामलला विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा का भव्य समारोह विश्व भर के आयोजनों में सबसे अधिक गरिमा व बहुल जन से जुड़ा आयोजन साबित हुआ है। ऐसा आगमन तो संभवतः उस समय भी नहीं हुआ होगा जब मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम 14 वर्ष का वनवास पूरा कर और रावण का अंत करके अयोध्या लौटे थे। उस समय का उत्साह संभवतः अवध तक सीमित रहा होगा, किन्तु अब जब 500 वर्ष बाद रामलला अपने दिव्य रूप में, भव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं तो इसका उत्सव परे विश्व में मनाया जा रहा है। शायद ही कोई ऐसा अवसर होता हो जब पूरे भारत को चलाने वाले सभी दिग्गज उद्यमी, पूरी सरकार , साधु-संत, प्रत्येक क्षेत्र की दिग्गज विभूतियां एक साथ एक आयोजन में सम्मिलित हों। वह भी धार्मिक आयोजन में...। राम मंदिर के गर्भगृह में श्रीरामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी देश-दुनिया के करोड़ों श्रद्धालु बने। यह विशेष अनुष्ठान पूरा करने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी ने इसे अलौकिक क्षण बताते हुए 'सियावर रामचंद्र की जय' और 'जय श्री राम' का उद्घोष किया और अपने संबोधन में कहा, 'हमारे राम आ गए हैं।'यह वह उल्लास और गौरव का क्षण था जिसे इस देश की 140 करोड़ जनता और विदेशों में रह रहे प्रवासी भारतीयों ने शिद्दत के साथ महसूस किया। जिन अभागो ने राजनीतिक अथवा सांप्रदायिक मनोविकारों या दुराग्रहो के चलते इस प्राण प्रतिष्ठा से कोई अनुभूति अनुभव नहीं की निसंदेह वह अभागे हैं अथवा आठ सौ साल के मुगल अत्याचार और सत्तर साल की छद्म धर्मनिरपेक्षता की घुट्टी पिलाने वाले घोर संस्कृति व संस्कार द्रोही राजनीति के विषवमन से अभी निजात नहीं पा सके हैं। देर सवेर उनको भी सद्बुद्धि आना तय है क्योंकि इस देश का आम जनमानस जाग चुका है। यह ठीक बिल्कुल वैसे अंदाज में कालक्रम में घटित हुआ है जैसे पवनपुत्र हनुमान को उनकी ताकत और संकल्प क्षमता को बताने पर उनके भीतर अदम्य साहस व पराक्रम का प्रादुर्भाव हुआ था। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर देश भर में जो माहौल देखने को मिला वह अभूतपूर्व है। प्रत्येक सनातनी परिवार के घर में दूसरी दीपावली जैसा उत्साह नजर आया। घरों, मंदिरों को इस तरह भगवा झंडों, बिजली की लड़ियों और दीपमालाओं से सजाया गया, जिसके सामने कोई भी पर्व, कोई भी उत्सव फीका पड़ जाए। संभवतः भाजपा ने भी इस अवसर पर इतना देश विदेश व्यापी जन जागरण भरे उल्लास की परिकल्पना नहीं की होगी या यह उसकी कल्पना से भी ज्यादा रहा। दरअसल राजनीतिक दलों को जहां इस भव्य एवं दिव्य आयोजन में राजनीति नजर आ रही है, वहीं श्रद्धालुओं को केवल और केवल अपने आराध्य भगवान रामलला नज़र आ रहे हैं। यह किसी राजनीतिक दल द्वारा उत्पन्न किया गया जोश नहीं है, यह देश के एक सौ बीस करोड़ जन मानस के मन का उत्साह है, यह हृदय की उमंग है। यह किसी स्वप्न के साकार होने जैसा है। वह दिवा स्वप्न जिसके लिए कोलकाता के कोठारी बंधुओं ने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे, वह स्वप्न जिसके लिए धनबाद के रकमाटांड़ गांव में रहने वाली 85 वर्षीय सरस्वती देवी ने 30 वर्ष पूर्व मौन व्रत धारण कर लिया था, वह स्वप्न जिसके लिए लाखों हिन्दुओं ने शांतिपूर्वक लंबी कानूनी लड़ाई और तत्कालीन छदम धर्मनिरपेक्ष दलों की सरकारों की लाठी गोली खाकर अपना बलिदान देकर भी अपने आराध्य देव को ससम्मान प्रतिष्ठित करने का प्रण लिया जिला न्यायालय से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक जीत हासिल की, वह स्वप्न जिसे पूरा होते देखने की इच्छा हर सनातनी के हृदय में थी। मंदिर -मस्जिद विवाद पर 2019 में उच्चतम न्यायालय का फैसला आने के बाद पिछले कुछ वर्षों में मोदी-योगी सरकार ने अयोध्या धाम का स्वरूप ही बदल डाला। श्रीराम मंदिर की भव्यता तो देखते ही बनती है। पारंपरिक नागर शैली में बना मंदिर परिसर 380 फुट लंबा (पूर्व-पश्चिम दिशा), 250 फुट चौड़ा रऔ 161 फुट ऊंचा है। मंदिर की प्रत्येक मंजिल 20 फुट ऊंची और उसमें कुल 392 स्तंभ और 44 द्वार हैं। मंदिर के स्तंभ और दीवारों पर हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां बनायी गयी हैं। 16 जनवरी से सरयू किनारे शुरू हुए अनुष्ठान सोमवार 22 जनवरी को श्रीरामलला के विग्रह के प्राण प्रतिष्ठा सरमोह के साथ संपन्न हुए। श्रीरामलला अब टेंट नहीं, अपने भव्य मंदिर में रहेंगे और इससे बड़ा हर्ष सनातनियों के लिए और क्या हो सकता था? यह हर्ष, यह उल्लास अयोध्या से अमेरिका तक स्पष्ट नजर आया। हिन्दुओं की ऐसी एकजुटता कभी नहीं देखी गई, जैसी इस आयोजन में नजर आई। विपक्षी दलों की सरकारों वाले राज्यों में, जहां हिन्दुओं पर अघोषित आपातकालीन अंकुश था, वहां भी हिन्दुओं ने असीम उत्साह के साथ सोमवार को दूसरी दीपावली मनाई। यह भाजपा के नीति नियंताओ की दूरदर्शिता और इस देश के आम जनमानस को समझने की परिपक्वता है कि उसने मंदिर ट्रस्ट के साथ कंधे से कंधा मिलाकर इस आयोजन को दुनिया के सबसे बड़े व सफल आयोजन का रिकॉर्ड बना दिया। अब बेशक कोई आरोप लगाये कि भाजपा चुनावी लाभ लेने के लिए इस में सबसे आगे है लेकिन यह भी सत्य है कि दो सीट से सत्ता के शिखर तक पहुंचने के लिए भाजपा की साधना में रामलला का मंदिर भी एक बडा कारण रहा है । दूसरी ओर , इसे विपक्ष का दुर्भाग्य कह सकते हैं कि उसने इस आयोजन को भाजपा का बताकर स्वयं ही अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली। यदि विपक्षी दल बढ़-चढ़कर इसमें भाग लेते तो भाजपा अकेले कैसे इसका लाभ ले पाती? उनको इस आयोजन को जनसामान्य का आयोजन बना देना चाहिए था। एक ओर इस आयोजन को राजनीतिक बताना और दूसरी ओर 'राम सबके हैं' कहना, यह तर्क भला किसके गले उतरेगा?

नेता आने वाले कल के

डॉ टी महादेव राव

हमारी पार्टी का नाम पैसा पार्टी क्यों रखा गया? पैसे में परमात्मा है इसलिए। यही नहीं हमें यह भी देखना है कि गरीबों को पैसों की मुसीबत न आने पाए। हमारी पार्टी का चिन्ह है छाता। छाता धूप या बारिश से बचाव के साथ-साथ आत्मरक्षा के काम में भी आता है। गरीबों की एकमात्र रोशनी छाता चिन्ह वाले पैसा पार्टी को पूरे देश में शक्तिशाली बनाना होगा। इसलिए तुम जैसे लोगों को बहुत काम करना होगा। जी! आप जैसे बड़े लोग हमें मार्गदर्शन दें। आप मुझे नगर समिति का अध्यक्ष बनाइए और फिर देखिए पैसा पार्टी को मैं कहां से कहां ले आता हूं। सारे लोगों के मैंने बायोडाटा देखे। बाकी लोगों की तुलना में तुम्हारा रिकॉर्ड अच्छा है। तुम कम से कम आठवीं फेल हुए हो। वे लोग तो छठवीं तक नहीं पढ़ पाए। तुम मारपीट, नकली दारू, नकली सीमेंट और पथराव जैसे मामलों में पांच साल जेल जाकर आए हो। हमारी पार्टी के नियमानुसार जो पार्टी के प्रमुख व्यक्ति होंगे उन्हें कम से कम पांच साल का जेल का अनुभव होना चाहिए। तुम कराटे में ब्लैक बेल्ट हो। कल को तुम विधानसभा में जाओगे वहां दूसरे पार्टियों के लोग तुम पर आक्रमण करें तो तुम उन पर पलटवार कर पार्टी की प्रतिष्ठा को बचाओगे। इसलिए ब्लैक बेल्ट तुम्हारे लिए प्लस प्वाइंट हुआ। लेकिन एक बात है कि दूसरे पार्टी के नेताओं को गालियां देने में तुम थोड़े कमजोर हो। तुमने किसी को नीच, कमीने, कुत्ते जैसी गालियां नहीं दी, क्योंकि मीडिया में ऐसा कुछ आया ही नहीं। नेताजी! मैंने उसके बारे में सोचा है। कुत्ते कहकर उस पार्टी के नेताओं को हम गाली दें तो यहां जो जंतु प्रेमी दल हैं वे बुरा मान जाती हैं। कहते हैं हमारे कुत्तों को तुम नेताओं के साथ तुलना करते हो और उनका अपमान भी। इस बात पर मानहानि का दावा का खतरा भी है। वह अपनी पार्टी के लिए नकारात्मक सिद्ध होगा। इसलिए मैं नीच, निकृष्ट, चोर, मवाली और धोखेबाज जैसी गालियां ही देता हूं। आजकल ओटीटी में जो फिल्में आ रही हैं, उनको देखने पर गंदी गालियां किस तरह और कितने तरह की होती हैं यह पता चल रहा है। इसके बाद आगे मैं उन्हीं गालियों का प्रयोग करूंगा। हमेशा अपने आपको अप टू डेट रखता हूं जी। बहुत खूब। दूसरी पार्टी का व्यक्ति अगर हमारे नेताओं को चोर कह कर गाली दे तो तुम उसको क्या जवाब दोगे? मैं कहूंगा हां ! हम लोग चोर हैं। हमने जनता का दिल चुराया है। मीडिया वालों को भी अच्छा हेडिंग मिल जाएगा। अच्छा! यह बताओ कि लोकतंत्र क्या है कोई पूछे तो तुम्हारा क्या उत्तर होगा? और क्या होगा? जनता के पास लूटा गया धन सभी आपस में बराबर बांट लें इसी को तो लोकतंत्र कहते हैं। ठीक है! चुनाव आ रहे हैं। ज्यादा से ज्यादा वोट बटोरने के लिए तुम किस तरह नए वादे करोगे और किन किन उपायों को आजमाओगे? यह थोड़ा सीक्रेट जरूर है, फिर भी आपके सामने क्या छुपा है? नए-नए मतदाता युवक-यवतियों को वादे करूंगा कि बिना परीक्षा के पास हो जाओगे। अगर बेरोजगार है तो बिना इंटरव्यू के नौकरी मिल जाएगी, जिससे उनके सारे वोट हमें ही मिलेंगे। पुरुष और महिलाओं को हाथ घड़ियां बाटूंगा और कहूंगा कि अब से आपका अच्छा समय शुरू हुआ। अब बूढ़ों की बात कहें तो वोट मांगने जिन घरों पर जाऊंगा अपने साथ एक दो डॉक्टरों को ले जाकर उनके साथ उनके हाथों बीपी, शुगर चेक करवाऊंगा। अगर संभव हुआ तो दवाइयां भी वही के वही उनको दूंगा। कोई बीमारी भी तो होनी चाहिए उन्हे?

समर नहीं समरसता चाहिए

डा. विनोद बब्बर

किसी भी राष्ट्र की सुदृढ़ता का आंकलन केवल सैन्य क्षमता से नहीं किया जा सकता क्योंकि राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके समाज में निहित है। जिस समाज में जितनी अधिक सद्भावना होगी, वह राष्ट्र उतना ही सक्षम और शक्तिशाली होगा। यदि इस कसौटी पर हम अपने समाज को कसते हैं तो किंचित क्षोभ होता है कि आखिर हमारा बुद्धिहरण क्यों और कैसे हुआ कि अभारतीय विचारधाराओं ने हमारे समाज को बांटने और विभाजन को गहरा किया। क्या यह उसी षडयंत्र का परिणाम नहीं कि हम स्वयं को भारतीय अथवा हिन्दू नहीं, इस या उस जाति का बताते हैं। यह भी कम आश्चर्य की बात नहीं कि ऊंच-नीच, भेदभाव के आरोपों से अपमानित होने वाले समाज में हर जाति श्रेष्ठता ग्रंथि की शिकार है। ऐसी अनेक ऐसी धारणाएं फैलायी गई है कि फलां जाति कंजूस, फलां अत्याचारी, फलां मूर्ख बनाने वाली, फलां कम बुद्धि है। फलां चतुर, फलां लड़ाकू फलां लालची आदि, आदि हैं। इन मूर्खतापूर्ण धारणाओं का परिणाम है कि हमें एक-दूसरे पर अविश्वास होने लगा। एक-दूसरे पर शक होने लगा। आपसी टकराव बढ़ा। नतीजा सक्षम, शक्तिशाली, सहिष्णु, कर्मयोगी और विश्वगुरु कहलाने वाला भारत बंट कर कमजोर होने लगा। क्या यहां जातियां सदा से हैं? क्या जातिगत ऊंच-नीच, भेदभाव सदा से हैं? इसकी पड़ताल करने पर जानकारी मिलती है कि बेशक यहां जातियां रही हैं लेकिन जन्मना नहीं, कर्मणा। ऊंच-नीच, भेदभाव नहीं था। अगर भेदभाव या ऊंच-नीच जैसा कुछ होता तो अयोध्या के राजकुमार श्रीराम भीलनी शबरी के झूठे बेर कैसे खा सकते थे? संत रविदास की शिष्या राजघराने की मीरा कैसे होती? राम की केवट से निकटता, कबीर, दादू, रैदास को समाज में प्राप्त श्रद्धा और सम्मान जैसे असंख्य उदाहरण हैं। पिछड़ी जातियों में जन्में संतों को सम्मान और श्रद्धा कैसे मिलता? जाति परिवर्तन के अनेक उदाहरण भी मिलते हैं यथा विश्वामित्रा क्षत्रिय से ब्राह्मण, महाराज अग्रसेन वैश्य और श्रीकृष्ण यदुवंशी हुए। अगर ऊंच -नीच, जैसा कुछ होता तो क्या ऐसा संभव था? महर्षि बाल्मीकि का पूजन ब्राह्मण, क्षत्रिय क्यों करते?आज भी परम्पराओं का पालन करते हुए विवाह के समय कुम्हार के घर जाकर चाक पूजन और बेटे का जन्म होने पर किसान के खेत में कुआं पूजन होता है। हर शुभ अवसर पर कुम्हार के बने कलश को सबसे पहले रखा जाता है। त्यौहार के अवसर पर मंदिर में पूजन में प्राप्त चढ़ावे को आधा पूजन कराने वाले पंडित और आधा माली को बांटते यदि गांव से जुड़े हैं तो आपने भी जरुर देखा, अनुभव किया होगा। बच्चे के मुंडन के अवसर पर पंडित से अधिक नेग नाई को मिलता है। ऐसे तमाम उदाहरण हैं जो भेदभाव को नकारते हैं। आपसी बातचीत में सभी जातिवाद के विरोधी दिखाई देते हैं लेकिन आश्चर्य कि जातिवाद का गुब्बारा फूलता ही जा रहा है। जातिवाद का विरोध करने के लिए अपनी-अपनी जाति को संगठित करने के लिए धरती से आसमान तक नापे जा रहे हैं लेकिन इससे कोई जाति मजबूत हो या न हो मगर कुछ लोग जरुर मजबूत हो जाते हैं। नेता हीरे के मुकुट पहने पर उस जाति के लोगों की स्थिति में बदलाव का कोई संकेत नहीं है। ग्वाले का बेटा अपनी जाति की स्थिति सुधारने के नाम पर अपने परिवार के नाकारा सदस्य को तक को मंत्राी बनाने में सफल रहता है पर कमजोर की हालत जस की तस रहती है। ये कुछ उदाहरण हैं कि जाति कोई भी हो, राजनीति विभाजन करा, शासन के सूत्रा तलाती है। निज स्वार्थ के लिए कुछ लोगों ने संकीर्णता का जाल बिछाकर समरसता को प्रभावित किया। अब प्रश्न यह कि ऐसा हुआ क्यों? यदि हम इतिहास का निष्पक्षता से अध्ययन करें तो समझ सकते हैं कि यह एक लम्बे षड़यंत्रा का हिस्सा है जिसने आपस में बांटकर सबसे पहले हमें गुलाम बनाया और फिर धर्मान्तरण का जाल बिछाया। हमारे संसाधन लूट लिये मगर हम बंटे हुए टुकर-टुकर देखते रहे। धार्मिक स्थल तोड़े गये, संख्या में उनसे अधिक और सक्षम होते हुए भी हम बंटे हुए तमाशा समझ उसे देखते रहे लेकिन यह तमाशा बहुत महंगा पड़ा। उसकी कीमत हम आज भी चुका रहे हैं। देश का विभाजन तक हुआ पर आज भी सामाजिक समररसता को समर में बदलने वाले सक्रिय हैं। समरसता का अर्थ है 'सभी को अपने समान समझना। सृष्टि में सभी मनुष्य एक ही ईश्वर की संतान हैं और उनमें एक ही चैतन्य विद्यमान है इस बात को हृदय से स्वीकार करना।' वेद सहित किसी भी ग्रन्थ में जाति या वर्ण के आधार पर किसी भेदभाव का उल्लेख नहीं है।

गुलामी के सैंकड़ों वर्षों में षड़यंत्रा के तहत धार्मिक ग्रन्थों में कुछ मिथ्या बातें जोड़ देने से आई विकृतियों के कारण भ्रम की स्थिति उत्पन्न हुई।

कल खत्म होगा पौष मास

पूर्णिमा पर पूजा-पाठ और दान-पुण्य के साथ ही तीर्थ दर्शन और नदी स्नान भी करें भगवान सत्यनारायण की कथा सुनें

गुरुवार, 25 जनवरी को पौष मास की पूर्णिमा है। इस दिन पौष माह खत्म होगा और अगले दिन यानी 26 जनवरी से माघ मास शुरू हो जाएगा। हिन्दी पंचांग में पूर्णिमा तिथि पर महीना खत्म होता है। 25 तारीख को पौष मास खत्म होगा और 26 से माघ मास शुरू होगा।

धर्म-कर्म करते रहने से नकारात्मक विचार दूर होते हैं और मन शांत होता है। पूर्णिमा पर किए गए पूजा-पाठ का अक्षय पुण्य मिलता है, ऐसा पुण्य जिसका असर जीवनभर बना रहता है। जानिए पूर्णिमा से जुड़ी खास परंपराएं...

पूर्णिमा पर करें तीर्थ दर्शन और नदी स्नान

पूर्णिमा पर तीर्थ दर्शन और नदी स्नान करने का महत्व काफी अधिक है। इसी वजह से गंगा, यमुना, शिप्रा, नर्मदा जैसी सभी पवित्र नदियों में स्नान के लिए भक्त बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। स्नान के बाद नदी किनारे ही दान-पुण्य किया जाता है। इस तिथि पर पौराणिक मंदिर जैसे 12 ज्योतिर्लिंग, 51 शक्तिपीठ, चार धाम जैसे मंदिरों में दर्शन पूजन करना चाहिए। अगर इन मंदिरों में दर्शन नहीं कर पा रहे हैं तो अपने शहर में जो भी पौराणिक मंदिर हो, वहां दर्शन-पूजन कर सकते हैं।

जरूरतमंद लोगों को करें दान-पुण्य

अभी ठंड का समय है। इन दिनों में ऊनी वस्त्रों का दान करना चाहिए। जरूरतमंद लोगों को अनाज, जूते-चप्पल, कपड़े और धन का दान करें। अगर संभव हो तो किसी जरूरत व्यक्ति को भोजन कराएं। किसी गोशाला में गायों की देखभाल के लिए धन का दान करें। गायों को हरी घास खिलाएं।

पूर्णिमा पर भगवान सत्यनारायण की कथा पढ़ने-सुनने की है परंपरा

पूर्णिमा पर सत्यनारायण भगवान की कथा पढ़ने और सुनने की परंपरा काफी प्रचलित है। भगवान सत्यनारायण विष्णु जी का ही एक स्वरूप है। स्कंद पुराण के रेवाखंड में इनकी कथा है। ये कथा पांच अध्यायों में है और इसमें 170 श्लोक हैं। कथा के दो विषय हैं। इस कथा की दो सीख हैं। पहली, अपना संकल्प कभी न भूलें। दूसरी है, कभी भी भगवान के प्रसाद का अपमान न करें। सत्यनारायण भगवान हमेशा सच बोलने का संदेश देते हैं।

ऐसे कर सकते हैं पूजा-पाठ

पूर्णिमा पर विष्णु जी और महालक्ष्मी का अभिषेक करना चाहिए। अभिषेक दक्षिणावर्ती शंख से करेंगे तो ज्यादा अच्छा रहेगा। अभिषेक के बाद भगवान को नए वस्त्र पहनाएं, फूलों से श्रृंगार करें। धूप-दीप जलाएं। ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें। मिठाई का भोग लगाएं। आरती करें।

पूर्णिमा की शाम चंद्र उदय के बाद हनुमान जी की पूजा करें। दीपक जलाकर हनुमान चालीसा का पाठ करें। आप चाहें तो ऊँ रामदूताय नमः मंत्र का जप कर सकते हैं। मंत्र जप कम से कम 108 बार करें।

शिवलिंग पर जल और दूध चढ़ाएं। बिल्व पत्र, धतूरा, हार-फूल से श्रृंगार करें। भगवान को चंदन का लेप लगाएं। धूप-दीप जलाकर आरती करें। मिठाई का भोग लगाएं। फल चढ़ाएं। पूजा में ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जप करें।

आज लक्ष्मी नारायण योग का शुभ संयोग

आज 24 जनवरी दिन बुधवार को चंद्रमा मिथुन उपरांत कर्क राशि पर संचार करने वाले हैं। साथ ही कल पौष मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि है और इस दिन रवि योग, लक्ष्मी नारायण योग और पुनर्वसु नक्षत्र का शुभ संयोग भी बन रहा है, जिससे कल के दिन का महत्व बढ़ गया है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार, कल बन रहे शुभ योग का फायदा 5 राशियों को मिलने वाला है। इन राशियों के आय व धन में वृद्धि होगी और बिना किसी परेशानी के निर्णय भी ले पाएंगे। इन राशियों के साथ कुछ ज्योतिषीय उपाय भी बताए गए हैं, इन उपायों के करने से कुंडली में बुध ग्रह की स्थिति मजबूत होगी और गणेशजी का आशीर्वाद भी प्राप्त होगा। आइए जानते हैं कल यानी 24 जनवरी के दिन किन किन राशियों के लिए लकी रहने वाला है।

मिथुन राशि वालों के लिए लाभकारी रहने वाला है। मिथुन राशि वालों का कल सोचा हुआ काम पूरा होगा और अचानक से धन लाभ के शुभ योग भी बनेंगे, जिससे आपकी आर्थिक हालात में सुधार आएगा। बुध ग्रह की कृपा से आपके सोचने के तरीके में सकारात्मक बदलाव आ सकता है, जिससे आपके आसपास का माहौल भी अच्छा बना रहेगा और लोग आपकी मदद के लिए भी तैयार रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आप काफी मेहनत से प्लानिंग करेंगे और सफल भी होंगे, जिससे आपकी आय और धन में अच्छी वृद्धि होगी। कल आपको संतान, मित्र और भाइयों का सहयोग भी मिलता रहेगा, जिससे आपके कई कार्य पूरे होंगे और इनका सहयोग मिलते देखने से मन भी प्रसन्न होगा।

सिंह राशि वालों के लिए कल यानी 24 जनवरी का दिन फायदेमंद रहने वाला है। सिंह राशि वालों का कल पारिवारिक जीवन आनंदमय रहेगा और आपको तरक्की के अच्छे मौके भी मिलेंगे। इस राशि के व्यापारियों को कल अचानक धन लाभ होने की संभावना बन रही है और किसी अन्य व्यापार में निवेश की भी योजना बनाएंगे। बुध ग्रह की कृपा से अच्छी और मीठी वाणी बोलकर आप अपना काम पूरा कर लेंगे और दूसरों से अपना काम भी आसानी से निकलवा पाएंगे। वैवाहिक जीवन की बात करें तो जीवनसाथी का सहयोग मिलता रहेगा और उनका सुझाव आपके लिए काफी महत्वपूर्ण भी होगा। आर्थिक स्थिति की बात करें तो धन लाभ के शुभ संयोग बनेंगे और अटका हुआ धन भी वापस मिल सकता है।

सिंह राशि वालों के लिए बुधवार का उपायः बुद्धि बल के विकास के लिए गणेशजी को दूर्वा अर्पित करें और गणेश चालीसा का पाठ करें।

कन्या राशि वालों के लिए अच्छा रहने वाला है। कन्या राशि वालों को कल करियर में तरक्की के शुभ संयोग भी बनेंगे और धर्म कर्म के कार्यों में आपका मन भी लगेगा। कामकाज में जिन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था, वे सभी परेशानियां दूर हो जाएंगी और प्रभावशाली व्यक्तियों के संपर्क में आने से अच्छी साख भी बढ़ेगी। कल आप अपने कार्यों से दूसरों को प्रभावित करने में सक्षम होंगे और आपके सोचने का तरीका लोगों को पसंद भी आएगा। पारिवारिक जीवन की बात करें तो घर के सदस्यों के साथ आपसी प्रेम बना रहेगा और बच्चों के साथ अच्छा समय व्यतीत भी करेंगे। वहीं जीवनसाथी की सलाह आपके काम आएगी और सलाह से धन लाभ भी होगा।

कन्या राशि वालों के लिए बुधवार का उपायः आर्थिक कष्टों से मुक्ति के लिए गणेशजी को सिंदूर अर्पित करें और हरे कपड़े में पांच मुट्ठी साबुत हरी मूंग बांधकर पोटली बना लें और उसे गणेश मंत्रों के साथ जल में प्रवाहित कर दें।

तुला राशि वालों के लिए दिन शानदार रहने वाला है। तुला राशि वालों के लंबे समय से रुके हुए काम कल आप पूरे कर सकते हैं, जिससे आपका आत्मविश्वास ऊंचा रहेगा। भगवान गणेश की कृपा से आपकी सलाह से लोगों को लाभ होगा और आप किसी अच्छी खबर का इंतजार कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति आपकी अच्छी रहेगी और धन प्राप्ति के शुभ संयोग बनते जाएंगे। जीवनसाथी के साथ कल आप किसी संपत्ति में निवेश कर सकते हैं, जिससे आपको निकट भविष्य में अच्छा लाभ भी होगा। कल आपके पराक्रम व उत्साह में वृद्धि होगी और आपका मनोबल भी बढ़ेगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और नए नए पकवान का आनंद भी लिया जाएगा।

तुला राशि वालों के लिए बुधवार का उपायः मनोकामना पूर्ति के लिए सात बुधवार तक मूंग के लड्डुओं का भोग गणेशजी को लगाएं। इससे कुंडली में बुध की स्थिति भी मजबूत होती है।

कुंभ राशि वालों के लिए शुभ फलदायी रहने वाला है। कुंभ राशि वालों को कल मानसिक संतुलन बना रहेगा और आपकी मनोकामना भी पूरी होगी। कल आपको करियर और निवेश के क्षेत्र में कुछ नए और बेहतरीन मौके मिल सकते हैं, जिससे आपका कद भी बढ़ेगा। लंबे समय से चली आ रही स्वास्थ्य समस्याओं से राहत मिल सकती है और आप जिस चीज की चाह रख रहे थे कल वह आपको मिल भी सकती है। नौकरीपेशा जातकों की बात करें तो अधिकारियों के साथ संबंध अच्छे रहने से जल्दी कार्य पूरे होंगे और आपके कार्यों से सभी को फायदा भी मिलेगा। कल आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको जरूरी मदद मिलेगी। लोगों से अपना काम निकलवाने में आप काफी हद तक सफल भी रहेंगे।

कुंभ राशि वालों के लिए बुधवार का उपायः नौकरी व व्यवसाय में उन्नति के लिए बुधवार को सवा पाव मूंग उबालकर उसमें घी व शक्कर मिलाकर गाय को खिला दें।

शरीर—शास्त्र से उसका कोई संबंध नहीं है

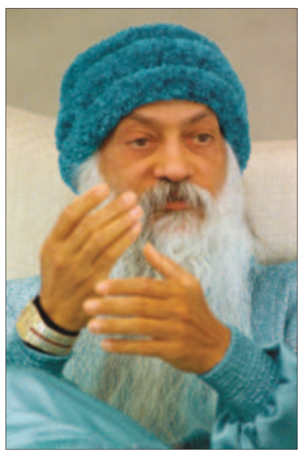

सिर्फ संकल्प से, सिर्फ यह धारणा, सिर्फ यह भावना कि मैं अंदर वापस लौट आऊं, वापस लौट आऊं, वापस लौट आऊं — इसकी तीव्र पुकार, इसका तीव्र आंदोलन, पूरे प्राण इससे भर जाएं कि मैं भीतर वापिस लौट आऊं— मैं केंद्र पर वापिस लौट आऊं, मैं वापस लौट आऊं, मैं वापस लौट आऊं। इसकी इतनी तीव्र पुकार कि यह सारे कण—कण में शरीर के गज जाए, श्वास—श्वास को पकड़ ले। और किसी भी दिन यह घटना घट जाती है कि एक झटके के साथ आप भीतर पहुंच जाते हैं और पहली दफा फ्राम विदिन शरीर को देखते हैं।

यह जो हजारों नाड़ियों की बात की है योग ने, वह फिजियोलॉजी को जानकर नहीं की है। शरीर—शास्त्र से उसका कोई संबंध नहीं है। वे नाडिया जानी गई हैं भीतर से। और इसलिए आज जब फिजियोलॉजी उन पर विचार करती है तो पाती है कि वे नाडिया कहां हैं? ये जो सात चक्र बताए हैं, ये कहां हैं? वे कहीं भी नहीं हैं शरीर में! शरीर में वे कहीं भी नहीं हैं, क्योंकि शरीर को हम बाहर से जांच रहे हैं, वे कही नहीं मिलेंगे। एक और जांच है, शरीर को भीतर से जानना, इनर — फिजियोलॉजी। वह बहुत सटल फिजियोलॉजी है, वह बहुत सूक्ष्म शरीर —शास्त्र है। वहां से जानने पर जो नाडिया जानी गई हैं और जो केंद्र जाने गए हैं, वे बिलकुल अलग हैं। इस शरीर में खोजने से वे कहीं भी नहीं मिलेंगे। वे केंद्र इस शरीर और उस भीतर की आत्मा के काटेक्ट फील्ड्स हैं, जहां ये दोनों मिलते हैं।

सबसे बड़ा काटेक्ट फील्ड, सबसे बड़ा संपर्क का स्थल नाभि है। इसलिए आपको खयाल होगा कि अगर आप कार चला रहे हों और एकदम से एक्सीडेंट होने लगे, तो सबसे पहले नाभि प्रभावित हो जाएगी। एकदम नाभि अस्तव्यस्त हो जाएगी, क्योंकि वहां सबसे ज्यादा गहरा उस आत्मा और इस शरीर के बीच संबंध का क्षेत्र है। वह सबसे पहले अस्तव्यस्त हो जाएगा मौत को देख कर। जैसे ही मौत सामने दिखाई पड़ेगी कि नाभि अस्तव्यस्त हो जाएगी सारे शरीर के केंद्र से। और —शरीर की एक आतरिक व्यवस्था है, जो उस अंतस शरीर और इस शरीर के बीच संपर्क से स्थापित हुई है। जिन चक्रों की बात है, वे उनके संपर्क —स्थल हैं। निश्चित ही एक बार भीतर से शरीर को जानना एक बिलकुल ही दूसरी दुनिया को जान लेना है, जिसका हमें कोई भी पता नहीं है। मेडिकल साइंस जिसके संबंध में एक शब्द भी नहीं जानती और नहीं जान सकेगी अभी।**(क्रमशः)**

नई गाड़ी के पहिए के नीचे रखें नींबू वास्तु शास्त्र में बताया गया है बेहद शुभ

अक्सर आपने देखा होगा कि लोगों के घरों में मिर्च और नीबू लटकाया जाता है। जब हम कोई नया सामान खरीदकर लाते हैं तो सबसे पहले उसकी पूजा करते हैं। कई बार पूजा के दौरान नीबू का भी उपयोग करते हैं, खासकर नए वाहन को खरीदते समय। आपने देखा होगा कि वाहन खरीदने के बाद उसके टायर के नीचे पहली बार नींबू रखा जाता है।

शुक्र और चंद्रमा से संबंध

ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा के अनुसार, नींबू का संबंध शुक्र और चंद्रमा से होता है। ऐसा कहा जाता है कि नींबू का खट्टापन शुक्र ग्रह से संबंधित है। वहीं, नींबू से निकलने वाला रस चंद्रमा से संबंधित है। यही कारण है कि नींबू का संबंध शुक्र और चंद्रमा से होता है। इसे इन दोनों का प्रतीक माना जाता है। नींबू की खास बात यह है कि वह निगेटिव एनर्जी को आपके पास आने से दूर करता है। वहीं, ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, नई वस्तु के आसपास निगेटिव एनर्जी बहुत ज्यादा रहती है इसलिए नींबू को नई गाड़ी के नीचे रखा जाता है। बुरी नजर से बचाव मान्यता के अनुसार नए वाहन के टायर के नीचे नींबू इसलिए रखा जाता है कि वाहन पर किसी की बुरी नजर नहीं लगे।

दूर होती है नकारात्मक ऊर्जा

ऐसे में नई वस्तु के पास नींबू रखने से उनके पास की निगेटिव एनर्जी खत्म हो जाती है। इसके साथ ही शुक्र और चंद्रमा की स्थिति में मजबूत होती है। वाहन का पहिया नींबू के ऊपर से गुजारने का एक कारण यह भी माना जाता है कि किसी तरह की बुरी नजर हमारे आसपास नहीं है। कई लोग यात्रा पर जाने से पहले भी वाहन के नीचे नींबू रखते हैं ताकि यात्रा सफल हो सके।

उत्तराखंड के इस आश्रम में हुआ था लव-कुश का जन्म

उत्तराखंड सरकार ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक अवसर पर पवलगढ़ कंजर्वेशन रिजर्व का नाम बदल कर सीतावनी कंजर्वेशन रिजर्व कर दिया है। जिसका आदेश 2 दिन पहले जारी कर दिया गया था।अब से पवलगढ़ सीतावनी कंजर्वेशन के नाम से जाना जाएगा।मान्यता है कि सीतावनी कंजर्वेशन रिजर्व में मां सीता का पौराणिक मंदिर और ऋषि वाल्मीकि आश्रम है।सीतावनी कंजर्वेशन रिजर्व 58.25 वर्ग किमी में फैला हुआ है।

सीतावनी मंदिर को त्रेता युग का बताया जाता है।यह क्षेत्र वन विभाग के अंतर्गत आता है इसलिए यहां प्रवेश के लिए वन विभाग से अनुमति लेनी होती है।रामायण की कथा के अनुसार जिस समय भगवान श्री राम ने देवी सीता को वनवास का आदेश दिया था।उस समय देवी सीता गर्भवती थीं।ऋषि बाल्मीकि के इस आश्रम में ही उन्होंने अपने जुड़वां पुत्रों (लव-कुश) को जन्म दिया था, और उनका पालन-पोषण किया था।सीतावनी मंदिर में देवी सीता की प्रतिमा के साथ उनके दोनों पुत्रों को भी दिखाया गया है।

सीतावनी मंदिर परिसर में एक कुंड भी स्थित है।ऐसा कहा जाता है कि इस कुंड में ही सीता माता अंतिम समय में समा गई थी।आज भी सीतावनी में जल की तीन धाराएं बहती हैं।इन्हें सीता-राम और लक्ष्मण धारा कहा जाता है।इन धाराओं की विशेषता यह है कि गर्मियों में इनका जल ठंडा और सर्दियों में गर्म रहता है।

मान्यता है कि माता सीता के साथ भगवान श्री राम ने वैशाख मास में इस स्थान पर महादेव का पूजन किया था, इसी कारण इस मंदिर को सीतेश्वर महादेव का मंदिर भी कहा जाता है।

स्कंदपुराण के अंतर्गत कोसी नदी (कौशिकी नदी) के बाईं ओर शेषगिरि पर्वत है। यह सिद्ध आत्माओं और गंधर्वों का विचरण स्थल है।स्कंद पुराण में जिन सीतेश्वर महादेव की महिमा का वर्णन किया गया है, सीताबनी का उल्लेख कई धर्म ग्रंथों में मिलता है।महाभारत के 83वें अध्याय में वर्णित श्लोक संख्या 49 से 60 श्लोक तक सीताबनी का उल्लेख किया गया है।

वर्तमान में सीतावनी के नाम से रामनगर वन प्रभाग का पर्यटन जोन चलता है।जहां पर 40 जिप्सियां सुबह की पाली में और 40 जिप्सियां शाम की पाली में पर्यटकों को सफारी मैं लेकर जाती हैं।22 जनवरी 2024 को श्री राम जन्म भूमि में रामजी की मूर्ति स्थापना पर इस स्थान पवलगढ़ कंजर्वेशन रिजर्व का नाम बदलकर सीतावनी कंजर्वेशन रिजर्व कर दिया गया है।

सोने से पहले जप लें ये शक्तिशाली मंत्र को, हर समस्या से मिल जाएगा छुटकारा

हिंदू धर्म में मंत्रों के बारे में विस्तार से बताया गया है। इन मंत्रों का जाप प्राचीन काल से ही चला आ रहा है। इन सभी मंत्रों का अपना अपना विशेष महत्व है। इन्हीं में से एक है गायत्री मंत्र, कहा जाता है कि गायत्री मंत्र महामंत्रों में से एक है।अगर आप इस मंत्र का रोज जाप करते हैं तो आपके जीवन में कई बदलाव आ सकते हैं।

कई तरह की समस्याओं से यह मंत्र हमें लाभ दिला सकता है।आपको जानकार हैरानी होगी कि अगर गायत्री मंत्र का जाप सोन से पहले करें तो इसके चमत्मकारिक फायदे हो सकते हैं।गायत्री मंत्र का जाप भर करने से आपको कई समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है।

कौन सा मंत्र है गायत्री मंत्र

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात ॥

इस मंत्री को गायत्री मंत्र के नाम से जाना जाता है।

कौन सी समस्याएं दूर होती हैं

सोने से पहले गायत्री मंत्र का जाप करने से बुरे सपने से निजात मिलती है।इससे आपको चैन की और गहरी नींद आ सकती है, जिससे आप तरोताजा महसूस करेंगे।अगर आप अच्छी नींद लेंगे तो आपकी हेल्थ भी अच्छी रहेगी क्योंकि नींद का संबंध आपकी हेल्थ से होता है।

दूर होगी नकारात्मकता

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अगर आप रात में सोने से पहले गायत्री मंत्र का जाप करते हैं तो निगेटिव एनर्जी आपके पास नहीं आएगी।

तनाव और क्रोध से मुक्ति के लिए

रात में गायत्री मंत्र का जाप करने से तनाव से मुक्ति मिलती है।जिससे इंसान का क्रोध कम होता है।गायत्री मंत्र कई तरह के डर को दूर करता है। इस मंत्र का जाप आपके लिए बेहद लाभकारी हो सकता है।

एकाग्रता के लिए- अगर विद्यार्थी गायत्री मंत्र का जाप करते हैं तो उनकी एकाग्रता बढ़ती है और उनका मन पढ़ाई में लगता है।

गायत्री मंत्र जाप के नियम

गायत्री मंत्र हमेशा गुरु के मार्गदर्शन में करना शुभ माना गया है।

सबसे पहले शरीर के साथ मन को भी शुद्ध करें।

स्नान के बाद स्वच्छ वस्त्र धारण करें।

अब कुशा के आसन पर बैठकर इस मंत्र का जाप करें।

गायत्री मंत्र जाप के लिए तुलसी या चन्दन की माला का प्रयोग करें।

गायत्री मंत्र का जाप ब्रह्म मुहूर्त में करना सबसे शुभ होता है।

ब्रह्म मुहूर्त में इसका जाप कर रहे हैं तो पूर्व दिशा की ओर मुख करें।

अगर शाम के समय गायत्री मंत्र का जाप कर रहे हैं तो पश्चिम दिशा में मुख करके जाप करें।

इसके अलावा आप गायत्री मंत्र का मानसिक जाप किसी भी समय कर सकते हैं।

मैं सिर्फ उसी शख्स के साथ रह सकती हूं जिसे जिम्मेदारी उठाना पसंद हो । उसे हंसमुख और बुद्धिमान होना चाहिए। उसे साइंस से लेकर हिस्ट्री से लेकर कॉमर्स तक सब पता होना चाहिए। उसे पता होना चाहिए कि दुनिया में क्या हो रहा है और सबसे महत्वपूर्ण है कि वह मुझसे प्यार करता हो।

उर्वशी को'सिम्पल' और 'जिम्मेदार' लड़का चाहिए

खूबसूरत उर्वशी रौतेला अपनी प्रोफैशनल लाइफ के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी काफी चर्चा में रहती है। हाल ही में उसने बताया कि वह अपनी शादी के लिए कैसा लड़का तलाश कर रही है।

जब उर्वशी से पूछा गया कि सुना है कि उसे कई लोग शादी के लिए प्रपोज कर रहे हैं, तो क्या उसने किसी को अब तक शॉर्टलिस्ट भी किया है या उसे कोई पसंद आया है, तो उसने कहा, मुझे सिम्पल लड़का चाहिए और मैं चाहती हूं कि लड़का बहुत जिम्मेदार होना चाहिए। मुझे लगता है कि मैं सिर्फ उसी शख्स के साथ रह सकती हूं जिसे जिम्मेदारी उठाना पसंद हो। उसे हंसमुख और बुद्धिमान होना चाहिए। उसे साइंस से लेकर हिस्ट्री से लेकर कॉमर्स तक सब पता होना चाहिए। उसे पता होना चाहिए कि दुनिया में क्या हो रहा है और सबसे महत्वपूर्ण है कि वह किसी भी और की तुलना में मुझसे अधिक प्यार करता हो। जब पूछा गया कि वह बिजनैसमैन, फिल्म इंडस्ट्री या फिर किसी और इंडस्ट्री वाले शख्स में से किससे शादी करना चाहती है, तो उसने कहा, मैं फिटनेस फ्रीक हूं, इसलिए मुझे पार्टनर ऐसा चाहिए जो एथलीट हो। इस जवाब के बाद कुछ लोग तो यह कयास भी लगाने लगे हैं कि वह क्रिकेटर ऋषभ पंत को पसंद करती है और उससे शादी करना चाहती है। गौरतलब है कि काफी समय से उसका नाम ऋषभ के साथ भी जोड़ा जाता रहा है लेकिन उन दोनों में सोशल मीडिया पर काफी नोकझोंक भी हो चुकी है।

फ्लॉप में भी फेमस

बॉलीवुड में कई ऐसे कलाकार हैं जो अपनी किस्मत चमकाने मुंबई आते हैं। उनमें से कुछ सफल हो जाते हैं तो कुछ को असफलता हाथ लगती है। कुछ हिट हो जाते हैं तो कुछ फ्लॉप लेकिन उर्वशी ऐसी एक्ट्रैस है जो फ्लॉप होने के बाद भी फेमस है और हमेशा लाइमलाइट में बनी रहती है। उसने एक दशक पहले फिल्मी दुनिया में कदम रखा था,

लेकिन किस्मत ऐसी थी कि पहली ही फिल्म बुरी तरह फ्लॉप हो गई। उसने फिल्मों में आने से पहले कई ब्यूटी कॉन्टैस्ट जीते और मॉडलिंग के दम पर न केवल देश में, बल्कि विदेशों में भी अपना जलवा बिखेरा है, लेकिन बॉलीवुड में उसका करियर कुछ खास नहीं रहा।

अब वह बड़े पर्दे पर केवल आइटम नंबर करती नजर आती है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि उर्वशी ने साऊथ के हीरो राम पोथिनेनी की आगामी फिल्म में 3 मिनट के डांस के लिए 3 करोड़ रुपए की मांग की है। मतलब साफ है कि वह फ्लॉप होकर भी फेमस है।

बॉबी देओल के साथ फिल्म

फिल्म 'एनिमल' में विलेन का रोल निभाकर इन दिनों लोगों के दिलों पर राज कर रहा बॉबी देओल एक बार फिर रूपहले पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार है और अब साऊथ इंडस्ट्री में अपनी किसमत आजमाने जा रहा है।

बॉबी फिल्म 'एन.बी.के. 109' में नजर आने वाला है। इस बात की जानकारी उर्वशी रौतेला ने दी। उसने बॉबी के साथ कई सारी तस्वीरें शेयर कीं जहां दोनों एक हवाई जहाज में बैठे हुए नजर आ रहे हैं।

इसे शेयर करते हुए उसने कैप्शन में लिखा, एन.बी.के. 109' की फैमिली में लॉर्ड बॉबी देओल का स्वागत करते हुए बहुत ही खुश हूं। सिनेमा की दुनिया में मुझे लॉन्च करने के लिए देओल परिवार का शुक्रिया करना चाहती हूं। अब 'एन.बी.के. 109' में बॉबी देओल संग स्क्रीन शेयर करने के लिए मैं बेताब हूं।

शॉर्टकट पर यकीन नहीं

मनोरंजन जगत में अपनी लोकप्रियता पर उर्वशी कहती है, शॉर्टकट जैसी चीज दुनिया में कुछ नहीं, हर सफल व्यक्ति अपनी मेहनत से ही एक मुकाम तक पहुंचा है। मैंने भी मेहनत की है और उसकी वजह से आज हाईएस्ट पेड एक्ट्रैस बनी हूं और यह डिजर्व भी करती हूं। कहते हैं न कि बिना मरे स्वर्ग नहीं मिलता, शिखर तक पहुंचने के लिए आपको हर एक सीढ़ी चढ़नी होती है। सबको पता है कि बॉलीवुड में लॉबिंग चलती है, लेकिन मैंने बिना किसी गैंग के अपने काम और करियर पर फोकस किया।

ट्रोलिंग से लगता है बुरा

उसने कहा, सोशल मीडिया ने एक आम व्यक्ति से लेकर एक सैलिब्रिटी तक के जीवन पर प्रभाव डाला है। पहले जानकारी की कमी थी लेकिन अब शायद इसकी अति हो जाएगी। इसमें यह जानना जरूरी है कि जानकारी कितनी सही कितनी गलत है। सोशल मीडिया के उत्थान के साथ ही ट्रोलिंग भी बढ़ी है।

'सेब' की तुलना 'संतरे' से नहीं हो सकती

धारावाहिक 'भाभी जी घर पर हैं...' में अनीता मिश्रा उर्फ 'गोरी मेम' का किरदार निभा कर खूब लोकप्रियता पाने वाली वाली सौम्या टंडन ने हाल ही में छोटे पर्दे और ओ.टी.टी. शोज की लगातार तुलना करने पर अपने विचार शेयर किए। सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहने वाली सौम्या ने सोशल मीडिया पर इस तरह की तुलना करने वालों को समझाते हुए लिखा, भारतीय छोटे पर्दे को कोसना बिल्कुल फैशनेबल बन गया है। मैं आप लोगों से बस यह कहना चाहती हूं कि वैब शो कहीं अधिक समय, बेहतर तकनीशियनों के साथ 100 गुना अधिक लागत के साथ बनाए जाते हैं। सवाल भारतीय ओ.टी.टी. की गुणवत्ता का है।

सौम्या ने लिखा, क्या आप 12 लाख की कार की तुलना 1 करोड़ की कार से करते हैं? तो यह कहना कि यह वैब शो इस टी.वी. शो से बेहतर है, यह कहने जैसा है कि बी. एम.डब्ल्यू. कार एक होंडा सिटी से बेहतर है। वे दोनों अलग हैं, बोलने से पहले सोचें।₹ सौम्या ने आगे लिखा, पुराने टी.वी. शो आज के टी.वी. शो की तुलना में कहीं बेहतर थे या अंतर्राष्ट्रीय वैब शो में भारतीय ओ.टी.टी. की तुलना में कहीं बेहतर विविधता और बेहतर कहानियां हैं, ऐसा कहना सही तुलना नहीं है। सेब की तुलना सेब से करें संतरे से नहीं।

ऋचा चड्ढा किरदार' चुनती हैं बहुत सोच-समझ कर

ऋचा चड्ढा ने बॉलीवुड में एक अलग पहचान बनाई है और हमेशा लीक से हटकर किरदार करना पसंद करती है। वह हमेशा अच्छे किरदारों का चयन करती है और यही वजह है कि जब उसे 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' में नवाजुद्दीन सिद्दीकी की मां किरदार दिया गया तो उसने कहानी की डिमांड पर वह किया लेकिन एक बार उसने मां के किरदार को ठुकरा भी दिया था।

'गैंग्स ऑफ वासेपुर' के जरिए ऋचा ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। अपने करियर के शुरुआती दिनों को लेकर ऋचा ने बताया कि उसे ऋतिक रोशन की मां का किरदार दिया गया था और तब वह केवल 21 साल की थी। ऋचा का कहना है, कास्टिंग डायरैक्टर्स को मेरे बारे में बताया गया था कि यह उम्रदराज महिला के किरदार में फिट है। यही कारण है कि मुझे ऋतिक रोशन की मम्मी का रोल दे दिया गया लेकिन रोल में दम नहीं था, इसलिए मैंने इंकार कर दिया था। बिना सोचे-समझे मुझे वह रोल दे दिया गया था।

मुझे '2024' से बहुत उम्मीदें हैं : मानुषी छिल्लर

मिस वर्ल्ड ने मुझे सिखाया कि कुछ भी योजना के मुताबिक नहीं होता... मैं पूरी तरह से आऊटसाइडर हूं, इसलिए काम को समझने में मुझे थोड़ा समय लगा। मैं अभी भी सीख रही हूं।

वर्ष 2017 में मिस वर्ल्ड का ताज पहनने के बाद से मानुषी छिल्लर के करियर ने बड़ा मोड़ लिया। वह कहती है, इसका मेरे जीवन पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा, उस एक रात ने सब कुछ बदल दिया। उस महत्वपूर्ण क्षण को याद करते हुए वह कहती है, साल भर के लिए दुनिया की यात्रा करने, विश्व भर के बड़े नेताओं और यहां तक कि वंचित वर्ग के लोगों से मिलने जैसा मौका मिलना किसी अन्य मंच से सम्भव नहीं है। स्टाइल में माहिर होने के नाते, वह सुनिश्चित करती है कि उसकी सार्वजनिक उपस्थिति शहर में चर्चा का विषय बने। वह कहती है, ₹फैशन एक ऐसी चीज है, जिसका मैं पूरा आनंद लेती हूं। मुझे अच्छा लगता है कि मुझे इसके माध्यम से खुद को तलाशने और अभिव्यक्त करने का मौका मिलता है।

मैडिकल की पढ़ाई करने से लेकर वह कितनी आगे आ चुकी है, पर नजर डालते हुए वह कहती है, ₹मिस वर्ल्ड ने मुझे सिखाया कि कुछ भी योजना के मुताबिक नहीं होता... मैं पूरी तरह से आऊटसाइडर हूं, इसलिए काम को समझने में मुझे थोड़ा समय लगा। मैं अभी भी सीख रही हूं। वास्तव में वर्ष 2023 में मुझे विश्वास होने लगा कि मैं यहीं की हूं और अब 2024 से मुझे बहुत उम्मीदें हैं। सौंदर्य प्रतियोगिता से अभिनय तक की मेरी यात्रा बहुत दिलचस्प रही है क्योंकि दोनों अलग-अलग उद्योग है और दोनों में सफलता के लिए अपनी- अपनी तरह से कड़ी मेहनत और समझ की आवश्यकता होती है।

अगली फिल्म

मानुषी छिल्लर जल्द ही तेलुगु स्टार वरुण तेज के साथ फिल्म 'ऑपरेशन वैलेंटाइन' में नजर आने वाली है। फिल्म हिन्दी और तेलुगु में रिलीज होगी। इसका टीजर गत दिनों जारी किया गया जिसे देखकर दर्शकों का उत्साह काफी ज्यादा बढ़ गया है। 'फर्स्ट स्ट्राइक' के नाम से जारी किया गया टीजर बेहद रोमांचक है। फिल्म में वायुसेना का शौर्य लोगों के सामने पेश करने की कोशिश की गई है। शक्ति प्रताप सिंह के निर्देशन में बनी इस फिल्म में वरुण कहता हुआ नजर आता है कि हमारे देश के लिए अपने दुश्मनों को यह याद दिलाना महत्वपूर्ण है कि यह देश गांधीजी के साथ-साथ सुभाष चंद्र बोस का भी है।

टीजर में 'वंदे मातरम्' का बैकग्राऊंड संगीत दर्शकों में देशभक्ति जगाता है। फिल्म की कहानी वायुसेना के नायकों के अदम्य साहस और देश की रक्षा के लिए उनके सामने आने वाली चुनौतियों के इर्द-गिर्द बुनी गई है। सच्ची घटनाओं से प्रेरित इस फिल्म में वरुण तेज ने अर्जुन देव की भूमिका निभाई है वहीं मानुषी एक रडार अफसर के किरदार में है।

बिना कुछ सोचे 'हां' बोल दिया : श्वेता तिवारी

छोटे पर्दे की मशहूर अभित्रेनी श्वेता तिवारी इन दिनों रोहित शैट्टी के द्री के निर्देशन में बनी वैब सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' को लेकर चर्चा बटोर रही है। उसने खुलासा किया कि वह न केवल 'इंडियन पुलिस फोर्स' बल्कि रोहित शैट्टी की अगली फिल्म सिंघम अगेन' में भी दिखाई देगी। बताया जा रहा है कि 'सिंघम अगेन' 250 करोड़ रुपए के बजट में बन रही है।

फिल्म में काम मिलने को लेकर उसने कहा, रोहित सर ने मुझसे कहा कि वह मुझे तभी दूसरा प्रोजैक्ट देंगे, जब मैं 'इंडियन पुलिस फोर्स' के सैट पर हर रोज उनके लिए खाना लाऊं। हालांकि, उन्होंने इसके बिना ही अपनी अगली फिल्म की पेशकश कर दी। उनकी सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' का हिस्सा बनना अपने आप में एक सम्मान की बात है। जब मुझे उनकी टीम से फोन आया, तो मैं बहुत उत्साहित थी।

उनकी टीम ने मुझसे जब पूछा कि क्या आप इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहती हैं, तो मैंने बिना कुछ सोचे हां बोल दिया। भेदभाव नहीं करते रोहित शैट्टी उसने रोहित शैट्टी की तारीफ करते हुए कहा, सर से मेरी पहली मुलाकात रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' के दौरान हुई थी। मुझे उनसे बहुत डर लगता था। जब वह बात करते हैं, तो उन्हें देखकर यह अंदाजा नहीं लगा सकते कि वह मजाक कर रहे हैं या गंभीर हैं। रोहित सर का व्यवहार मुझे बहुत अच्छा लगा, क्योंकि वह दूसरे लोगों की तरह यह एहसास नहीं दिलाते कि आप छोटे पर्दे से आए हैं। उनके साथ काम करने वाले सभी कलाकारों को बराबर सम्मान मिलता है। यही वजह है कि मुझे उनके और उनकी टीम के साथ काम करके बहुत अच्छा लगा। इस सीरीज में बड़े और छोटे पर्दे के सितारों ने एक साथ रिहर्सल की।

मुझे नहीं 'ऑफर' होतीं अच्छी फिल्में : दिव्या खोसला कुमार

सही मायनों में मैंने अपने करियर की शुरुआत वर्ष 2000 से ही कर दी थी लेकिन मैंने महसूस किया है कि लोग आपको आपकी पहचान देना ही नहीं चाहते। वे आपके पास मौके लेकर इसलिए भी नहीं आते क्योंकि उन्हें लगता है कि फलां तो किसी बड़ी कम्पनी से जुड़ी है, उसे क्या काम की कमी होगी। मुझे लगता है एक एक्ट्रैस के तौर पर मैं ज्यादा मौके डिजर्व करती हूं। लोग आपको मौके बहुत कम देते हैं और उनमें से बैस्ट चुनना होता है।

मॉडलिंग और म्यूजिक एल्बम से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करने वाली दिव्या खोसला कुमार ने खुद को एक सफल निर्देशक भी साबित किया है। गत दिनों वह फिल्म 'यारियां 2' में नजर आई थी और इन दिनों साऊथ की फिल्म 'हीरो हीरोइन' को लेकर सुर्खियों में है। यह फिल्म तेलुगु के साथ ही हिन्दी में भी रिलीज होगी, यानी यह एक पैन इंडिया फिल्म है। हाल ही में फिल्म का पहला वीडियो जारी किया गया, जिसमें बड़े-बड़े अक्षरों में' हीरो हीरोइन' लिखा हुआ नजर आ रहा है। इसके निर्देशन की कमान सुरेश कृष्णा ने संभाली है। प्रेरणा अरोड़ा इस फिल्म की निर्माता हैं। दिव्या का कहना है कि वह इस फिल्म को लेकर बहुत ही एक्साइटेड है। सूत्रों के अनुसार, फिल्म की कहानी रोमांस से भरपूर होगी। हाल ही में दिव्या को इस फिल्म के सैट पर देखा गया था, जहां वह अपने किरदार के गैट-अप में नजर आई। यह फिल्म इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिलहाल इसकी रिलीज की तारीख सामने नहीं आई है।

20 साल में केवल 4 फिल्में

उसने 2004 में साऊथ की फिल्म 'लव टुडे' से अपने अभिनय करियर की शुरूआत की थी। अपने लगभग 20 साल लम्बे करियर में उसने केवल 4 ही फिल्मों में काम किया है, जिनमें' अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो' (2004), 'बुलबुल' (2017- शॉर्ट फिल्म), 'सत्यमेव जयते 2' (2021) और 'यारियां 2' (2023) शामिल हैं।

इतनी कम फिल्में करने पर गत दिनों उसने एक इंटरव्यू में बताया था, ₹एक्टिंग को लेकर मेरा स्ट्रगल आज भी बरकरार है। आज भी मुझे जितने प्रोजैक्ट्स ऑफर होते हैं, उन्हीं में से सिलैक्ट करती हूं । फैन्स अक्सर शिकायत करते हैं कि मैं बहुत कम काम करती हूं। मैं लोगों को बताना चाहती हूं कि यह मेरी च्वाइस नहीं है, मुझे अच्छी फिल्में ऑफर ही बहुत कम होती हैं। इतने सालों में बहुत कम फिल्में ही की हैं, मैं चाहती हूं कि मुझे ज्यादा से ज्यादा मौका मिले। यही उम्मीद है कि आगे मेरे लिए और मौके खुलेंगे।

देश की सबसे बड़ी म्यूजिक और फिल्म कम्पनियों में से एक, टी-सीरीज के प्रमुख भूषण कुमार की पत्नी दिव्या कहती है, सही मायनों में मैंने अपने करियर की शुरुआत करीब दो दशक पहले कर दी थी लेकिन मैंने महसूस किया है कि लोग आपको आपकी पहचान देना ही नहीं चाहते। वे आपके पास मौके लेकर इसलिए भी नहीं आते क्योंकि उन्हें लगता है कि फलां तो किसी बड़ी कम्पनी से जुड़ी है, उसे क्या काम की कमी होगी। मुझे लगता है एक एक्ट्रैस के तौर पर मैं ज्यादा मौके डिजर्व करती हूं। लोग आपको मौके बहुत कम देते हैं और उनमें से बैस्ट चुनना होता है। मैं मानती हूं अगर बेहतर ऑप्शन आएंगे, तो ही मैं बेहतर काम कर पाऊंगी।

उसने आगे कहा, हमारी कम्पनी टी-सीरीज आज 90 प्रतिशत फिल्में बना रही है। अगर मुझे उनका सपोर्ट होता, तो शायद मैं इनमें से 50 प्रतिशत फिल्में तो कर ही रही होती। चलो 10 प्रतिशत तो होती ही... वह भी नहीं है। मेरे पास मुश्किल से कोई फिल्म होती है, वह भी खुद के बलबूते पर ही करती हूं। यही वजह है कि मैं इतनी कम फिल्मों में नजर आ सकी हूं।

बोल्ड रोल से परहेज नहीं

दिव्या की इमेज काफी भोली-भाली मासूम हीरोइन की है, मगर इन दिनों हीरोइनें ग्रे और बोल्ड रोल करने से नहीं हिचकिचातीं, तो क्या वह भी बोल्ड किरदार करना चाहेगी, पर उसका कहना था, मुझे आज की अभिनेत्रियां बहुत दमदार लगती हैं। उनका चयन भी कमाल का है। अगर मुझे लगेगा कि मैं उस रोल के साथ न्याय कर सकती हूं और उसके लिए उपयुक्त हूं, तो मैं जरूर करूंगी। अगर मैं सहज नहीं हूं, तो बात अलग है। वैसे मैं बोल्ड किरदार करने के लिए काफी ओपन हूं। मैं फिलहाल किसी बंधन और झिझक के साथ काम नहीं कर रही।

कोई रोक नहीं सकता

फिल्म इंडस्ट्री में प्रतियोगिता को लेकर वह कहती है, मैं इतना जानती हूंकि अगर मुझे मौका मिले तो मुझे कोई रोक नहीं सकता। मैं जानती हूं कि मैं अपने काम में अच्छी हूं, मेहनती और लगन वाली हूं। मेरे निर्देशक भी मुझसे यही कहते हैं।

फरवरी में रामलला के दर्शन करने जाएगा पूरा कैबिनेट

गुवाहाटी, 23 जनवरी (एजेंसियां)। असम कैबिनेट ने 22 फरवरी को अयोध्या राम मंदिर का दौरा करने का फैसला किया है। यह फैसला मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में कैबिनेट की बैठक के दौरान लिया गया।सीएम सरमा ने दी जानकारी सीएम सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा, 'कैबिनेट ने अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हार्दिक आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही भारत के लोगों को भी बधाई। पूरा कैबिनेट 22 फरवरी को रामलला के दर्शन करने अयोध्या जाएगा।' सीएम ने बताया कि राज्य मंत्रिमंडल ने दस जिलों में भूमिहीन मूलनिवासियों को भूमि देने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा, 'सोनितपुर, तिनसुकिया, धेमाजी, नागांव, विश्वनाथ, कामरूप (महानगर), कामरूप, बोंगाईगांव, गोलपारा और धुबरी जिलों में 'मिशन बसुंधरा 2.0' के तहत भूमिहीन मूलनिवासियों को भूमि दिया जाएगा।' उन्होंने बताया कि इन परिवारों में 84 फीसदी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अधिक अन्य पिछड़ा वर्ग से ताल्लुक रखते हैं। पेपर लीक पर अंकुश लगाने के लिए 'असम परीक्षा विधेयक 2024' को कैबिनेट की तरफ से मंजूरी दे गई है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने निजी विश्वविद्यालय में छात्रों से बातचीत करने से 'रोका' : राहुल का दावा

गुवाहाटी, 23 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को दावा किया कि उन्हें केंद्रीय गृह मंत्री के "निर्देश" पर 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान मेघालय में एक निजी विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ बातचीत करने से "रोका" गया। उन्होंने दावा किया कि केंद्रीय गृह मंत्री ने असम के मुख्यमंत्री कार्यालय के जरिए विश्वविद्यालय प्राधिकारियों को यह निर्देश दिया। राहुल ने असम-मेघालय सीमा पर अपनी यात्रा के दौरान एक बस से छात्रों और अन्य लोगों को संबोधित करते हुए कहा, "मैं आपके विश्वविद्यालय में आना चाहता था और आपको संबोधित करना, आपको सुनना चाहता था।

लेकिन भारत के गृह मंत्री ने असम के मुख्यमंत्री को फोन किया और मुख्यमंत्री कार्यालय ने विश्वविद्यालय नेतृत्व को फोन किया और कहा कि राहुल गांधी को छात्रों से बातचीत करने न दी जाए।" राहुल का मंगलवार की सुबह असम की सीमा से लगते मेघालय के री भोई जिले में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, मेघालय में छात्रों, नागरिक समाज के सदस्यों और पार्टी नेताओं से अलग अलग बातचीत करने का कार्यक्रम था। कांग्रेस ने सोमवार दोपहर को निजी विश्वविद्यालय में इन कार्यक्रमों की घोषणा की लेकिन बाद में उन्हें एक होटल में आयोजित करने की जानकारी दी क्योंकि विश्वविद्यालय ने कार्यक्रमों के लिए अनुमति देने से इनकार कर दिया। कांग्रेस नेता ने कहा, "राहुल गांधी आता है या नहीं, यह महत्वपूर्ण नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि आप जिस भी व्यक्ति को सुनना चाहते हैं, आपको उसकी अनुमति दी जाए। आपको अपनी मर्जी के अनुसार जिंदगी जीने की अनुमति दी जाए न कि किसी और के अनुसार।" राहुल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा, "वे आपको गुलाम बनाना चाहते हैं लेकिन मैं जानता हूं कि कोई भी, ब्रह्मांड में कोई भी ताकत ऐसा नहीं कर सकती है।" उन्होंने कहा कि "यह केवल असम में नहीं बल्कि भारत के हर स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय में हो रहा है", जहां विद्यार्थियों को "अपनी मर्जी के अनुसार सोचने तक नहीं दिया जा रहा है।"

सौम्या विश्वनाथन मामला

अदालत ने सजा को चुनौती देने वाली दोषियों की अपील पर पुलिस से जवाब मांगा

नई दिल्ली, 23 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को पत्रकार सौम्या विश्वनाथन की हत्या के मामले में दोषसिद्धि और उम्रकैद की सजा को चुनौती देने वाली चार दोषियों की अपील पर पुलिस से जवाब मांगा। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ ने रवि कपूर, अमित शुक्ला, बलजीत सिंह मलिक और अजय कुमार की अपील पर पुलिस को नोटिस जारी किया। उच्च न्यायालय ने सजा निलंबित करने का अनुरोध करने वाली दोषियों की अंतिम याचिका पर भी प्राधिकारियों से जवाब दाखिल करने को कहा है। मामले पर अगली सुनवाई के लिए 12 फरवरी की तारीख तय की गई है। सौम्या की, अपनी कार से दफ्तर से घर लौटते वक्त 30 सितंबर 2008 को गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। पुलिस ने लूटपाट के मकसद से सौम्या की हत्या किए जाने का दावा किया था।

रोग एक्स क्या है ? क्यों हर तरफ हो रही है इस नई मुसीबत की चर्चा

नई दिल्ली, 23 जनवरी (एजेंसियां)। दुनियाभर में लोग डिजीज एक्स को लेकर चर्चा कर रहे हैं। खुद रोग वैज्ञानिकों और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इसे लेकर चिंता जताई है और देश-दुनिया के तमाम सरकारों को इस बारे में सोचने और तैयार रहने को कहा गया है। बताया जा रहा है कि कोरोना वायरल की तुलना 7 गुना ज्यादा खतरनाक है और 5 करोड़ से ज्यादा लोगों की इस वजह से मौत हो सकती है। पर ये आम आदमी की समझ से परे है कि डिजीज एक्स है क्या? आखिरकार ऐसा क्या है कि सारी दुनिया को इससे डरने की जरूरत है।

डिजीज एक्स कोई विशिष्ट बीमारी का नाम नहीं है बल्कि एक संभावित नए इंफेक्शन फैलाने वाले एजेंट को दिया गया नाम है। यह एक ऐसी बीमारी का प्रतिनिधित्व करता है जो वर्तमान में अज्ञात है लेकिन भविष्य में मनुष्यों के लिए एक गंभीर सूक्ष्मजीवी यानी माइक्रोबियल

खतरा पैदा कर सकती है। पेट भरक रोटी खाने से भी कम हो जाएगा वजन, इन आटे का करें इस्तेमाल इस बीमारी के लिए तैयार रहना इसलिए जरूरी है क्योंकि वन्यजीवों के बीच वायरस का एक विशाल भंडार घूम रहा है जो एक नई संक्रामक बीमारी का स्रोत बन सकता है जिसके प्रति मनुष्यों में इम्यूनिटी नहीं है। इसलिए ऐसा कभी भी हो सकता है कि किसी जानवर से कोई वायरस या बैक्टीरिया पैदा हो और वो मनुष्यों तक फैल जाए और उन्हें अपना शिकार बनाने लगे। इसलिए, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम (एसएआरएस) और इबोला जैसे ज्ञात हत्यारों के साथ रोग एक्स को उन रोगजनकों की सूची में जोड़ा जिनपर रिचर्च करना सबसे ज्यादा जरूरी है।

रोग एक्स के लिए टीका या दवा उपलब्ध नहीं है

इस संभावित खतरे को डिजीज एक्स के रूप में लेबल करने का मतलब उस बीमारी से निपटने की तैयारियों को प्राथमिकता देना है जिसके लिए अभी तक टीके या दवा उपचार नहीं हैं, और जो एक गंभीर महामारी को जन्म दे सकता है। तो, इन्हीं तमाम वजहों से दुनिया को डिजीज एक्स के प्रति सचेत रहने को कहा जा रहा है। तो, अभी घबराएं नहीं लेकिन, इस नई मुसीबत को लेकर जानकारी जरूर रखें।

भ्रूण लिंग जांच की सूचना पर स्वास्थ्य विभाग ने दी दबिश, छत से कूदा डॉक्टर टांग टूटने पर पकड़ा गया

लुधियाना, 23 जनवरी (एजेंसियां)। लुधियाना के चंडीगढ़ रोड पर गर्भवती महिलाओं के भ्रूण की लिंग जांच होने की सूचना पर सोमवार देर रात सेहत विभाग की टीम ने मुंडिया कलां के गुरु तेग बहादुर नगर की एक क्लीनिक में दबिश दी। छापेमारी के समय बीएएमएस डॉ। आरके शर्मा क्लीनिक की पहली मंजिल पर बने कमरे में एक महिला का स्कैन कर रहा था।

दबिश का पता चलते ही डॉक्टर ने पोर्टेबल स्कैनिंग मशीन को क्लीनिक की छत से नीचे फेंक दिया और खुद भी पहली मंजिल से नीचे कूद गया। छत से कूदते ही डॉक्टर की एक टांग टूट गई और वह पकड़ा गया। सेहत विभाग की टीम ने 108 एम्बुलेंस बुलाकर डॉक्टर को इलाज के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया। इस दौरान स्कैनिंग मशीन के अलावा जेल, दवाइयां और करीब 17 हजार रुपये की नकदी भी बरामद हुई, जिसे टीम ने अपने कब्जे में ले लिया।

आखिरकार आ ही गई जम्मू-कश्मीर की वोटर लिस्ट, कितने लोग कर सकेंगे मतदान

जम्मू, 23 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों की मांग लगातार उठती रही है और अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि आखिर वहां मतदान कब होगा। हालांकि इस दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए चुनाव आयोग ने केंद्र शासित प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी है। अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, इस वोटर लिस्ट में कुल मिलाकर 2.31 लाख से ज्यादा नए मतदाताओं को शामिल किया गया है। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर में कुल मतदाताओं की संख्या बढ़कर 86.93 लाख तक पहुंच गई है।

44.34 लाख पुरुष और 42.58 लाख महिला वोटर'

जम्मू-कश्मीर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) पांडुरंग के। पोल ने सोमवार को इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि अंतिम मतदाता सूची में कुल 86.93 लाख मतदाता हैं जिनमें 44.34 लाख पुरुष और 42.58 लाख महिलाएं हैं। मतदाता सूची जारी होने से केंद्र शासित प्रदेश में विभिन्न चुनाव कराने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा, 'अंतिम मतदाता सूची आज यहां सभी मतदान केंद्रों, चुनावी पंजीकरण अधिकारियों के कार्यालयों, जिला निर्वाचन अधिकारियों के कार्यालयों में प्रकाशित कर दी गई है और 2.31 लाख नए मतदाताओं को शामिल करते हुए सीईओ की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।'

'लिंग अनुपात 924 से बढ़कर 954 हुआ'

सीईओ के मुताबिक, प्रक्रिया के दौरान 1.45 लाख मतदाताओं के विवरण में सुधार के अलावा मृत्यु, स्थानांतरण या अन्य कारणों से 86,000 नाम हटाए गए हैं। प्रवक्ता ने कहा, 'अब तक 86.93 लाख मतदाता हैं जिनमें 44.35 लाख पुरुष और 42.58 लाख महिला मतदाता शामिल हैं। मतदाता जनसंख्या अनुपात 0.59 से बढ़कर 0.60 हो गया है और लिंग अनुपात 924 से बढ़कर 954 हो गया है।' भारत निर्वाचन आयोग यानी कि ईसीओ के विस्तृत निर्देशों के अनुसार प्रक्रिया के दौरान राजनीतिक दलों के साथ परामर्श के बाद 259 नए मतदान केंद्र बनाए गए।

'चिल्लई कलां' खत्म होने में बस सात दिन बाकी कश्मीर में बर्फबारी की उम्मीदें धूमिल

श्रीनगर, 23 जनवरी (एजेंसियां)। अत्यधिक शुष्क ठंड ने कश्मीर पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है और जम्मू में भी मंगलवार को कोहरे तथा ठंड ने जनजीवन प्रभावित किया। कश्मीर में बर्फबारी जारी है, जबकि 40 दिनों तक चलने वाला 'चिल्लई कलां' खत्म होने में सिर्फ सात दिन शेष है। घाटी में शुष्क ठंड और बढ़ गई। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से पाँच डिग्री सेल्सियस नीचे, गुलमर्ग में शून्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस नीचे और पहलगाम में शून्य से 6.2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। लद्दाख क्षेत्र के लेह शहर में न्यूनतम तापमान शून्य से 15 डिग्री सेल्सियस और कारगिल में 11.8 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया। जम्मू शहर में न्यूनतम तापमान पाँच डिग्री सेल्सियस, कटरा में 4.1 डिग्री सेल्सियस, बटोटे में 1.6 डिग्री सेल्सियस, भद्रवाह में शून्य से 0.4 डिग्री डिग्री सेल्सियस नीचे और बनिहाल में शून्य से 1.8 डिग्री डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री यादव ने कूनो में चीतों का कुनबा बढ़ने पर खुशी जताई

भोपाल, 23 जनवरी (एजेंसियां)। श्योपुर केंद्र सरकार और मध्य प्रदेश सरकार के संयुक्त प्रयास से नामीबिया से आए चीतों को अब मध्यप्रदेश का मौसम भाने लगा है। कई बार की नकारात्मक खबरों के बाद यहां से एक अच्छी खबर आई है। दरअसल, श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में नामीबिया से लाई गई ज्वाला चीता ने तीन शावकों को जन्म दिया है। केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर यह जानकारी दी है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने कूनो में चीतों का कुनबा बढ़ने पर खुशी जताई है।

मिजोरम: 'लाई परिषद' के मुख्य कार्यकारी सदस्य को भ्रष्टाचार मामले में चार साल जेल की सजा

आइजोल, 23 जनवरी (एजेंसियां)। आइजोल की एक विशेष अदालत ने भ्रष्टाचार के एक मामले में लाई स्वायत्त जिला परिषद (एलएडीसी) के मुख्य कार्यकारी सदस्य वी। जिरसंगा को चार साल जेल की सजा सुनाई। विशेष अदालत (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) के न्यायाधीश एचटीसी लालरिंचना ने जिरसंगा पर चार लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया और जुर्माना नहीं चुकाने की स्थिति में उन्हें दो साल की अतिरिक्त जेल की सजा काटनी होगी। अदालत ने 19 जनवरी को जिरसंगा और तीन अन्य व्यक्तियों को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 120 बी (आपराधिक साजिश), 409 (लोक सेवक द्वारा आपराधिक विश्वासघात) और 420 (धोखाधड़ी) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत 1.33 करोड़ रुपये की हेराफेरी का दोषी ठहराया था। जिरसंगा तब शिक्षा (माध्यमिक स्कूल) के एलएडीसी के प्रभारी कार्यकारी सदस्य थे।

विशेष अदालत ने लॉन्गतलाई के तत्कालीन जिला शिक्षा अधिकारी लालदुना चिनजाह को चार साल जेल की सजा सुनाई और उन पर छह लाख रुपये का जुर्माना लगाया। थिंगकाह गांव के तत्कालीन माध्यमिक स्कूल प्रधानाध्यापक पीसी मुअनकिमा और जिले में माध्यमिक स्कूल शिक्षक संघ के तत्कालीन सचिव सी। लालचविलियाना को भी क्रमश पांच साल और चार साल जेल की सजा सुनाई गई थी। मुअनकिमा पर जहां छह लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया, वहीं लालचाविलियाना पर चार लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। विशेष अदालत ने फर्जी तरीके से नियुक्ति पाने वाले 30 शिक्षकों व शिक्षकेतर कर्मचारियों को भी दोषी करार दिया। अदालत ने उन्हें छह-छह लाख रुपये जुर्माना भरने को कहा है। यह कथित अनियमितता लॉन्गतलाई के 18 माध्यमिक स्कूलों में काम करने वाले शिक्षकों के नियमितीकरण से संबंधित है।

जंगलों में मिले चीन व सिक्किम के पक्षी चित्र व आवाज से की गई पहचान

कोटद्वार, 23 जनवरी (एजेंसियां)। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व (सीटीआर) के कालागढ़ टाइगर रिजर्व वन प्रभाग (केटीआर वन प्रभाग) में पक्षियों की प्रजाति की गणना व सर्वे का काम पूरा हो गया है। दो दिवसीय भ्रमण के बाद केटीआर की टीमें कोटद्वार लौट आईं। टीम में शामिल विशेषज्ञों ने बताया कि इस बार चीन व सिक्किम के प्रवासी पक्षी ज्यादा नजर आए हैं। इस सर्वे में कई दुर्लभ पक्षियों के साथ ही विलुप्त होने के कगार पर पहुंच चुके पक्षियों की सूची बनाते हुए उनकी गतिविधियों का आंकलन किया गया। केटीआर के डीएफओ आशुतोष सिंह ने बताया कि 20 से 21 जनवरी तक चले दो दिवसीय पक्षी सर्वेक्षण का समापन रामनगर वन विश्राम भवन में हुआ। सर्वेक्षण में कर्नाटक, तेलंगाना, महाराष्ट्र, दिल्ली और उत्तराखंड के पक्षी विशेषज्ञों ने प्रतिभाग किया। सर्वेक्षण सीटीआर की 12 रेंजों के अन्तर्गत बनाई गई 100 से अधिक ट्रेल में 26 टीमों द्वारा किया गया। इसमें 105 पक्षी विशेषज्ञों ने प्रतिभाग किया। केटीआर में 30 पक्षी विशेषज्ञों की टीम ने लोहाचौड़, मोहान से दुर्गा देवी, कांडा, मैदावन, मोरघट्टी, नलकट्टा, पाखरो, हाथीकुंड, रथुवाढाब, मुंडियापानी वन क्षेत्र, हल्दूपड़ाव में एक साथ सर्वे किया। कोटद्वार के पक्षी विशेषज्ञ राजीव बिष्ट ने बताया कि चाइनीज रूबीथ्रोट व सिक्किम की सिल्वर यर्ड मीसिया इस सीजन में खास आकर्षण का केंद्र बनी रही। पक्षी प्रेमी मोहित कंडवाल ने बताया कि वन अधिकारियों के दिशा निर्देश के आधार पर सर्वे में प्वाइंट काउंट मैथड (पीसीएम) व ट्रेल मॉनीटरिंग काउंट मैथड (टीएमसीएम) का प्रयोग किया गया। सोमवार को केटीआर के कोटद्वार रिशेप्शन सेंटर में डीएफओ आशुतोष सिंह ने पक्षी विशेषज्ञों को प्रमाणपत्र जारी किए। बताया कि सर्वे की रिपोर्ट व अध्ययन के बाद रिपोर्ट जारी की जाएगी।

काले जादू से एक्स बॉयफ्रेंड को रिझाना चाहती थी लड़की, गंवा दिए लाखों रुपये

बेंगलुरु, 23 जनवरी (एजेंसियां)। कहा जाता है कि प्यार का कोई मोल नहीं होता, लेकिन एक लड़की को अपने पुराने आशिक को रिझाने की चाहत महंगी पड़ गई। बेंगलुरु के जलाहल्ली की रहने वाली 25 साल की राहिला (बदला हुआ नाम) अपने पूर्व प्रेमी से दोबारा जुड़ना चाहती थी, लेकिन उसे यह नहीं पता था कि इस बेताबी से उसे 8.20 लाख रुपये की चपत लग जाएगी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, अपने बॉयफ्रेंड से ब्रेकअप के बाद राहिला काफी टूट गई थी। तभी उसे इंटरनेट पर अहमद नाम के बाबा का पता चला। राहिला ने 9 दिसंबर को जब अहमद से ऑनलाइन कॉन्टैक्ट किया तो उसने बताया कि राहिला, उसके दोस्तों और उसके परिवार पर काला जादू किया गया है, जिससे उसकी जिंदगी में परेशानियां आ रही हैं। इसकी काट के लिए उसने कुछ

टोटके बताए, जिसके लिए उससे 501 रुपये मांगे।

एक्स बॉयफ्रेंड पर काले जादू के लिए मांगे 2.4 लाख

राहिला ने ये पैसे ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए, जिसके बाद अहमद ने राहिला से उसकी, उसके दोस्तों और परिवार वालों की फोटोज मांगी। इसके बाद अहमद ने राहिला को बताया कि अगर वह 2.4 लाख रुपये देती है, तो वो उसके एक्स बॉयफ्रेंड और उसके परिवारवालों पर काला जादू कर सकता है। इस जादू के बाद कोई भी उसके रिश्ते के खिलाफ नहीं जाएगा। बताते हैं कि राहिला अहमद की बातों में आ गई और 22 दिसंबर को उन्हें 2.4 लाख रुपये नकद दे दिए। कुछ ही दिनों के बाद अहमद ने उससे 1.7 लाख रुपये की और डिमांड कर दी। इससे राहिला को शक होने लगा और उसने अहमद को पैसे देने से मना कर दिया।

तस्वीरें शेयर करने की दी धमकी

इस पर अहमद ने उसे धमकाना शुरू कर दिया कि वह उसके माता-पिता तक उसकी और उसके एक्स बॉयफ्रेंड की तस्वीरें शेयर कर देगा। राहिला इससे काफी घबरा गई और उसे 4.1 लाख रुपये और दिए। राहिला के साथ चल रही इस जालसाजी का उसके माता-पिता को भी पता चल गया। इसके बाद उन्होंने उसे पुलिस में शिकायत करने के लिए कहा। राहिला ने फिर जलाहल्ली पुलिस थाने में जाकर एफआईआर दर्ज करवाई। पुलिस को जांच के दौरान पता चला कि ये सारे पैसे अहमद ने अपने साथी लियाखातुल्ला के खाते में ट्रांसफर करवाया था। अहमद ने कहा कि राहिला ने काला जादू करने के लिए उसे मजबूर किया और वह जल्द ही उसके पैसे भी लौटा देगा। पुलिस के मुताबिक फिलहाल अहमद का फोन स्विच ऑफ आ रहा है। फिलहाल इस मामले की जांच जारी है।

शराब के नशे ने ले ली दो की जान, एक ट्रेन से कटा तो दूसरे का घर पर मिला शव, एक की जलने से मौत

उज्जैन, 23 जनवरी (एजेंसियां)। शराब के नशे में रेलवे क्रॉसिंग को पार कर रहा युवक मालगाड़ी से टकरा गया। सिर पर चोट लगने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। वहीं अन्य दो घटनाओं में एक व्यक्ति की मकान से लाश मिली है तो दूसरे की जलने से मौत हो गई है। सभी मामलों मे पुलिस विवेचना में जुटी है। जयसिंहपुरा में रहने वाला करण पिता नरसिंह (25) सब्जी का ठेला लगाता था और शराब पीने का आदी था। रात में नशा करने के बाद पैदल घर लौट रहा था। जयसिंहपुरा रेलवे क्रॉसिंग पार करते समय वह मालगाड़ी से टकरा गया। सिर में चोट लगते ही पटरियों पर गिरा और उसके ऊपर से मालगाड़ी गुजर गई। उसकी मौके पर मौत हो गई। पटरियों पर युवक के मालगाड़ी से कटने की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। मृतक करण क्षेत्र का रहने वाला था,

ये धर्म का चश्मा हटा लीजिए, राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बीच बोले ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक

कोलकाता, 23 जनवरी (एजेंसियां)। जिस समय पूरा देश अयोध्या में रामलला की 'प्राण प्रतिष्ठा' का जश्न मना रहा था, उस समय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने एक बड़ा और विवादित बयान देकर सियारी पारा को गरमा दिया। सोमवार को कोलकाता में एक रैली के दौरान उन्होंने लोगों से धर्म के चश्मे को हटाने का आह्वान किया। इसके साथ ही इस बात पर जोर दिया कि पूरा हिंदुस्तान खतरे में है। कोलकाता में एक सर्व-विश्वास रैली को संबोधित करते हुए अभिषेक बनर्जी ने कहा, ये धर्म का चश्मा हटा लीजिए क्योंकि कुछ लोग कहते हैं कि हिंदू खतरे में हैं, कुछ लोग कहते हैं कि मुसलमान खतरे में हैं। मैं तो कहता हूं कि धर्म का चश्मा हटा लीजिए और देखिए पूरा हिंदुस्तान खतरे में है। दरअसल, बनर्जी का पूरा का पूरा निशाना विपक्षी पार्टियों को लेकर था।

पार्टी के प्रदर्शन के आधार पर वोट दें

टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव ने लोगों से धर्म के लिहाज से पार्टी के प्रदर्शन के आधार पर वोट देने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी को भी वोट दें चाहे वो भाजपा हो या कांग्रेस... धर्म के नाम पर नहीं बल्कि काम के नाम पर वोट दें, 100 दिन के पैसे के नाम पर वोट करें। उन्होंने आगे कहा कि आज बंगाल के लिए गौरव का दिन है, जहां पूरा देश धार्मिक कार्यक्रम में लगा हुआ है।

बंगाल धर्म की राजनीति नहीं करता

वहीं बंगाल के लोग सड़क पर एक साथ खड़े होकर शांति की प्रार्थना कर रहे हैं। टीएमसी सांसद ने कहा कि बंगाल धर्म की राजनीति नहीं करता। अभिषेक बनर्जी ने कहा हमारा केवल एक ही धर्म है और वह है सभी को सेवा प्रदान करना। बता दें कि सोमवार को टीएमसी ने सर्वधर्म रैली का आयोजन किया था। टीएमसी ने कहा कि इस रैली का मकसद सभी धर्मों के लिए एकजुटता प्रदर्शित करना था।

सरकार ने सोने, चांदी और कीमती धातुओं के सिक्कों पर आयात शुल्क बढ़ाया, 10% से बढ़कर 15% हुआ

नई दिल्ली, 23 जनवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्रालय ने सोने, चांदी और कीमती धातुओं के सिक्कों पर लगने वाले आयात शुल्क में इजाफा करने का फैसला किया है। सरकार ने इसे मौजूदा 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है। सरकार की ओर से जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, सोने-चांदी की धातुओं और कीमती धातुओं के सिक्कों पर आयात शुल्क अब 15 प्रतिशत होगा। इसमें 10 प्रतिशत बेसिक कस्टम ड्यूटी (बीसीडी) और पांच प्रतिशत एआईडीसी (कृषि अवसंरचना विकास उपकर) शामिल है। अब इस पर सामाजिक कल्याण अधिभार (एसडब्ल्यूसी) से इसमें छूट मिलेगी। मंत्रालय ने कीमती धातुओं वाले प्रयुक्त उत्प्रेरकों पर भी आयात शुल्क बढ़ा दिया है। आयात शुल्क में एसडब्ल्यूएस से छूट मिलेगी पर इसके तहत 10% मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) और 4.35% एआईडीसी (कृषि अवसंरचना विकास उपकर) शुल्क देय होगा, जिससे यह बढ़ाकर 14.35% हो गया है। अधिसूचना के अनुसार आयात शुल्क की नई दरें 22 जनवरी से प्रभावी हो गईं।

रूस बना चीन का सबसे बड़ा ऑयल सप्लायर

ड्रैगन ने सालभर में खरीदा 60.6 अरब डॉलर का तेल

नई दिल्ली, 23 जनवरी (एजेंसियां)। सऊदी अरब को पछाड़कर रूस चीन का सबसे बड़ा क्रूड सप्लायर बन गया है। चीन दुनिया में तेल का सबसे बड़ा आयातक है। पिछले साल उसने रूस से रेकॉर्ड 10.7 करोड़ टन क्रूड खरीदा जो 2022 की तुलना में एक चौथाई ज्यादा है। चीन ने पिछले साल सऊदी अरब से 8.6 करोड़ टन क्रूड की खरीदारी की। 2018 के बाद यह पहला मौका है जब रूस चीन का सबसे बड़ा ऑयल सप्लायर बना है। पिछले साल उसने रूस से रोजाना 21.5 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदा। जहां तक भारत का सवाल है तो हमने पिछले साल रूस से रोजाना 17.9 लाख बैरल क्रूड खरीदा। यह 2022 के मुकाबले करीब दोगुना है। पश्चिमी देशों ने रूस के तेल पर 60 डॉलर प्रति बैरल का प्राइस कैप लगा रखा है। लेकिन चीन की कंपनियां इससे कहीं ऊंची कीमत पर रूस से तेल खरीद रही हैं। इसकी वजह यह है कि चीन के लिए इस तेल को लाना सस्ता पड़ रहा है। इसका शिपिंग रूट काफी छोटा है। इसकी तुलना में सऊदी अरब का तेल चीन को महंगा पड़ रहा है जबकि ईरान के साथ हाल में उसका विवाद हुआ है। यही वजह है कि रूसी तेल की डिमांड बढ़ी है। पिछले साल चीन ने रूस से 60.6 अरब डॉलर का कच्चा तेल खरीदा। इसकी एवरेज कीमत 77 डॉलर प्रति बैरल रही।पिछले साल के आंकड़ों के मुताबिक चीन को तेल सप्लाई करने के मामले में इराक तीसरे और मलेशिया चौथे नंबर पर रहा। चीन के सरकारी आंकड़ों में ईरान से आयात किए जाने वाले तेल को साउथईस्ट एशियाई देश से आने वाले क्रूड के रूप में दिखाया जाता है। चीन को पिछले साल फ्यूल ऑयल के मामले में भी रूस सबसे बड़ा सप्लायर रहा। उसने चीन को 96 लाख टन फ्यूल ऑयल बेचा। मलेशिया 69.3 लाख टन के साथ दूसरे नंबर पर रहा। चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी है लेकिन वह अपनी जरूरत का अधिकांश तेल आयात करता है। यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूस से तेल का आयात रोक दिया था। इसके बाद से रूस चीन और भारत को जमकर तेल बेच रहा है।

भूल जाएंगे टाटा-अडानी-अंबानी

इस छोटी सी कंपनी ने तोड़े कमाई के रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 23 जनवरी (एजेंसियां)।शेयर बाजार में मैक्सपोज़र नाम की कंपनी ने धमाकेदार डेब्यू किया। कंपनी का इश्यू प्राइस मात्र 33 रुपए था, जबकि लिस्टिंग 145 रुपए देखने को मिली। इसका मतलब है कि कंपनी की लिस्टिंग से निवेशकों को झटके में 339.39 फीसदी का रिटर्न हासिल किया। निवेशकों को एक लॉट से लाखों रुपयों का फायदा हो गया। मैक्सपोज़र आईपीओ का साइज मात्र 20.26 करोड़ रुपए का था। आईपीओ 15-17 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन था। एसएमई आईपीओ मैक्सपोजर को 2024 में अब तक का सबसे अधिक 987.47 गुना सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ।

कितना हुआ था सब्सक्राइब

कंपनी को ऑफर पर 40.68 लाख शेयरों के मुकाबले 401.70 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां मिली हैं। इसके एनआईआई कोटा को सबसे अधिक 1,947.55 गुना सब्सक्राइब किया गया था, इसके बाद रिटेल कैटेगिरी को 1,034.23 गुना सब्सक्राइब किया गया था। इस बीच, 3 दिनों में क्यूआईबी हिस्से पर 162.35 बार बोली लगाई गई। इस इश्यू में 10 रुपए की फेस वैल्यू पर 61,40,000 इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू शामिल था। मैक्सपोज़र आईपीओ का प्राइस बैंड 31-33रुपए के बीच था। आईपीओ लॉट साइज में 4,000 शेयर शामिल थे। निवेशक 4,000 शेयरों के लिए और उसके मल्टीपल में बोलिया बोली लगा सकते थे। इसका मतलब है कि एक लॉट साइज की वैल्यू 1,32,000 रुपए थी।

धमाकेदार लिस्टिंग

मंगलवार को तीन दिनों के बाद शेयर बाजार ओपन हुआ। जैसे ही कंपनी का शेयर लिस्ट हुआ तो शेयर 145 रुपए था। इसका मतलब है कि कंपनी का लिस्टिंग प्राइस ही 145 रुपए हो गया था। इसका मतलब है कि निवेशकों को शेयर लिस्ट होते ही 339.39 रुपए का रिटर्न हासिल हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर दोपहर 2 बजे कंपनी का शेयर 5 फीसदी की गिरावट के साथ 137.75 रुपए पर कारोबार कर रहा है।

लाख रुपयों का फायदा

निवेशकों को इस धमाकेदार लिस्टिंग से धमाकेदार फायदा हुआ है। आंकड़ों के अनुसार अगर किसी निवेशक को एक लॉट अलॉट हुआ होगा तो 4000 शेयर और 33 रुपए प्रति शेयर कीमत के हिसाब से लॉट की वैल्यू 1.32 लाख रुपए होगी। लिस्टिंग के बाद उस लॉट की वैल्यू 145 रुपए के हिसाब से 5,80,000 रुपए हो गई होगी। अगर इसमें से इंवेस्टमेंट वैल्यू 1.32 लाख रुपए को निकाल भी दिया जाए तो निवेशकों को 4.48 लाख रुपए का फायदा हो गया होगा।

बाजार में हाहाकार, मंगलवार शेयर बाजार के लिए रहा अमंगल, सेंसेक्स 1053 अंक गिरकर हुआ बंद

नई दिल्ली, 23 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार के लिए मंगलवार का दिन अमंगल साबित हुआ है. बैंकिंग, मिडकैप और सरकारी कंपनियों के स्टॉक्स में मुनाफावसूली के चलते बड़ी गिरावट के साथ बाजार बंद हुआ है. स्मॉल कैप शेयरों की आज के सेशन में जमकर पिटाई हुई है. बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 1053 अंकों की गिरावट के साथ 70,370 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 333 अंक गिरकर 21,238 अंकों पर बंद हुआ है. बाजार के मार्केट कैप में 8 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है।

सेक्टर का हाल

आज के ट्रेड में बैंकिंग स्टॉक्स में बड़ी गिरावट देखने को मिली है. बैंक निफ्टी 2.26 फीसदी या 1043 अंक गिरकर बंद हुआ है. इसके अलावा ऑटो, आईटी, एफएमसीजी, मेटल्स, मीडिया, एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑयल एंड गैस सेक्टर के स्टॉक्स में जोरदार गिरावट रही. केवल हेल्थकेयर और फार्मा सेक्टर के स्टॉक्स तेजी के साथ बंद हुए. मिड कैप और स्मॉल कैप शेयर भी बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए. सेंसेक्स के 30 शेयरों में 5 स्टॉक्स हरे निशान में बंद हुए जबकि 25 लाल निशान में क्लोज हुए. निफ्टी के 50 शेयरों में 10 तेजी के साथ और 40 गिरावट के साथ बंद हुए. डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर हुआ है. एक डॉलर के मुकाबले रुपया 8 पैसे कमजोर होकर 83.15 रुपये पर बंद हुआ है.

8 लाख करोड़ घटा मार्केट कैप

शेयर बाजार में भारी गिरावट के चलते निवेशकों को जबरदस्त नुकसान का सामना करना पड़ा है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैपिटलाइजेशन 366.04 लाख करोड़ रुपये रहा है जो पिछले सत्र में 374.38 लाख करोड़ रुपये रहा था. यानि आज के सत्र में निवेशकों को 8.34 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। आज के ट्रेड में सन फार्मा 4.05 फीसदी, भारती एयरटेल 3.37 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 2.10 फीसदी, पावर ग्रिड 0.27 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.13 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. जबकि इंडसइंड बैंक 5.87 फीसदी, एसबीआई 4.19 फीसदी, एचयूएल 3.81 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 3.45 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

बजट में सामाजिक योजनाओं पर बढ़ सकता है खर्च, सरकार कर सकती है ये ऐलान

नई दिल्ली, 23 जनवरी (एजेंसियां)। इनकम टैक्स और जीएसटी मंथली कलेक्शन बढ़ने से सरकार अंतरिम बजट में राजकोषीय सूझबूझ पर चलते हुए भी किसानों और सामाजिक योजनाओं के लिए अधिक फंड आवंटित करने की स्थिति में रहेगी। सरकार आम चुनाव में जाने के पहले एक फरवरी को अपना अंतरिम बजट पेश करेगी। ऐसे में इस बजट में समाज के गरीब वर्गों, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया जा सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में आय और कॉरपोरेट टैक्स कलेक्शन में उछाल दिख रहा है। इससे कुल डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन बजट अनुमान से लगभग एक लाख करोड़ रुपए अधिक रह सकता है। सरकार ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए डायरेक्ट टैक्स से 18.23 लाख करोड़ रुपए जुटाने का बजट लक्ष्य रखा था। इस मद में 10 जनवरी, 2024 तक टैक्स कलेक्शन 14.70 लाख करोड़ रुपए हो चुका था, जो बजट अनुमान का 81 प्रतिशत है। अभी वित्त वर्ष पूरा होने में लगभग ढाई महीने का वक्त बाकी है।

जीएसटी के मोर्चे पर क्या है हाल ?

वहीं जीएसटी के मोर्चे पर केंद्रीय जीएसटी राजस्व 8.1 लाख करोड़ रुपए के बजट अनुमान से लगभग 10,000 करोड़ रुपए अधिक होने की उम्मीद है। हालांकि उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क कलेक्शन में करीब 49,000 करोड़ रुपए की कमी की आशंका है। केंद्र का ग्रॉस टैक्स रेवेन्यू 33.6 लाख करोड़ रुपए के बजट अनुमान से 60,000 करोड़ रुपए अधिक होने की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने अपनी बजट आकलन रिपोर्ट में कहा था कि अगले वित्त वर्ष में डायरेक्ट टैक्स एवं जीएसटी कलेक्शन के कारण सकल टैक्स राजस्व 11 प्रतिशत बढ़ेगा लेकिन उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क कलेक्शन में वृद्धि कम रह सकती है। इक्रा रेटिंग्स के मुताबिक, 'वर्तमान मूल्य पर जीडीपी की 9.5 प्रतिशत वृद्धि के पूर्वानुमान के साथ वित्त वर्ष 2024-25 में टैक्स उछाल 1.2 रह सकती है। चालू वित्त वर्ष में इसके 1.4 रहने का अनुमान है।

टैक्स कलेक्शन बढ़ने से खुलेंगे ये रास्ते

टैक्स कलेक्शन बढ़ने से सरकार राजकोषीय सशक्तीकरण मार्ग से हटे बगैर मनरेगा, ग्रामीण सड़क, पीएम किसान सम्मान निधि और पीएम विश्वकर्मा योजना जैसी सामाजिक योजनाओं के लिए अधिक धन आवंटित कर पाने की स्थिति में रहेगी।

चालू वित्त वर्ष में सरकारी प्राप्तियों और खर्च के बीच का अंतर यानी राजकोषीय घाटा जीडीपी का 5.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। राजकोषीय घाटे को 2025-26 तक 4.5 प्रतिशत पर लाने का लक्ष्य रखा गया है।डेलॉयट इंडिया में साझेदार संजय कुमार ने कहा कि फिलहाल सरकार के पास कुछ निश्चित राजकोषीय गुंजाइश है और वे अंतरिम बजट में उसे खर्च करना चाहेंगे। कुमार ने कहा कि 2024-25 के अंतरिम बजट में बुनियादी ढांचे, महिला केंद्रित योजनाओं के लिए आवंटन बढ़ने की उम्मीद है। चालू वर्ष के लिए सरकार के बजट का आकार 40 लाख करोड़ रुपए था और अगले वित्त वर्ष में इसके 10 प्रतिशत बढ़कर 43-44 लाख करोड़ रुपए हो जाने की संभावना है।

चुनाव से पहले वेनेजुएला से आएगा सस्ता क्रूड ऑयल, 3 साल बाद होगी वहां से खरीदारी

नई दिल्ली, 23 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला से एक बार फिर से क्रूड ऑयल खरीदने की भारत की तैयारी है। दरअसल, वेनेजुएला पर ऑयल एंड गैस के एक्सपोर्ट पर साल 2019 से ही प्रतिबंध लगा हुआ था। लेकिन बीते साल अक्टूबर में वेनेजुएला सरकार और विपक्षी दलों के बीच हुए समझौते के बाद अमेरिका ने उन प्रतिबंधों को मोटे तौर पर खत्म कर दिया था। अब जबकि प्रतिबंध खत्म हो गया है, तो भारत एक बार फिर से वहां से क्रूड ऑयल खरीदने की तैयारी कर रहा है। ऐसा अगले महीने मतलब फरवरी से ही हो सकता है। इसके बाद ही देश में आम चुनाव होना है।साल 2019 में वेनेजुएला से ऑयल एक्सपोर्ट पर प्रतिबंध लगने से पहले भारत की रिफाइनरीज नियमित तौर पर वहां से कच्चे तेल का आयात करती थी। उस समय वेनुजुएला पांचवां बड़ा सप्लायर था। लेकिन जैसे ही उस पर अमेरिकी प्रतिबंध लगा, यह आयात बंद हो गया। कमोडिटी मार्केट एनालिटिक्स फर्म केप्लर के मुताबिक किसी भारतीय रिफाइनरी ने अंतिम बार नवंबर 2020 में वेनेजुएला से क्रूड ऑयल का इंपोर्ट किया था। थोड़े दिन पहले तक भारत को रूस से डिस्काउंटेड रेट पर क्रूड ऑयल मिल रहा था। यह डिस्काउंट अच्छा-खासा हुआ करता था। लेकिन अब इसे घटा कर करीब दो डॉलर प्रति बैरल कर दिया गया है। इससे विकल्प के रूप में वेनेजुएला को देखा जा रहा है। बताया जाता है कि इंडियन रिफाइनर्स को वहां से प्रति बैरल 8 से 10 डॉलर का डिस्काउंट मिल सकता है। यदि ऐसा हुआ तो यह भारतीय रिफाइनिंग कंपनियों के लिए फायदा का सौद होगा। साथ ही इससे घरेलू बाजार में भी पेट्रोल और डीजल का दाम सस्ता रखने में सहायक होगा।बीते दिसंबर के शुरुआत में ही खबर आई थी कि मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज वेनेजुएला से लाखों टन कच्चा तेल खरीदेगी। कंपनी यह खरीद जामनगर रिफाइनरी के लिए करेगी। वहां केच्चे तेल को साफ कर प्रोडक्ट का निर्यात किया जाएगा। बीते महीने ही वेनेजुएला के ऑयल मिनिस्टर राफेल रमीरेज के हवाले से खबर आई थी कि इस संबंध में उन्होंने रिलायंस के अधिकारियों के साथ बातचीत की है। वह दीर्घकालिक आपूर्ति सौदे के तहत जून से प्रतिदिन।,50,000 बैरल की आपूर्ति करने पर सहमत हुए हैं।

हांगकांग को पछाड़ते ही भारतीय शेयर बाजार हुआ धड़ाम, 6 घंटे में डूबे 8 लाख करोड़

नई दिल्ली, 23 जनवरी (एजेंसियां)।भारत ने हांगकांग को पछाड़कर दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार बनने का तमगा हासिल किया था। लेकिन यह तमगा भी बाजार के निवेशकों को रास नहीं आई। प्राण प्रतिष्ठा के अगले दिन भारतीय शेयर बाजार में जोरदार गिरावट देखने को मिली।सेंसेक्स 1,000 अंकों से ज्यादा टूटकर 71,000 अंकों के लेवल से नीचे आ गया। वहीं निफ्टी भी 1 फीसदी से ज्यादा टूटकर 21,400 अंकों से नीचे आ कारोबार कर रहा था। मिड और स्मॉलकैप एक्सचेंज में 3 फीसदी की गिरावट देखने को मिली।

जिसकी वजह से शेयर बाजार निवेशकों को लगभग 8 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हो गया।खास बात तो ये विदेशी बाजारों में तेजी देखने को मिली थी, उसके बाद भी भारतीय शेयर बाजार में बैंक, तेल और गैस शेयरों, एफएमसीजी और मेटल्स शेयरों में तेज गिरावट देखी गई, जबकि फार्मा और आईटी में खरीदारी देखी गई। निफ्टी में आधे से ज्यादा नुकसान में अकेले रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक का योगदान रहा। जानकारों की मानें तो वेस्ट एशिया और लाल सागर टेंशन चिंता का विषय है। अगर कुछ गलत हुआ, तो बाजार प्रभावित होगा। इसके अलावा शेयर बाजार भी हाई वैल्यूड है। जिसकी वजह से मुनाफावसूली देखने को मिल रही है। आइए आपको भी उन कारणों को बताते हैं जिसकी वजह से बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है।

सोनी-ज़ी की डील टूटते ही मुकेश अंबानी होंगे मालामाल

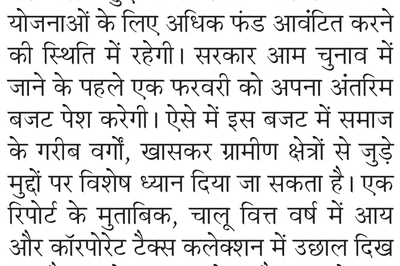

नई दिल्ली, 23 जनवरी (एजेंसियां)। सोनी पिक्चर्स देश के सबसे पुराने प्राइवेट मीडिया हाउस जी ग्रुप से उसका एंटरटेनमेंट बिजनेस खरीदने वाली थी, लेकिन अब ये डील खटाई में पड़ती नजर आ रही है। सोनी पिक्चर्स ने हाल में जी ग्रुप को इस डील के टर्मिनेशन का लेटर भेज दिया है। इस पूरे घटनाक्रम से अगर कोई सबसे ज्यादा फायदे में है तो वह हैं अरबपति उद्योगपति मुकेश अंबानी। जी हां, सोनी-जी की डील टूटने से अब मुकेश अंबानी भरपूर मुनाफा कमाने वाले हैं।दरअसल मुकेश अंबानी इस देश के नए मीडिया मुगल हैं। उनकी कंपनी वॉयकॉम 18 है जो देश में कलर्स नेटवर्क के कई एंटरटेनमेंट चैनल चलाती है। हाल में उनकी कंपनी ने डिज्नी से उसके स्टार नेटवर्क को खरीदने के लिए एक बाइडिंग एमओयू साइन किया है। इस डील के बाद वॉयकॉम 18 के पास स्टार नेटवर्क के सभी चैनल और डिज्नी+हॉटस्टार जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म का मालिकाना हक आ जाएगा। ऐसे में सोनी और जी का गठजोड़ उसे कड़ी टक्कर दे सकता था, जिसके आसार अब कम दिख रहे हैं।

सारा खेल विज्ञापन से मुनाफा कमाने का

अगर सोनी और जी की डील होती, तो देश का सबसे बड़ा मीडिया नेटवर्क होने के चलते उसे विज्ञापन की दुनिया का बड़ा हिस्सा मिलता। वहीं ज़ी5 और सोनी लिव जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म की लाइब्रेरी भी एक होती, यानी डिजिटल स्पेस में भी उसने झंडे गाड़े होते। हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) और प्रॉक्टर एंड गैम्बल (पीएंडजी) जैसी बड़ी कंपनियों के साथ डील करने में वह अपने हिसाब से मोलभाव कर सकती थी। लेकिन अब डील टूटने की वजह से सोनी और जी का नुकसान तो होगा ही, साथ-साथ एचयूएल और पीएंडजी को भी दूसरे राइवल्स पर डिपेंड करना होगा।वहीं दूसरी तरफ अगर वायकॉम 18 और डिज्नी की डील पूरी होती है, तो नई कंपनी के पास कुल 115 टीवी चैनल और 2 ओटीटी प्लेटफॉर्म होंगे। अभी स्टार इंडिया के 77 और वायकॉम 18 के 38 चैनल हैं। ईटी की खबर के मुताबिक इससे मुकेश अंबानी को उत्तर भारत के शहरों में एक तिहाई हिंदी चैनल और दक्षिण भारत के तमिल मार्केट में एक चौथाई हिस्सेदारी मिल जाएगी। वैसे भी मुकेश अंबानी का ध्यान स्पोर्ट पर ज्यादा है। इस साल उन्होंने आईपीएल के डिजिटल राइट्स और उसे पब्लिक के लिए फ्री रखकर अपनी मंशा भी जाहिर कर दी है। इस तरह डिज्नी के साथ डील में उन्हें ईएसपीएन का मालिकाना हक मिलेगा, साथ ही स्टार स्पोर्ट्र्स के एक से ज्यादा चैनल भी उनके खाते में दर्ज होंगे। एंटरटेनमेंट और स्पोर्ट्स चैनल के बड़े नेटवर्क पर मालिकाना हक होने की वजह से मुकेश अंबानी को विज्ञापन मार्केट में अच्छी कमाई होगी। वैसे भी भारत में क्रिकेट की दीवानगी किसी से छिपी नहीं है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मकर	में	मकर..	06-17 बजे
चंद्र-	मिथुन	में	कुंभ....	08-07 बजे
मंगल	धनु	में	मीन ..	09-45 बजे
बुध-	धनु	पें	मेष--	11-21 बजे
गुरु-	मेष	में	वृष--	13-06 बजे
शुक्र-	धनु	में	मिथुन..	15-06 बजे
शनि-	कुंभ	में	कर्क....	17-18 बजे
राहु-	मीन	में	सिंह....	19-30 बजे
केतु-	कन्या	में	कन्या..	21-37 बजे
			तुला.....	23-42 बजे
			वृश्चिक	00-53 बजे
			धनु.....	04-10 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-53 सूर्यास्त. - 18-02
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी - 21 -50 - तक उपरान्त पूर्णिमा
मास - पौष शुक्ल पक्ष , बुधवार 24 January
नक्षत्र - पुनर्वसु - 08 - 16 - पूर्ण दिन-रात तक
योग - वैधृति - 07 - 39 - तक उप विष्कुंभ
करण- गर - 09 -12 - तक उप- वणिज
विशेष:-
व्रत -त्योहार - श्री शाकम्भरी ज.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 12:28 से 13:52 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	06:53 - 08:15	अशुभ	लाभ	18:02 - 19:39	शुभ
शुभ.	08:15 - 09:39	शुभ	उत्पात	19:39 - 21:15	अशुभ
रोग	09:39 - 11:03	अशुभ	शुभ	21:15 - 22:51	शुभ
उत्पात	11:03 - 12:27	अशुभ	अमृत	22:51 - 24:27	शुभ
चंचल	12:27 - 13:51	शुभ	चंचल	24:27 - 02:03	शुभ
लाभ	13:51 - 15:15	शुभ	रोग	02:03 - 03:39	अशुभ
अमृत	15:15 - 16:39	शुभ	काल	03:39 - 05:15	अशुभ
काल.	16:39 - 18:02	अशुभ	लाभ	05:15 - 06:53	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

यह गतिविधियों और उपलब्धियों को याद करने या समर्थन करने का अछा समय है और ये आपकी उपलब्धियों को मजबूती देगा की आप रास्ते पर प्रथम है । ये समय नयी शुरुआत करने के लिए अच्छा है चाहे वह नई परियोजना या एक नई नौकरी को लेकर हो । इस ऊर्जा को जब तक बनाए रखने की कोशिश करें , जब तक आप अपनी मंज़िल पर नहीं पहुंच जाते ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

इस बात के काफी मजबूती से संकेत मिल रहे है की आप को अपनी नौकरी की वजह से विदेश जाना पड़ सकता है । जिन विद्यार्थियों ने वीसा के लिए आवेदन किया हुआ है उनका काम आज पूर्ण होने के आसार बन रहे है । आपका कार्य स्थान का परिवर्तन ऐसी जगह हो सकता है जिससे आप अनजान हो ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

यात्रा के अवसरों के लिए बहुत ही खुले दिल से स्वागत करे । ये धन कमाने का एक बेहतरीन मौका है! जो लोग अध्यन कर रहे है उन्हें अप्रत्याशित स्रोतों से अद्भुत अवसर मिल सकते है । आप जिस भी स्थिति मैं है , आप ये याद रखे की एकता में बल है इसलिए सामूहिक प्रयास ही संतोषजनक परिणाम ला सकता है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आपका ध्यान आज भटकने की संभावना है , हालाँकि आपका कार्य जमा होता जा रहा है, लेकिन आपका ध्यान अनुत्पादक गतिविधियों में लिप्त रहेगा , लेकिन फिर भी आपको आराम करने का अवसर नहीं मिल पायेगा क्योंकि जागरूकता और चिंता हमेशा आपके मन पर हावी रहेगी की आपका कार्य अभी अधूरा है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आपका भाग्य आपके वित्तीय उपक्रम को पूरा समर्थन दे रहा है एवं आपकी नौकरी भी काफी अच्छी है परन्तु आपको अपने धन पर ध्यान रखने की जरुरत है जैसे की हम सब जानते है की पैसे पेड पर नहीं उगते है। आपके अपव्यय करने की आदत से आपको अपने निकट के व्यक्तियों से आलोचना सुननी पड़ती है । ये समय उनके सुझावों को मानने का है और साथ ही साथ अपनी खर्चीली आदतो को कर्म करने का भी ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आज पेशेवर मामलों में, आपको एक प्रभावशाली व्यक्ति से समर्थन मिल सकता है। उस व्यक्ति के साथ काम करते हुए, अपने काम के माध्यम से उसे प्रभावित करने के लिए कोई भी कसर न छोड़े। आप एक पदोन्नति या वेतन वृद्धि को प्राप्त करने के लिए सीढ़ी चढ़ रहे हैं। दूसरों से इसके बारे में बात करने से बचें। बस अपने काम पर ध्यान केंद्रित करे । आपका काम ही आपके बारे में बोलेगा ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आपको अपने खर्चो का ध्यान रखना होगा और उनपर पैनी निगाह रखनी होगी क्योकि यह छोटे छोटे खर्चे आगे जाकर विराट रूप धारण कर लेते है , हालाँकि आपकी व्यक्तिगत जरूरते कम है पर फिर भी आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा ताकि भविष्य में धन की समस्या उत्पन न हो । आपको कुछ अन्य कार्यो के बारे में भी सोचना चाहिए ताकि आपकी आय बढ़ सके ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज किसी भी परीक्षा में उतरने के लिए अच्छा दिन नहीं है, हालांकि अगर आप परीक्षा में बेठ रहे है तो किसी नकारात्मक विचारों को अपने पास न आने दे । आप आगे बढे और आपकी शक्ति और सकारात्मकता आपकी कुण्डली से किसी भी नकारात्मक प्रभाव से लड़ सकती है। आज पैसे उधार न दे क्योकि आपको धोखा मिल सकता है । बड़ी राशि उधार देने से बचे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज आपको अपनी आय और व्यय का संतुलन करना मुश्किल होगा । आज अपनी आय की वृद्धि के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू करने के लिए भी ये सबसे अच्छा दिन है। आपको अपनी पसंद के हिसाब से कुछ कार्य मिल सकता है और यह अगले कुछ वर्षों में आपके प्राथमिक कार्य बनने की क्षमता रखता है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज के दिन आपका दृढ़ संकल्प और आपकी कठोर मेहनत रंग लाएगी । ये मेहनत आपके उच्च अधिकारीयों को दिखेगी जो की आपके आगे बढ़ने के लिए एक माध्यम बनेगी । इस चीज़ में आपका भाग्य का कम जबकि आपकी मेहनत और लग्न का ज्यादा हाथ होगा । ये समय आपके करियर की उड़ान का समय है और आपको ये सुनिश्चित करना है की आप इस समय का पूरा सदुपयोग करे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज का दिन प्रशासनिक नौकरियों में या किसी भी क्षमता में सरकार के लिए काम कर रहे लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है। जो भी विस्तारपूर्ण काम काज जो काफी समय से लंबित था , उसे करने के लिये आज प्रयत्न करे क्यों की वह आसानी से समाप्त हो जाएगा । अगर आप अपने वर्तमान कार्यस्थल पर बैचनी या फंसा हुआ सा महसूस कर रहे है तो आज का दिन एक नई नौकरी के लिए भी उपयुक्त है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज आप एक चिंतनशील अवस्था में रहेंगे । आज आपके उस काम में उत्कृष्टता प्राप्त करने की संभावना है जिसमे गहरी सोच और चिंतन शामिल हो । आज शिक्षक , प्रचारकों , वकील, विवादकर्ताओं और राजनेताओं के अपने अपने कार्य क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने की संभावना है। हालांकि, कम ध्यान की वजह से आपको समस्या का सामना करना पड़ सकता है ।

पं ।महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

सुभाष चंद्र बोस के पास थे खजाने से भरे सूटकेस

प्लेन क्रैश के बाद भी जीवित थे, 127वीं जयंती पर नेताजी की मौत की मिस्ट्री

नई दिल्ली, 23 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। बात 18 अगस्त 1945 की है। जापान दूसरा विश्व युद्ध हार चुका था। अंग्रेजी हुकूमत नेताजी के पीछे पड़ी थी। इसे देखते हुए उन्होंने रूस से मदद मांगने का मन बनाया। 18 अगस्त 1945 को उन्होंने मंचूरिया की तरफ उड़ान भरी।

5 दिन बाद 23 अगस्त 1945 को टोक्यो रेडियो ने जानकारी दी कि एक केआई-21 बॉम्बर प्लेन ताइहोकू एयरपोर्ट के पास क्रैश हो गया। इसमें सवार सुभाष चंद्र बोस बुरी तरह जल गए और अस्पताल में इलाज के दौरान उनका निधन हो गया।

सुभाष चंद्र बोस के निधन पर दुनियाभर की 10 से ज्यादा कमेटियों ने जांच की है। आजाद भारत की सरकार ने तीन बार इस घटना की जांच के आदेश दिए। पहले दोनों बार प्लेन क्रैश को हादसे का कारण बताया गया। तीसरी जांच में कहा गया कि 1945 में कोई प्लेन क्रैश की घटना ही नहीं हुई। सुभाष चंद्र बोस की 127वीं जयंती पर जानेंगे सुभाष चंद्र बोस की मौत की मिस्ट्री। 8 दशकों में हुई 10 से ज्यादा इन्वेस्टिगेशन्स में क्या-क्या खुलासा हुआ है।

अगस्त 1945 के दूसरे हफ्ते तक मध्य एशिया में द्वितीय विश्व युद्ध लगभग खत्म हो चुका था। अमेरिका नागासाकी और हिरोशिमा में परमाणु बम गिरा चुका था। अमेरिकी विमान लगातार हवाई बमबारी कर रहे थे। ब्रिटिश आर्मी मलाया द्वीप पर हमला करने की तैयारी में थी। जापान सरेंडर करने की तैयारी में था।

सुभाष चंद्र बोस के लिए ये खबर अच्छी नहीं थी, क्योंकि जापान उनकी आजाद हिंद फौज की बहुत मदद करता था। भारत को ब्रिटिश शासन से आजाद कराने का बोस का मिशन पूरा होना बाकी था। उन दिनों नेताजी सुभाष चंद्र बोस सिंगापुर में थे। उनके चीफ ऑफ स्टाफ जेके भोंसले ने उन्हें सिंगापुर छोड़ने का सुझाव दिया।

इतिहासकार जॉयस चैपमैन की किताब 'द आईएनए एंड जापान' के मुताबिक, 16 अगस्त को बोस ने वियतनाम के शहर साइगॉन जाने का फैसला लिया। इसके लिए वो पहले बैंकॉक में इंडियन इंडिपेंडेंस लीग के मुख्यालय गए। यहां आजाद हिंद सरकार के सदस्यों से मिले और जनरल जेके भोंसले को आजाद हिंद फौज का कार्यभार सौंपा।

16-17 अगस्त, 1945 की मध्यरात्रि को बोस ने सभी अधिकारियों को अपने आवास पर बुलाया और उनके साथ विभिन्न योजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने सचिव एस.ए. अय्यर, देबनाथ दास, कर्नल हबीबुर रहमान, कैप्टन गुलजारा सिंह, कर्नल प्रीतम सिंह और मेजर आबिद हसन को अपने साथ सुरक्षित स्थान पर साथ ले जाने के लिए चुना। उनमें से किसी को भी यह नहीं बताया गया कि वे कहां जा रहे हैं। लेकिन उनके साथियों ने अनुमान लगाया कि वे डेरेन मंचुरिया की ओर जा रहे थे।

नेताजी के पास थे आईएनए के फंड्स से भरे 4 सूटकेस

17 अगस्त को सुबह करीब 6 बजे बैंकॉक एयरपोर्ट से नेताजी और उनकी टीम कुछ जापानी अधिकारियों के साथ दो विमानों में साइगॉन के लिए रवाना हुई। नेताजी के साथ आईएनए फंड्स

वाले दो छोटे और दो बड़े सूटकेस थे। मधुश्री मुखर्जी अपनी किताब 'चर्चिल सीक्रेट वॉर' में लिखती हैं कि नेताजी नहीं चाहते थे कि आईएनए जापान पर ज्यादा निर्भर रहे। वो अक्सर चंदा और दान से फंड जुटाते थे। कई बार उन्होंने चंदा जमा करने के लिए मुहिम भी चलाई।

उनके भाषणों से प्रभावित होकर लोग उन्हें पैसे और सोना-चांदी देते थे। नेताजी से जुड़ी फाइल में जिक्र मिलता है कि इंडिया इंडिपेंडेस लीग (आईआईएल) के जनरल सेक्रेटरी ने एनआईए फंड्स से भरे बक्से को बैंकॉक में बोस के पास पहुंचा दिया।

बोस के सहायक कुंदन सिंह ने एक जांच रिपोर्ट में बताया कि एनआईए खजाने को चार हिस्सों में बांटकर बक्सों में भरा गया था। जिनका कुल वजन करीब 75 से 90 किलो के बीच था। इन बक्सों में सोने के जेवर, पैसे और कई तोहफे थे। आगे की यात्रा में बोस इन बक्सों को अपने साथ लेकर चले।

साइगॉन पहुंचने के तुरंत बाद उन्होंने दक्षिण पूर्व एशिया में जापानी सेना के प्रमुख फील्ड मार्शल हिसाइची तेराची से मुलाकात की। उनसे अनुरोध किया कि वह सोवियत संघ जाने के लिए एक प्लेन की व्यवस्था कर दें। तेराची ने जापान के इंपीरियल जनरल मुख्यालय को एक संदेश भेजकर अनुमति मांगी। इतिहासकार जॉइस चैपमैन लेब्रा के अनुसार, जापान के इंपीरियल जनरल मुख्यालय ने कहा कि बोस के लिए जापान को छोड़ना और सोवियत संघ में चले जाना सही नहीं होगा। इसके बावजूद फील्ड मार्शल तेराची ने 17 अगस्त 1945 की दोपहर साइगॉन से टोक्यो जाने वाली एक बॉम्बर प्लेन मित्सुबिशी केआई-21 में बोस के लिए एक सीट की व्यवस्था कर दी। प्लेन में 11 लोग पहले से ही सवार थे।

बोस ने विमान में अकेले जाने से मना कर दिया। हालांकि पायलट से बात करके एक सीट की व्यवस्था और की गई और बोस ने हबीबुर रहमान को अपने साथ जाने के लिए चुना। बोस अपने साथ एक और टीम साथी को लेकर जाना चाहते थे, लेकिन पायलट नोनोगाकी ने उनके सामने विकल्प रखा कि या तो उनके बक्से जाएंगे या तीसरा व्यक्ति। नेता जी ने बक्सों को चुना। आईएनए फंड्स के इन बॉक्सों ने पूरे प्लेन के भार को और अधिक बढ़ा दिया।

बॉम्बर प्लेन मंचूरिया होकर जाने वाला था, जहां सोवियत सेना तेजी से कब्जे के लिए आ रही थी। बोस का यहीं उतरकर सोवियत संघ की शरण लेकर अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने का प्लान था।

बॉम्बर प्लेन का इंजन उड़ान शुरू होने के समय ही काफी आवाज कर रहा था। 17 अगस्त को शाम 5:20 बजे साइगॉन से उड़ान भरी। रात्रि विश्राम के लिए प्लेन टूरेन वियतनाम में रुका। इस दौरान पायलट ने वजन कम करने के लिए कई मशीन गन, गोला-बारूद और एंटी-एयरक्राफ्ट गन को हटा दिया।

18 अगस्त की सुबह बॉम्बर प्लेन ने फिर उड़ान भरी और दोपहर तक ताइहोकू, फॉर्मोसा (अब ताइपेई ताइवान) पहुंचा। वहां इस प्लेन को 2 घंटे रुकना था। इस दौरान इसमें क्षमता से अधिक गैसोलीन भरा हुआ था।

दोपहर करीब 2 बजे प्लेन ने मंचूरिया के लिए उड़ान भरी। जैसे ही विमान हवा में उड़ा तो लगभग 20-30 मीटर की ऊंचाई पर एक विस्फोट की आवाज आई और उसके बाद तीन-चार जोरदार धमाके हुए। विमान के बाईं ओर का प्रोपेलर गिर गया। कंक्रीट रनवे से आगे क्रैश होने पर विमान दो हिस्सों में टूट गया।

नेताजी गैसोलीन से लथपथ थे और उनके कपड़ों में आग लग गई थी। वो प्लेन के टूटे हुए हिस्से से बाहर आए और उनके बाद हबीबुर भी उनके पीछे बाहर निकले। नेताजी के कपड़ों और उनके शरीर में आग लग गई। बाहर निकलते ही हबीबुर ने बड़ी मुश्किल से नेताजी का स्वेटर और कपड़े उतारे और उन्हें जमीन पर लिटा दिया। नेताजी का शरीर और चेहरा आग से झुलस गया था। कुछ ही देर बाद नेताजी को अन्य घायलों को नानमोन सैन्य अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया। नेताजी की हालत सबसे गंभीर थी। उनका पूरा शरीर जल गया था। हालांकि वो होश में अब भी थे। चीफ मेडिकल ऑफिसर डॉ. योशिमी के मुताबिक अगली सुबह तक नेताजी के जीवित रहने की संभावना नहीं थी। उनके पूरे शरीर में पट्टियां बांधी हुई थी। उनकी हालत में कोई सुधार होता नहीं दिख रहा था।

7500 किलो धान से बनी श्रीराम की सबसे बड़ी रंगोली

51 कलाकारों ने 4 दिन में किया तैयार

रायपुर, 23 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन भगवान श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ राममय हो गया। इस शुभ अवसर पर प्रदेश में अनेक कार्यक्रम हुए। इसके साथ ही दीवाली की तरह घरों-घर में दीप जलाए गए और रंगोली भी बनाई गई। वहीं राजधानी रायपुर स्थित साइंस कॉलेज मैदान में धान से भगवान श्रीराम की मनमोहक रंगोली बनाई गई है। यह काफी रोचक तरीके से बनाया गया है। इस रंगोली में भगवान श्रीराम का सौम्य चेहरे के दर्शाया गया है। छत्तीसगढ़ राष्ट्रवादी संघ की पहल पर इसे कलाकारों ने तैयार किया।

दावा किया जा रहा है कि ये धान से बनी विश्व की सबसे बड़ी रंगोली है। इसे अंतरराष्ट्रीय रंगोली कलाकार प्रमोद साहू और उनकी टीम ने मिलकर 4 दिनों में तैयार किया है। धान से इस रंगोली को बनाने के लिए 51 कलाकरों ने कड़ी मेहनत की है। धान को अनेक रंगों में रंगकर रंगोली बनाया गया। धान और चावल के लगभग 7500 किलो से भगवान श्रीराम के रंगोली को तैयार की गई है। इसे लगभग 19600 स्केवयर फीट में तैयार किया गया है। इसके साथ ही रंगोली को विश्व रिकॉर्ड में शामिल करने के लिए आवेदन भी भेजा गया है।

सीएम से पूछताछ के दौरान कैसे पहुंची सीआरपीएफ?

जेएमएम का दावा-हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर दिल्ली ले जाने की थी तैयारी, भाजपा बोली-पुलिसिया ताकत न दिखाएं

रांची, 23 जनवरी (एजेंसियां)। 20 जनवरी को सीएम हेमंत सोरेन से ईडी ने पूछताछ की। इस दौरान सीएम आवास के पास भारी तादाद में सीआरपीएफ जवानों के पहुंचने की घटना पर सियासत तेज हो गई है। जेएमएम का दावा है कि सीएम हेमंत सोरेन को गिरफ्तार करने की पूरी साजिश थी।

पार्टी के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने एक चैनल को दिए इंटरव्यू में ये भी कहा कि एक विशेष विमान उस दिन एयरपोर्ट पर खड़ा था। प्लान यह था कि सीआरपीएफ को सीएम आवास में घुसाकर हेमंत सोरेन को दिल्ली ले जाया जाए और वहां गिरफ्तारी दिखा दी जाए। इधर बीजेपी ने कहा कि सरकार पुलिसिया ताकत दिखाकर केंद्रीय एजेंसियों को डराना चाहती है, जो उन्हें भारी पड़ेगा। जबकि इस मुद्दे पर कांग्रेस कुछ भी कहने से बच रही है।

सीएमओ ने राज्य सरकार के गृह विभाग और पुलिस मुख्यालय से पूछा है कि सीएमओ के पास प्रतिबंधित इलाके में 20 जनवरी को सीआरपीएफ जवानों की एंट्री कैसे हुई थी? मामले पर एफआईआर भी दर्ज हुई है।

सत्तारूढ़ पार्टी झामुमो ने आरोप लगाया है कि सीआरपीएफ ने सोची-समझी साजिश के तहत टुकड़ियां भेजीं। ताकि पूछताछ के दौरान सीएम हाउस के पास प्रदर्शन कर रहे लोग उग्र हो जाए और उन पर हमला कर दें। यह साजिश सफल हो जाती तो राज्य में संवैधानिक तंत्र की विफलता का आरोप लगाते हुए राष्ट्रपति शासन लगाने की भूमिका तैयार की जा सकती थी। जेएमएम के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि सीएम आवास के पास सीआरपीएफ की गैरकानूनी तरीके से एंट्री हुई थी। जिला प्रशासन या राज्य सरकार के अनुरोध-अनुमति के बगैर सीआरपीएफ को खुद से कानून-व्यवस्था के नाम पर हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। सोची-समझी साजिश के तहत करीब 500 जवानों को सीआरपीएफ ने सीएम हाउस के पास भेजा। वे बगैर अनुमति के सीएम हाउस में प्रवेश करने लगे और झामुमो कार्यकर्ताओं से उलझने लगे।

अनियंत्रित स्कॉर्पियो दुर्घटनाग्रस्त

एक्सीडेंट के बाद मदद को आवाज देते रहे घायल सीसीएल कर्मी सहित दो घायल, रिम्स रेफर

रांची, 23 जनवरी (एजेंसियां)। खलारी थाना क्षेत्र के डकरा-पिपरवार मुख्य मार्ग के चुरी बगलता घाटी में एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पुल के गार्डवाल से टकरा कर गड्ढे में जा गिरी। इस दुर्घटना में गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं गाड़ी में सवार तीन व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद घायल तीनों व्यक्ति मदद के लिए पुकार करते रहे लेकिन कोई नहीं रुका।

जानकारी के मुताबिक दुर्घटना के कुछ देर के बाद चुरी परियोजना पदाधिकारी अपने अधिकारियों के साथ डकरा लौट रहे थे, तभी उन्होंने दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी और घायल लोगों को दिखा और तत्काल इसकी सूचना डकरा अस्पताल को दी। जिसके बाद परियोजना के अधिकारी और कई राहगीरों की मदद से सभी घायलों को डकरा अस्पताल पहुंचाया गया जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार स्कॉर्पियो जेएच 01ईवी 0700 बचरा की ओर से आ रही थी। घाटी में तीखा मोड़ होने के कारण अनियंत्रित होकर पुल के गार्डवाल से टकरा गई। गाड़ी की रफ्तार इतनी तेज थी कि पुल के नीचे नाले के ऊपरी सतह को पर कर पलट गई।

गाड़ी में सवार तीन व्यक्तियों की पहचान केडीएच परियोजना के कांटा बाबू राजेश सिंह, कोयला कारोबारी विकास यादव और रांची के कुंदन सिंह के रुप में की गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद डकरा अस्पताल में लोगों की काफी भीड़ जुट गई। परियोजना पदाधिकारी अनिल कुमार सिंह समेत कई अधिकारी अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल-चाल जाना।

प्राण प्रतिष्ठा के दिन रायपुर जिले में जन्मे 77 बच्चे

पेरेंट्स ने किसी को राघवेंद्र तो किसी को दिया राम का नाम

रायपुर, 23 जनवरी (एजेंसियां)। रायपुर जिले के अलग-अलग अस्पतालों में 22 जनवरी को 77 बच्चों ने जन्म लिया है। इनमें से कुछ बच्चों के पेरेंट्स से दैनिक भास्कर की टीम ने खास बातचीत की। जिसमें उन्होंने बताया कि राम मंदिर स्थापना के शुभ अवसर पर उन्होंने अपने बच्चों का नाम राम के ऊपर रखा है। वे बच्चों को राघवेंद्र, राम जैसे नामों से पुकारेंगे। वे चाहते है कि उनका भी बच्चा भगवान राम के जैसे विराट व्यक्तित्व का बने।

सोमवार की सुबह रायपुर के कालीबाड़ी स्थित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य चिकित्सालय में धमतरी जिले के राखी गांव के रहने वाले मनोज साहू पिता बने। मनोज स्वयं एक हेल्थकेयर कंपनी में कर्मचारी है। उन्होंने भास्कर से अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उनकी पत्नी संतोषी साहू ने बेटे को जन्म दिया है। बच्चा पूरी तरह स्वस्थ है। आगे उन्होंने कहा कि ये ईश्वर का आशीर्वाद है कि 22 जनवरी जैसे शुभ दिन हमारे घर में बच्चें का आगमन हुआ है। अब मैंने अपनी पत्नी और परिवार के लोगों ने मिलकर तय किया है कि हम बच्चे का नाम प्रभु राम के नाम पर राघवेंद्र रखेंगे। हम चाहते हैं कि हमारा बेटा भी राम की तरह उच्च आदर्शों में चले। वैसे ही गुणवान बने।

इस जिला अस्पताल में एक अन्य दंपती कृति और कौशल साहू ने भी एक संतान को जन्म दिया है। बच्चे को अस्पताल देखने पहुंची, बड़ी मां रागिनी साहू ने बताया कि पूरा परिवार डूमरतराई में रहता है। 22 जनवरी के दिन शुभ अवसर पर बच्चे के जन्म से घर में खुशी का माहौल है। ये घर में दूसरे नंबर का बेटा है। परिवार ने तय किया है कि बच्चे को घर पर राम कहकर पुकारेंगे।

एक अन्य अस्पताल में संध्या ने भी बच्चे को जन्म दिया है। उनका हाल चाल जानने पहुंचे परिजनों का कहना है कि उन्होंने अब तक बच्चे का नाम नहीं सोचा है। लेकिन वे भी भगवान राम के नाम से मिलता-जुलता नाम रखना चाहते हैं। रायपुर के डॉक्टर भीमराव अंबेडकर हॉस्पिटल में सोमवार की शाम 6-7 बजे तक 19 महिलाओं ने बच्चों को जन्म दिया। जिनमें 11 नॉर्मल डिलीवरी तो वही 8 ऑपरेशन से हुए। इसी प्रकार रायपुर के कालीबाड़ी स्थित जिला अस्पताल में 18 बच्चों का जन्म हुआ। जिनमें से 2 नॉर्मल तो वही 16 ऑपरेशन से जन्म लिए।

रायपुर और कवर्धा में बारिश से लुढ़का पारा

प्रदेश के कई जिलों में बरसेंगे बादल, अगले तीन दिनों तक ऐसा ही मौसम रहेगा

रायपुर, 23 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में पिछले 1 सप्ताह से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। रायपुर में सुबह से रुक-रुककर बारिश हो रही है। कवर्धा में भी बारिश के बाद मौसम ठंडा हो गया है। दुर्ग-भिलाई सहित कुछ जिलों में बादल छाए हुए हैं। दुर्ग, बिलासपुर, रायगढ़ और जशपुर में भी मंगलवार को हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। ऐसा नमी युक्त हवाओं के आने के कारण हो रहा है। अगले 3 दिनों तक ऐसा ही मौसम रह सकता है। मौसस वैज्ञानिक एचपी चंद्रा के मुताबिक अगले 48 घंटों में रात के तापमान कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। इसके बाद तीन डिग्री तक तापमान में गिरावट आ सकती है। सोमवार को अंबिकापुर 5 डिग्री के साथ सबसे ठंडा और दंतेवाड़ा 39.2 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा। सरगुजा संभाग में रात का पारा लगातार गिर रहा है। अगले 48 घंटे में ठंड और बढ़ेगी।

अंबिकापुर में पारा 5.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जो नार्मल से 4 डिग्री कम था। सोमवार को बलरामपुर में रात का पारा 5.3 डिग्री, कोरिया में 6.5 डिग्री, जशपुर में 8.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

हत्या की वारदात के बाद एक्शन मोड पर पुलिस

देर रात की छापेमारी, आपत्तिजनक हालत में मिले प्रेमी जोड़े

कबीरधाम, 23 जनवरी (एजेंसियां)। कवर्धा शहर में बीते रविवार को पांच युवकों ने ग्राम लालपुर निवासी 50 वर्षीय साधराम यादव की गला रेतकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने वारदात के 24 घंटे के भीतर सभी आरोपी को गिरफ्तार किया है। इसमें एक नाबालिग है। शहर में हुए हत्या की वारदात बाद पुलिस की काफी किरकिरी हुई। क्योंकि, जिस क्षेत्र में हत्या हुई है, वहां पर पुलिस की रात्रि गश्त कमजोर थी। हत्या की वारदात होने के बाद कबीरधाम पुलिस एक्शन मोड पर है। पुलिस को शिकायत मिली थी कि कवर्धा शहर से लगे ग्राम लालपुर-सरोदा रोड के आसपास कुछ युवक-युवतियां, नशेड़ी प्रवृत्ति के लोग सुनसान इलाकों का फायदा उठाते हुए आए यहां असामाजिक कृत कर माहौल को खराब कर रहे है। कबीरधाम एसपी डॉ.अभिषेक पल्लव, एएसपी हरीश राठौर व एसपी कार्यालय के डीआरजी के जवानों के साथ सोमवार रात आठ बजे से देर रात 12 बजे तक इन आउटर क्षेत्र छापा मारा। एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव ने बताया कि नशे में धुत युवक व आपत्तिजनक स्थिति में कई प्रेमी जोड़े, छात्र-छात्राएं भी मिले है। कुछ खेत के भीतर कार में आपत्तिजनक स्थिति में पुलिस टीम को मिले। कुछ पुलिस को देखकर बाइक से फरार हो गए। कुछ महिला व पुरुष अत्यंत संदिग्ध हालत में सुनसान अंधेरे में मिले। ऐसे लोगों व उनके परिवारजनों को थाने में बुलाकर इनके करतूत के बारे में बताया। साथ ही हिदायत दिया कि दोबारा इस तरीके से अगर सुनसान इलाकों में मिले तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सावधान! साइबर ठगी का नया तरीका

बेटे को रेप केस में फंसाने की धमकी, पैसा नहीं देने पर जेल भेजने की धमकी

पलामू, 23 जनवरी (एजेंसियां)। इन दिनों साइबर क्रिमिनल आपके दूर दूसरे शहर में रह रहे बेटे को फंसाने का डर दिखाकर आपसे पैसा ठग रहे हैं। हाल ही में पलामू में दो घटनाएं हुई जिसमें साइबर फ्रॉड ने मां और पिता को फोन कर कहा कि तुम्हारा बेटा रेप केस में फंस गया है। पैसा नहीं देने पर जेल भेज दिया जाएगा। एक मामले में तो पिता फ्रॉड का शिकार होने से बच गए। जबकि दूसरे मामले में मां हड़बड़ा गई और बेटे को बचाने के नाम पर 40 हजार रुपए का नुकसान करा बैठी।

फंसते फंसते बचे पूर्व स्पीकर के बॉडीगार्ड

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष इंदर सिंह नामधारी के बॉडीगार्ड अरविंद कुमार गुप्ता का इकलौता बेटा दिल्ली में रहकर बीबीए की पढ़ाई कर रहा है। रविवार को बॉडीगार्ड अरविंद को एक फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को पुलिस अधिकारी बताते हुए कहा कि आपका बेटा रेप केस में फंस गया है। एक लाख रुपए दे दें नहीं तो जेल भेज दिया जाएगा। फोन करने वाले व्यक्ति ने दूसरे युवक को फोन दे दिया जो इनके बेटे की आवाज में रोते हुए कह रहा था कि पिताजी मुझे किसी भी तरह बचा लीजिए। इतना सुनते ही पिता परेशान हो गए। उन्होंने तत्काल दिमाग चलाया और एक अन्य फोन से उसी समय बेटे को फोन लगाया तो बेटे ने अपने आप को घर में सुरक्षित बताया।

डर से मां ने दे दिए 40 हजार रुपए

सुदना के रहने वाले अमन कुमार रांची में जॉब करते हैं। घर पर उनकी मां रहती है। 15 जनवरी को साइबर फ्रॉड ने अमन की मां को व्हाट्सएप कॉल किया। फोन करने वाले ने किसी पुलिस वाले का फोटो डीपी में लगा रखा था। फोन कर मां को कहा कि आपका बेटा रेप केस में पकड़ा गया है। उसने मां को काफी डराया और बेटे को छोड़ने के लिए 50 हजार रुपए मांगा। मां ने बेटे का फोन लगाया तो फोन नहीं लगा। इस पर मां की बेचैनी बढ़ गई। रेप केस में लोक लाज के भय से उन्होंने किसी को इसकी जानकारी नहीं दी। पड़ोसी से साइबर क्रिमिनल के नंबर पर 40 हजार रुपए फोन से ट्रांसफर करा दिया। रात में जब बेटे से बात हुई तब ठगे जाने की बात पता लगी। अमन कुमार ने कार्रवाई के लिए साईबर थाना में आवेदन दिया गया है।

पूर्व स्पीकर नामधारी ने एसपी को लिखा पत्र

साइबर क्राइम के बढ़ते मामले पर अंकुश लगाने के लिए पूर्व स्पीकर इंदर सिंह नामधारी ने एसपी को पत्र लिखा है। नामधारी ने कहा है कि आजकल कई लोग ठगी की समस्याएँ लेकर आ रहे हैं। लोगों को डराकर पैसा लिया जा रहा है। लोग बुरी तरह आर्थिक संकट में पड़ रहे हैं। सतबरवा थाना क्षेत्र के भोगू के रहने वाले राम जवित यादव से सुखाड़ व ट्रैक्टर देने के नाम पर 42,100 रूपया ठग लिया गया है। इस परिस्थिति में पलामू पुलिस को कोई ठोस कदम उठाना चाहिए ताकि गरीबों की मेहनत से अर्जित पैसों की रक्षा की जा सके।

दोमंजिला दुकान में जा घुसा हाईवा

बलौदाबाजार, 23 जनवरी (एजेंसियां)। बलौदाबाजार जिले के ग्राम वटगन में सोमवार को रेत से भरा तेज रफ्तार हाईवा दो मंजिला दुकान में जा घुसा। इससे दुकान का हिस्सा भरभराकर हाईवा के ऊपर गिर पड़ा और मलबे में ड्राइवर और हेल्पर बुरी तरह से फंस गए। ड्राइवर को 12 घंटों के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद निकाल लिया गया, लेकिन हेल्पर अब भी गाड़ी में ही फंसा है। उसे बचाने की कोशिश जारी है। मामला पलारी थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, ड्राइवर और हेल्पर खेरा दतान घाट से अवैध रेत लेकर बेमेतरा जा रहे थे। ग्राम वटगन में रेत से भरा हाईवा चौक पर स्थित 2 मंजिला हार्डवेयर की दुकान में जा घुसा। गनीमत ये रही कि दुकान उस वक्त बंद थी, नहीं तो हादसा और बड़ा हो सकता था।

ईडी ने हेमंत सोरेन को जारी किया नौंवा समन

जमीन घोटाले में पूछताछ के लिए 31 जनवरी तक होना होगा पेश

रांची, 23 जनवरी (एजेंसियां)। ईडी ने झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन को फिर से समन जारी किया है। यह समन जमीन घोटाला मामले में पूछताछ के लिए जारी किया गया है। समन के अनुसार, हेमंत सोरेन को 27 जनवरी से 31 जनवरी तक ईडी के सामने पेश होना होगा। ईडी द्वारा हेमंत सोरेन को जारी किया गया, यह नौंवा समन है। इससे पहले ईडी ने शनिवार को हेमंत सोरेन के आवास पर उनसे करीब सात घंटे तक पूछताछ की थी। आठवें समन में ईडी ने 16 जनवरी से 20 जनवरी तक पूछताछ के लिए पेश होने को कहा था। इस पर हेमंत सोरेन ने 20 जनवरी को ईडी को उनके आवास पर पूछताछ के लिए आने को कहा था। ईडी के समन के खिलाफ सीएम हेमंत सोरेन सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर चुके हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने हेमंत सोरेने की याचिका खारिज कर दी थी। झारखंड की राजधानी रांची में बजरा इलाके में 7.16 एकड़ जमीन से जुड़े कथित भूमि घोटाले में हेमंत सोरेन से पूछताछ होनी है। इस मामले में अब तक 14 लोग गिरफ्तार हो चुके हैं। गिरफ्तार हाई प्रोफाइल लोगों में 2011 बैच के आईएएस अधिकारी छवि रंजन, भानु प्रताप प्रसाद, व्यवसायी अमित अग्रवाल और बिष्णु अग्रवाल शामिल हैं।

'आप' के कई नेताओं ने थामा बीजेपी का दामन

लड़े थे विस चुनाव, अखंड लोकतांत्रिक पार्टी का भाजपा में हुआ विलय

रायपुर, 23 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले छत्तीसगढ़ में आम आदमी पार्टी को तगड़ा झटका लगा है। विधानसभा चुनाव 2023 में आप के प्रत्याशी रहे कई नेताओं ने बीजेपी में प्रवेश किया है। बीजेपी प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आज मंगलवार को भाजपा की रीति-नीति से प्रभावित होकर छत्तीसगढ़ आदमी पार्टी के कई पदाधिकारी, विधानसभा चुनाव के प्रत्याशी और कार्यकर्ताओं ने भाजपा में प्रवेश किया है। वहीं दूसरी ओर अखंड लोकतांत्रिक पार्टी भाजपा में विलय हो गया। इसके अलावा सैनिक पार्टी के महेंद्र सिंह राणा के नेतृत्व में भारी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, प्रदेश भाजपा प्रभारी ओम माथुर, शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, सांसद सुनील सोनी, सांसद चुन्नीलाल साहू, भाजपा मुख्य प्रवक्ता एवं वरिष्ठ विधायक अजय चंद्राकर, कार्यक्रम अध्यक्ष शिवरतन शर्मा की उपस्थिति में पदाधिकारियों ने बीजेपी में प्रवेश किया।

भारत-अमेरिका के संबंधों में विकास की अपार संभावनाएं

विदाई समारोह में भारतीय समुदाय से बोले तरणजीत संधू

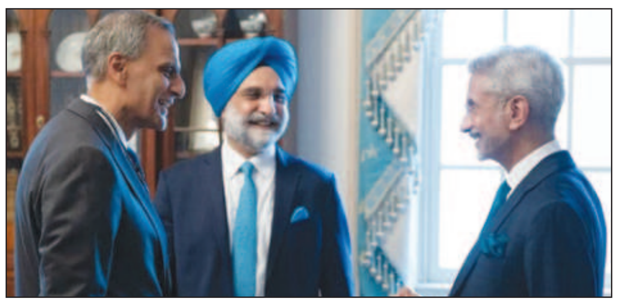

वॉशिंगटन, 23 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू जल्द ही भारतीय विदेश सेवा से रिटायर हो जाएंगे। ऐसे में अमेरिका से लौटने से पहले भारतीय दूतावास में आयोजित हुए एक कार्यक्रम में संधू ने कहा कि भारत और अमेरिका के संबंधों में अपार संभावनाएं हैं। साथ ही उन्होंने अमेरिका में रह रहे भारतीय समुदाय के दोनों देशों के संबंधों में योगदान की भी तारीफ की।

'झिझक के इतिहास के आगे बढ़े दोनों देश'

भारतीय राजदूत ने कहा 'जब साल 2016 में हमारे प्रधानमंत्री यहां आए थे तो मुझे याद है कि उन्होंने अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करते हुए कहा था कि 'हम झिझक के इतिहास को पीछे छोड़कर आगे बढ़ चुके हैं।' इस बात के गहरे अर्थ हैं। यह संबंध (भारत-अमेरिका) मजबूत, विकसित और फले-फूले हैं।'

'बीते साल भी जब प्रधानमंत्री अमेरिका आए थे तो उन्होंने कहा था कि 'दोनों देशों के रिश्तों में अपार संभावनाएं हैं। साथ ही दोनों देशों के रिश्तों में अनंत सहयोग और तालमेल भी बेहतरीन है।' जब मैं इस कमरे में नजरें घुमाकर देखता हूं तो मुझे बहुत से ऐसे लोग दिख रहे हैं, जिन्होंने दोनों देशों के रिश्तों को मबजूत बनाने में भूमिका निभाई है।'

हमास के हमले में 24 इजराइली सैनिकों की मौत

नेतन्याहू ने कहा- ये जंग का सबसे बुरा दिन जब तक युद्ध नहीं जीत लेंगे रुकेंगे नहीं

तेल अवीव, 23 जनवरी (एजेंसियां)। गाजा में सोमवार को हमास के हमले में इजराइल के 24 सैनिकों की मौत हो गई। ये सैनिक इजराइली बॉर्डर से 600 मीटर की दूरी पर हमास के ठिकाने तबाह करने में जुटे थे। आईडीएफ के प्रवक्ता डेनियल हागरी ने बताया कि वहां इजराइली सेना के कई टैंक मौजूद थे। इसी दौरान हमास ने हमला कर दिया और इमारत ढहने से उसमें मौजूद 24 सैनिक मारे गए। ये इजराइली सैनिकों पर हमास का अब तक का सबसे बड़ा हमला बताया जा रहा है।

इजराइल-हमास जंग को 100 से ज्यादा दिन हो चुके हैं। इजराइल ने हमास के खात्मे की कसम खाई है। इस बीच इजराइल ने सीजफायर के लिए एक प्रस्ताव दिया है जिसमें कहा है कि वो हमास के नेताओं को गाजा छोड़ने के लिए एक सेफ पैसेज देंगे।

अमेरिकी मीडिया हाउस सीएनएन के मुताबिक इजराइल हमास के नेताओं को गाजा से निकालकर वहां अपनी पकड़ मजबूत करना चाहता है। वहीं, एक्सिओस की रिपोर्ट के मुताबिक

इजराइल ने सभी बंधकों की रिहाई के बदले 2 महीने की सीजफायर का भी प्रस्ताव दिया है।

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि गाजा में अब तक 26 हजार आम लोग मारे जा चुके हैं। इसके बावजूद इजराइल और हमास की जंग बंद होने की फिलहाल कोई उम्मीद नहीं है।

इस बीच यूएन चीफ एंटोनियो गुटरेस ने कहा है कि गाजा में आम लोगों का लगातार मारा जाना शर्मनाक है और इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उधर, अमेरिका और यूरोप इजराइल से मांग कर रहे हैं कि वो अपने पोर्ट से गाजा में राहत सामग्री भेजने की मंजूरी दे।

अब तक 26 हजार लोगों की मौत

यूएन चीफ के मुताबिक- गाजा में जिस तरह की तबाही हो रही है, उसको सपने में भी नहीं सोचा जा सकता। कहा जा रहा है कि वहां अब तक 26 हजार लोग मारे जा चुके हैं। हम इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते। इसलिए इस जंग को फौरन रोका जाना चाहिए और दुनिया को आगे आकर गाजा में इंसानियत के नाते पूरी मदद करना चाहिए।

गुटरेस ने कहा- हम इजराइल से मांग करते हैं कि वो जल्द से जल्द गाजा में सीजफायर का ऐलान करे। इसके अलावा गाजा के उन लोगों को फौरन राहत सामग्री और इलाज मिलना चाहिए, जिन्हें इसकी जरूरत है।

यूएन चीफ ने इजराइल में 7 अक्टूबर को हमास के हमले के बारे में कुछ नहीं कहा। इस हमले में 1200 इजराइली नागरिक मारे गए थे। इसके अलावा 234 को बंधक बना लिया था। अब भी 132 होस्टेज हमास की कैद में है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू साफ कर चुके हैं कि बंधकों की रिहाई के लिए कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

चीन के शिनजियांग में 7.2 तीव्रता का भूकंप

बीजिंग, 23 जनवरी (एजेंसियां)। चीन-किर्गिस्तान बॉर्डर पर सोमवार (22 जनवरी) की रात 11.39 बजे 7.2 तीव्रता का भूकंप आया। दक्षिणी शिनजियांग में आए भूकंप का केंद्र जमीन से 22 किमी नीचे था। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक भूकंप में कई इमारतें ढह गई हैं और कई लोग घायल हैं। वहीं, चीन के ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक भूकंप से 120 घर पूरी तरह ढेर हो गए।

भूकंप के बाद 40 आफ्टरशॉक भी दर्ज किए गए हैं। भूकंप का सबसे ज्यादा असर उरूम्की, कोरला, काशगर, यिनिंग में हुईआ है। चीन के शिनजियांग रेल विभाग का कहना है कि उन्हें 27 ट्रेनों का ऑपरेशन रोकना पड़ा है।

जगह-जगह फंसे लोगों को बचाने के लिए 200 रेस्क्यू वर्कर्स की टीमें रवाना की गई हैं। चीन में आए भूकंप का असर भारत में भी देखने को मिला। 1400 किलोमीटर दूर दिल्ली-एनसीआर में काफी देर तक लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए। घबराए लोग अपने घरों से बाहर निकलकर खुले इलाके में पहुंचे।

अफगानिस्तान में आया भूकंप दिल्ली तक महसूस हुआ

इसके पहले 11 जनवरी को अफगानिस्तान के हिंदुकुश क्षेत्र में दोपहर 2:20 बजे तेज भूकंप आया था। इसकी वजह से पाकिस्तान के इस्लामाबाद, रावलपिंडी और भारत में जम्मू-कश्मीर, जयपुर से दिल्ली-एनसीआर तक झटके महसूस किए गए थे।

नेशनल सेंटर फॉर सीसमोलॉजी के मुताबिक, भूकंप की तीव्रता 6.1 मापी गई थी। इसका केंद्र हिंदुकुश में जमीन से करीब 220 किलोमीटर नीचे था।

4 नवंबर को नेपाल में आया था 6.4 तीव्रता का भूकंप

4 नवंबर 2023 को रात 11:32 बजे नेपाल में 6.4 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें 157 लोगों की मौत हुई थी। तब दिल्ली-एनसीआर के अलावा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और बिहार की राजधानी पटना में भी झटके महसूस किए गए थे। हालांकि भारत में किसी तरह के जान-माल का नुकसान नहीं हुआ था।

कनाडा सरकार ने की स्टुडेंट वीजा में 35 प्रतिशत की कटौती

भारतीय छात्रों पर पड़ सकता है असर

ओटावा, 23 जनवरी (एजेंसियां)। कनाडा सरकार ने नए छात्र वीजा की घोषणा की है। इससे भारतीय छात्रों पर भी असर पड़ेगा। इसके तहत स्टुडेंट वीजा में 35 प्रतिशत की कटौती की गई है। सूचना के मुताबिक अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के प्रभाव को रोकने और संस्थागत कमियों को दूर करने के प्रयास में, आप्रवासन मंत्री मार्क मिलर ने अगले दो वर्षों में दिए जाने वाले छात्र वीजा की संख्या पर एक लिमिट लगाई है। कनाडा की मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 2024 के लिए, संघीय सरकार का लक्ष्य तीन लाख 60 हजार स्नातक अध्ययन परमिट को मंजूरी देना है, जिससे 2023 से संख्या 35 प्रतिशत कम हो जाएगी। संघीय सरकार के इस फैसले से भारतीय छात्रों पर बड़ा असर पड़ेगा। विशेष रूप से, भारतीय कनाडा में अंतरराष्ट्रीय छात्रों का सबसे बड़ा समूह हैं, जिन्हें 2022 में 41 प्रतिशत से अधिक परमिट प्राप्त हुए हैं। न्यूज की रिपोर्ट

के अनुसार, वर्तमान अनुमान बताता है कि 2023 में तीन लाख से अधिक भारतीय छात्र कनाडा गए। कनाडा में, अब प्रांतों और क्षेत्रों को जनसंख्या के आधार पर कुल परमिट का एक हिस्सा आवंटित किया जाएगा, जिससे उन प्रांतों में बहुत अधिक महत्वपूर्ण कमी आएगी, जहां अंतरराष्ट्रीय छात्र आबादी में सबसे अधिक अस्थिर वृद्धि देखी गई है। प्रत्येक क्षेत्र तय करेगा कि विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में परमिट कैसे वितरित किए जाएंगे। यह सीमा दो साल के लिए लागू रहेगी, जिसमें 2025 में जारी किए जाने वाले वीजा की संख्या का पुनर्मूल्यांकन किया जाएगा। मिलर ने कुछ निजी संस्थानों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय छात्रों का लाभ उठाने, कम संसाधन वाले परिसरों का संचालन करने, छात्र समर्थन की कमी, उच्च ट्यूशन फीस वसूलने और अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि के बारे में चिंताओं पर जोर दिया। मिलर ने कहा, 'यह अस्वीकार्य है कि कुछ निजी संस्थानों ने कम संसाधनों वाले परिसरों का संचालन करके, छात्रों के लिए समर्थन की कमी और उच्च ट्यूशन फीस वसूल कर अंतरराष्ट्रीय छात्रों का लाभ उठाया है, जबकि अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।' सीबीसी के अनुसार, सीमा के अलावा, संघीय सरकार को अंतरराष्ट्रीय छात्रों को परमिट के लिए आवेदन करते समय एक प्रांत या क्षेत्र से एक सत्यापन पत्र प्रदान करने की आवश्यकता होगी।

यूएन चीफ बोले- फौरन जंग बंद करे इजराइल

तेल अवीव, 23 जनवरी (एजेंसियां)। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि गाजा में अब तक 26 हजार आम लोग मारे जा चुके हैं। इसके बावजूद इजराइल और हमास की जंग बंद होने की फिलहाल कोई उम्मीद नहीं है। इस बीच यूएन चीफ एंटोनियो गुतरेस ने कहा है कि गाजा में आम लोगों का लगातार मारा जाना शर्मनाक है और इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इस बीच, अमेरिका और यूरोप इजराइल से मांग कर रहे हैं कि वो अपने पोर्ट से गाजा में राहत सामग्री भेजने की मंजूरी दे।

यूएन चीफ के मुताबिक- गाजा में जिस तरह की तबाही हो रही है, उसको सपने में भी नहीं सोचा जा सकता। कहा जा रहा है कि वहां अब तक 26 हजार लोग मारे जा चुके हैं। हम इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते। इसलिए इस जंग को फौरन रोका जाना चाहिए और दुनिया को आगे आकर गाजा में इंसानियत के नाते पूरी मदद करना चाहिए। गुतरेस ने कहा- हम इजराइल से मांग करते हैं कि वो जल्द से जल्द गाजा में सीजफायर का ऐलान करे। इसके अलावा गाजा के उन लोगों को फौरन राहत सामग्री और इलाज मिलना चाहिए, जिन्हें इसकी जरूरत है। यूएन चीफ ने इजराइल में 7 अक्टूबर को हमास के हमले के बारे में कुछ नहीं कहा। इस हमले में 1200 इजराइली नागरिक मारे गए थे। इसके अलावा 234 को बंधक बना लिया था। अब भी 132 होस्टेज हमास की कैद में है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू साफ कर चुके हैं कि बंधकों की रिहाई के लिए कोई समझौता नहीं किया जाएगा। अमेरिका और यूरोप के अफसरों की एक टीम इजराइल के दौरे पर है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक- इन अफसरों ने इजराइल सरकार से कहा है कि वो अपने पोर्ट का इस्तेमाल गाजा में राहत सामग्री भेजने के लिए करने की मंजूरी दे। हालांकि, इस बारे में कोई ऑफिशियल स्टेटेंट जारी नहीं किया गया है।

ताकतवर देश नहीं चाहते पावर छोड़ना

यूएनएससी में भारत का स्थायी सदस्य न होना बकवास, एलॉन मस्क ने भारत को खुलकर किया सपोर्ट

वॉशिंगटन, 23 जनवरी (एजेंसियां)। टेस्ला के सीईओ एलॉन मस्क ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में वैश्विक देशों के सदस्यों के बारे में अपनी बात रखी है और उन्होंने यूएनएससी में भारत की स्थायी सदस्यता का जोरदार समर्थन किया है। दरअसल, बीते दिनों यूएस के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने यूएनएससी में अफ्रीकी देशों का प्रतिनिधित्व पर अफसोस जताया था। इसी पर टेस्ला के सीईओ एलॉन मस्क प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सबसे अधिक आबादी वाला देश होने के बावजूद भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में स्थायी सदस्य न होना बिल्कुल बकवास है। साथ ही उन्होंने यूएनएससी में अफ्रीका की भी पैरवी की। एलॉन मस्क ने कहा कि अब संयुक्त राष्ट्र से जुड़ी संस्थाओं के पुनर्गठन की जरूरत है। समस्या ये है कि वैसे देश जिनके पास अधिक शक्ति है वे इसे अपने हाथ से जाने नहीं देना चाहते हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश होने के बावजूद यूएनएससी में भारत का स्थायी सदस्य न होना बकवास है। इससे पहले भारत के विदेश मंत्री एस। जयशंकर प्रसाद ने स्थायी यूएनएससी सीट के बारे में बात करते हुए कहा कि दुनिया आसानी से चीजें नहीं देती, कभी-कभी लेना भी पड़ता है। जानकारी के मुताबिक, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने यूएनएससी के स्थायी सदस्य देशों में कोई भी अफ्रीकी देश का प्रतिनिधित्व न होने पर अफसोस जताते हुए ट्वीट किया था। उन्होंने कहा कि हम यह कैसे मान सकते हैं कि अफ्रीका में अभी भी सुरक्षा परिषद में एक भी स्थायी सदस्य नहीं है? उन्होंने आगे कहा कि संस्थानों को आज की दुनिया के हिसाब से काम करने चाहिए न कि 80 पहले बनाए नियमों के हिसाब से काम करना चाहिए। सितंबर का भविष्य शिखर सम्मेलन वैश्विक शासन सुधारों पर विचार करने और विश्वास के पुननिर्माण का मौका होगा। गुटेरेस की इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिकी मूल के इजरायली उद्योगपति माइकर इसेनबर्ग ने पूछा कि आपका भारत के बारे में क्या ख्याल है। बेहतर ये होगा कि यूएन को खत्म कर देना चाहिए और रियल लीडरशिप के साथ कुछ नया बनाया जाना चाहिए। आपको बता दें कि सुरक्षा परिषद संयुक्त राष्ट्र का निकाय है जो अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए काम करता है। इसमें 15 सदस्य होते हैं, जिसमें पांच स्थायी और 10 गैर-स्थायी सदस्य होते हैं। स्थायी सदस्यों में यू।एस, यूके, चीन, फ्रांस और रूस शामिल हैं, जिनके पास वीटो पावर होता है। साथ ही 10 गैर-स्थायी सदस्यों को महासभा के सदस्यों को दो साल के कार्यकाल के लिए चुना जाता है। बता दें कि यूएनएससी में स्थायी सदस्यता के लिए भारत ने कई मंचों पर अपनी दावेदारी पेश की है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के नाम पर भेजी फर्जी रिकॉर्डिंग कॉल

वॉशिंगटन, 23 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के राज्य न्यू हैंपशायर में आज प्राइमरी इलेक्शन के लिए मतदान होना है। मतदान से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की आवाज में न्यू हैंपशायर के लोगों के पास एक फर्जी रिकॉर्डिंग कॉल पहुंची है। इस फर्जी कॉल में मतदाताओं से अपील की गई है कि वह आज होने वाले प्राइमरी इलेक्शन में मतदान न करें। फर्जी कॉल में कहा गया है कि वह आज मतदान न करके अपना वोट नवंबर में होने वाले आम चुनाव के लिए बचाकर रखें। इस फर्जी कॉल में कहा गया है कि 'रिपब्लिकन नेता डेमोक्रेट मतदाताओं को अपने प्राइमरी इलेक्शन में शामिल करने की कोशिश कर रहे हैं। यह बेहद निम्न स्तर की राजनीति है।' इस फर्जी कॉल में जो बाइडन की एआई जेनरेट आवाज है। बता दें कि रोबोकॉल एक ही समय पर कई लोगों को भेजे जाने वाले रिकॉर्डेड संदेश होते हैं, जिन्हे अक्सर चुनाव के दौरान प्रचार के लिए इस्तेमाल किया जाता है। न्यू हैंपशायर में 23 जनवरी को हो रहे चुनाव में जो बाइडन का नाम बैलेट पेपर में शामिल नहीं होगा। इसकी वजह न्यू हैंपशायर राज्य और डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी के बीच जारी विवाद है। ऐसे में माना जा रहा है कि जो बाइडन को फंसाने के मकसद से यह फर्जी रिकॉर्डिंग कॉल मतदाताओं के पास भेजी गई।

मालदीव पहुंच रहा चीन का जहाज

माले, 23 जनवरी (एजेंसियां)। ओपन सोर्स इंटेलिजेंस एनालिस्ट डेट्रेस्फा ने सैटेलाइट तस्वीरों के आधार पर यह जानकारी दी। चीन का जहाज शियांग यांग होंग 03 समुद्र शोध जहाज है, जिसे लेकर संभावना है कि वह हिंद महासागर में सर्वे कर सकता है। कहा ये भी कहा जा रहा है कि चीन भविष्य में हिंद महासागर में सैन्य अभियान चलाने की तैयारी कर रहा है। ऐसे में चीन का ये कदम भारत की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा साबित हो सकता है।

भारत से विवाद के बीच जिनपिंग से मिले मुइज्जू

इस बीच कई रिपोर्ट्स में ये दावा किया जा रहा है कि चीन अपने जासूसी जहाज के जरिए हिंद महासागर में सर्वे करने की कवायद में जुटा है। इस वजह से रिसर्च शिप की आड़ में वह हिंद महासागर में जासूसी की फिराक में है। कहा जा रहा है कि ये जहाज ताकतवर रडार से लैस है। इस बीच मालदीव सरकार ने मालदीव के समुद्री क्षेत्र में हाइड्रोग्राफिक सर्वे करने के लिए भारत के साथ 2019 में किया समझौता रिन्यू नहीं करने का फैसला किया है।

भारत और मालदीव के बीच कैसे शुरू हुआ तनाव?

हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी के लक्षद्वीप दौरे के बाद मालदीव की सरकार के तीन मंत्रियों ने पीएम मोदी के इस दौरे की कुछ तस्वीरों पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसके बाद से ही दोनों देशों के बीच राजनयिक विवाद गहराया। मामले पर विवाद बढ़ने के बाद इन तीनों मंत्रियों को सस्पेंड कर दिया गया था। दोनों देशों के इस तनाव के बीच मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू चीन के पांच दिन के राजकीय दौरे पर चले गए थे। इस दौरे से लौटने पर मुइज्जू लगातार भारत पर निशाना साध रहे हैं।

मुइज्जू ने मालदीव लौटते ही दो टूक कह दिया था कि हमें बुली करने का लाइसेंस किसी के पास नहीं है। उन्होंने कहा था कि हम भले ही छोटा देश हो सकते हैं लेकिन इससे किसी को भी हमें बुली करने का लाइसेंस नहीं मिलता। हालांकि, मुइज्जू ने प्रत्यक्ष तौर पर किसी का नाम लेकर ये बयान नहीं दिया है।

न्यूजीलैंड के मंत्री ने राम मंदिर निर्माण पर भारतीयों को दी बधाई

न्यूजीलैंड, 23 जनवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के व्यापार मंत्री टॉड मैक्कले ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के लिए न्यूजीलैंड में रह रहे भारतीय समुदाय और दुनियाभर में रह रहे भारतीय समुदाय को बधाई दी। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को भी न्यूजीलैंड के साथ दोस्ती के लिए धन्यवाद दिया। मैक्कले ने कहा कि 'पीएम मोदी ही वह पहले नेता थे, जिन्होंने हमारे प्रधानमंत्री की नियुक्ति पर सबसे पहले फोन कर बधाई दी थी। हम भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं और इस (राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा) उपलब्धि के लिए सभी को बधाई।'

तीन अलग-अलग घरों में गोलीबारी, आठ की मौत

शिकागो, 23 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के शिकागो में तीन अलग-अलग घरों में गोलीबारी के दौरान आठ लोगों की मौत हो गई। यह गोलीबारी इलिनॉय के जोलिएट में वेस्ट एकर्स रोड के 2200 ब्लॉक में हुई। इस घटना के बाद से ही आरोपी फरार है। उसकी पहचान रोमियो नांसे के तौर पर की गई है।

जोलिएट के पुलिस प्रमुख बिल इवांस ने कहा, 'दो अलग-अलग घरों में गोलीबारी के दौरान सात लोगों की मौत हो गई है। पुलिस उसे ढूंढने की कोशिश कर रही है।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं 29 साल से पुलिस की नौकरी कर रहा हूं और यह अबतक का सबसे दर्दनीय अपराधों में से एक है।' पुलिस विभाग ने बताया कि आरोपी लाल टोयोटा कैमरी चला रहा था और उन्होंने आरोपी की पहचान खतरनाक व्यक्ति के तौर पर की है। पुलिस ने स्थानीय लोगों से आरोपी की पहचान करने के लिए मदद मांगी है।

अधिकारियों के दावा किया कि आरोपी पीड़ितों को जानता था। मरने वालों में एक व्यक्ति का शव रविवार को विल काउंटी में मिला। वहीं सात अन्य लोगों की मौत सोमवार को हुई। अमेरिका में आए दिन गोलीबारी की घटना सामने आती रहती है। आंकड़ों के अनुसार, इस साल के पहले तीन हफ्ते में गोलीबारी में 875 लोगों की मौत हो चुकी है।

इमरान की पार्टी का झंडा लगाने पर बेटे की हत्या

आरोपी पिता को यह नागवार गुजरा, पाकिस्तान में 8 फरवरी को आम चुनाव

पेशावर, 23 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में सियासी टकराव की वजह से एक पिता ने अपने 31 साल के बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी। बात सिर्फ इतनी सी थी कि बेटा अपने घर की छत पर इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) का झंडा लगाना चाहता था। उसके अब्बू को यह मंजूर नहीं था। ऐसा इसलिए क्योंकि वे अवामी नेशनल पार्टी (एएनपी)के समर्थक हैं। बता दें कि पाकिस्तान में 8 फरवरी को जनरल इलेक्शन हैं। इमरान खुद जेल में हैं लेकिन उनकी पार्टी पीटीआई के उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। पीटीआई का दावा भी मजबूत माना जा रहा है।

घटना रविवार की बताई जा रही है। पुलिस ने पिता और बेटे के नाम नहीं बताए, लेकिन घटना की

पुष्टि की। पुलिस अफसर नासिर फरीद के मुताबिक- घटना में मारा गया बेटा कुछ दिन पहले ही कतर से लौटा था। वह वहां नौकरी करता था। वह इलेक्शन में इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ की कैम्पेनिंग में जुटा था। उसने घर की छत पर पीटीआई का झंडा लगाया तो पिता भड़क गए। दोनों में बहस हो गई। पिता ने पिस्तौल निकाल ली। बेटे को फिर समझाया, नहीं माना तो गोली मार दी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक- आरोपी अभी फरार है। आरोपी दूसरे दल एएनपी का समर्थक है। यह पार्टी अफगानिस्तान की सीमा से लगने वाले इलाके में अच्छा होल्ड रखती है। 1986 में बनी इस पार्टी के प्रेसिडेंट असफंदयार वली खान हैं। आमतौर पर इस दल के समर्थक बॉर्डर एरिया में रहने वाले पश्तून या पठान हैं। इसके फाउंडर अब्दुल वली खान थे। इसका चुनाव चिह्न लालटेन है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने पिछले हफ्ते कहा था कि देश में 8 फरवरी को होने वाले इलेक्शन टलने का विरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा- हमें मालूम है कि सीनेट के कुछ मेंबर्स इसकी मांग कर रहे हैं, लेकिन यह फैसला खतरनाक हो सकता है। हालांकि, कुछ दिन पहले इलेक्शन कमीशन ने सुप्रीम कोर्ट बता चुका है कि वह चुनाव कराने के लिए पूरी तरह तैयार है और अब तक ऐसी कोई दिक्कत सामने नहीं आई है, जिसकी वजह से चुनाव टाले जाएं।

शिकागो में फायरिंग में 7 की मौत

एक ही परिवार के थे सभी मृतक, 23 साल के आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

वॉशिंगटन, 23 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के शिकागो में दो अलग-अलग घरों में फायरिंग में सात लोगों के मारे जाने की खबर है। वहां की पुलिस ने मंगलवार को बताया कि फायरिंग की दोनों घटनाएं शिकागो स्थित इलिनोइस के जोलियट में वेस्ट एकर्स रोड स्थित दो घरों में हुईं।

अमेरिकी पुलिस का कहना है कि हमलावर की तलाश कर रहे हैं। ये मरने वालों के परिवार को पहले से जानता था। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने लोगों को किस वजह से मारा ये अभी साफ नहीं है। हालांकि, पुलिस को शक है कि सभी मृतक एक ही परिवार के सदस्य थे। फायरिंग करने वाले की पहचान 23 साल के रोमियो नेंस के तौर पर हुई है।

16 कत्ल करने वाले आरोपी को 808 साल की सजा

14 साल पकड़ नहीं पाई थी पुलिस, हत्या कर शव जला दिए थे

ग्वाटेमाला सिटा, 23 जनवरी (एजेंसियां)। साल 2008 की बात है। एक बस निकारागुआ से ग्वाटेमाला आती है। इसमें सवार होते हैं-14 यात्री, एक ड्राइवर और एक कंडक्टर। ग्वाटेमाला की सीमा पार करते ही बस हाईजैक हो जाती है। ड्रग्स की तस्करी करने वाले अज्ञात लोग बस में चढ़ते हैं। इन्हीं का साथ चढ़ता है इनका सरगना रिगोबर्टो डेनिलो मोरालेस।

रिगोबर्टो एक के बाद एक बस में सवार सभी 16 लोगों को गोली मार देता है। फिर बस को दूसरी जगह ले जाकर सभी शवों को जला देता है। इस घटना के 16 साल बाद, यानी 23 जनवरी 2024 को ग्वाटेमाला की एक कोर्ट ने रिगोबर्टो डेनिलो मोरालेस को 808 साल की सजा सुनाई है।

कोर्ट ने कहा- हर एक हत्या के लिए रिगोबर्टो को 50 साल की

सजा सुनाई है। इसका मतलब यह हुआ की 16 हत्याओं के लिए वो 800 साल जेल में रहेगा। बची 8 साल की सजा क्रिमिनल एक्टिविटीज के लिए दी गई है।

2008 में रिगोबर्टो डेनिलो मोरालेस और उसके साथ बस में ड्रग्स की चोरी करने के मकसद से चढ़े थे। एएफपी न्यूज के मुताबिक मोरालेस को खबर मिली थी की निकारागुआ से ग्वाटेमाला आ रही बस में ड्रग्स है। इसे चुराने के लिए वो अपने साथियों के साथ बस में चढ़ गया था, लेकिन जब बस में ड्रग्स नहीं मिली तो उसने इसमें सवार सभी यात्रियों को गोली मार दी। 16 लोगों की हत्या करने के बाद वो इनके शवों को अपने दोस्त और बिजनेस पार्टनर मार्विन मोंटिएल मारिन के ठिकाने पर ले गया। यहां उसने बस के साथ सभी शवों को जला दिया। कोर्ट ने इस घटना से जुड़े सभी आरोपियों को कड़ी सजा सुनाई है। हालांकि, रिगोबर्टो के अलावा किसी की भी सजा से जुड़ी जानकारी सामने नहीं आई है।

2008 में 16 लोगों की हत्या करने और उनके शवों को जलाने के बाद मोरालेस फरार हो गया।

आईएएस अधिकारी प्रेमसुख बिश्नोई सस्पेंड

रिश्वत मामले में राज्यपाल कलराज मिश्र ने दिए निर्देश

जयपुर, 23 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर में चार दिन पहले यानी 19 जनवरी को एंटी करप्शन ब्यूरो की ओर से ट्रैप किए गए मत्स्य विभाग के निदेशक आईएएस अधिकारी प्रेमसुख बिश्नोई को राज्यपाल कलराज मिश्र ने सस्पेंड कर दिया है। आईएएस अधिकारी को सहायक निदेशक राकेश देव के साथ 35000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। इस मामले में राज्यपाल ने आईएएस अधिकारी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की और उन्हें निलंबित कर दिया है।

संयुक्त शासन सचिव ने जारी किए आदेश

आईएएस अधिकारी के रिश्वत लेने के मामले को लेकर राज्यपाल के निर्देश पर संयुक्त शासन सचिव डॉ. प्रिया बलराम शर्मा ने निलंबित करने का आदेश जारी किया है। इस आदेश में लिखा हैं कि 'आईएएस प्रेम सुख बिश्नोई को एसीबी द्वारा रजिस्टर्ड अपराध संख्या 13/2024 अंतर्गत धारा 7, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, एवं धारा 120बी आईपीसी में प्रथम दृष्टता लिप्त पाए जाने पर ब्यूरो द्वारा 19 जनवरी को गिरफ्तार किया जाकर 48 घंटे से अधिक पुलिस/न्यायिक हिरासत में रखा गया। अतः राज्य सरकार, अखिल भारतीय सेवाएं (अनुशासन एवं अपील) नियम 1969 के नियम 3(2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आईएएस प्रेम सुख बिश्नोई को उनकी गिरफ्तारी से निलंबित माने जाने के एतद्वारा आदेश प्रदान करती

। निलंबन काल के दौरान बिश्नोई जयपुर में कार्मिक विभाग के मुख्यालय प्रमुख शासन सचिव कार्यालय में रहेगा।' बता दें कि 19 जनवरी को एंटी करप्शन ब्यूरो ने मत्स्य विभाग के निदेशक प्रेम सुख बिश्नोई को जयपुर में सहायक निदेशक राकेश देव के साथ 35000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। आईएएस ऑफिसर प्रेमसुख बिश्नोई की एसीबी ने गिरफ्तारी के बाद 48 घंटे की रिमांड पर रखा। इसकी अवधि सोमवार को समाप्त हो गई।

इसके बाद एसीबी ने आरोपी को एसीबी कोर्ट में पेश किया। जहां से अदालत ने मत्स्य विभाग के डायरेक्टर और एडिशनल डायरेक्टर को रिश्वतखोरी के आरोप में जेल भेज दिया। इस केस की जांच कोर्ट ने एसीबी के डिप्टी अभिषेक पारिक को सौंप दी है। आईएएस ऑफिसर पर मछली ठेकेदार से लाइसेंस के एवज में 35 हजार रुपये की रिश्वत लेने का आरोप है।

17 हजार फीट की ऊंचाई पर एक इंजन फेल होने से जयपुर में कराई इमरजेंसी लैंडिंग

जयपुर, 23 जनवरी (एजेंसियां)। एयरपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार जयपुर से कोलकाता जाने वाली फ्लाइट में बड़ा हादसा होने से टल गया। मामला इंडिगो की फ्लाइट 6ई-784 का है।

फ्लाइट जयपुर से शाम 6:15 बजे कोलकाता जाती है लेकिन संचालन कारणों के चलते फ्लाइट लेट हुई और देर शाम 8:25 बजे जयपुर से रवाना हुई थी। हवा में करीब 17000 फीट की ऊंचाई पर पायलट को विमान का एक इंजन फेल होने का पता लगा। पायलट ने इसकी जानकारी एटीसी को दी और फ्लाइट को तुरंत जयपुर लौटाने का निर्णय लिया और जयपुर में फ्लाइट की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। इमरजेंसी लैंडिंग के बाद कोलकाता जा रहे 160 यात्रियों को विमान से उतारकर टर्मिनल के अंदर भेज दिया गया।

कड़ाके की ठंड से फतेहपुर में तापमान जमाव बिंदु पर, कोहरे के कारण कई ट्रेनें रद्द

जयपुर, 23 जनवरी (एजेंसियां)। कड़ाके की ठंड ने राजस्थान के ज्यादातर इलाकों में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर रखा है। मौसम विभाग ने आज भी 8 जिलों में कोल्ड अलर्ट जारी किया है।

न्यूनतम तापमान की बात करें तो सीकर के फतेहपुर में पारा फिर से जमाव बिंदु के पास पहुंच गया है। पिछले 24 घंटों में यहां न्यूनतम तापमान 1.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। करौली में 3.3 डिग्री, सीकर में 4.5 डिग्री, पिलानी में 3.6 डिग्री, अलवर में 2.8 डिग्री, चित्तौड़गढ़ में 5.5 डिग्री, भीलवाड़ा में 4.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। अगले 4 से 5 दिनों तक न्यूतनम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन की संभावना नहीं है।

मौसम विभाग के मुताबिक अलवर में शीतलहर के साथ घना कोहरा रहेगा। भरतपुर में शीत दिन और कोहरा, दौसा में घना कोहरा, धौलपुर में शीत दिन और घना कोहरा, झुंझुनू में शीतलहर और घना कोहरा, करौली, सवाई माधोपुर में घना कोहरा, सीकर में शीतलहर और घना कोहरा, बीकानेर में घना कोहरा, चूरू में शीतलहर और घना कोहरा, हनुमानगढ़ में शीत दिन और घना कोहरा, गंगानगर में अति शीत दिन और घना कोहरा रहेगा।

कोहरे के चलते कई उड़ानें डायवर्ट

कोहरे की मार ने प्रदेश की परिवहन व्यवस्था को भी बुरी तरह से प्रभावित किया है। बस, ट्रेन और हवाई उड़ानों के संचालन पर इसका सीधा असर देखने को मिला है। सोमवार रात दिल्ली एयरपोर्ट पर कम दृश्यता के चलते फ्लाइट संचालन गड़बड़ा गया, जिसकी वजह से कई फ्लाइट्स को डायवर्ट किया गया। एयरपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार अलायंस एयर की इंदौर से दिल्ली जा रही फ्लाइट 9 आई-628 को जयपुर डायवर्ट कर दिया गया।

लौट के फिर से जयपुर आए

स्पाइसजेट की फ्लाइट एसजी-2342 जो कि जयपुर से रात 9:25 बजे दिल्ली जाती है, सोमवार रात जयपुर से दिल्ली रवाना हुई थी लेकिन दिल्ली में कम दृश्यता के चलते लैंड नहीं हो सकी। करीब 1 घंटे होल्ड पर रहने के बाद फ्लाइट वापिस रात 11:30 बजे फ्लाइट जयपुर लौटकर आ गई। अब यात्री एयरपोर्ट पर परेशान हो रहे हैं।

राजस्थान विधानसभा स्पीकर वासुदेव देवनानी गुस्से से तिलमिलाए, विपक्ष ने एतराज जताया

जयपुर, 23 जनवरी (एजेंसियां)। विधानसभा की कार्रवाई के दौरान मंगलवार को पेपर लीक मामले पर जमकर हंगामा हुआ। आरएलपी हनुमान बेनीवाल का पहला सवाल पेपर लीक मामले से जुड़ा था। सवाल जवाब के दौरान करीब 20 मिनट तक लगातार हंगामा होता रहा। लगातार हंगामा होते रहने से विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी भी तिलमिला उठे। उन्होंने कई सदस्यों को डांट लगाते हुए कहा कि वे ऐसा बिहेव बिल्कुल बर्दाशत नहीं करेंगे। बेनीवाल ने पेपर लीक की घटनाओं की जांच सीबीआई से कराए जाने के बारे में पूछा। इस पर मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि अभी एसआईटी की ओर से जांच की जा रही है। अगर जरूरत पड़ी तो सीबीआई से जांच कराए जाने के बारे में विचार किया जाएगा।

विपक्ष में थे तो सीबीआई जांच की मांग, अब एसआईटी से क्यों

हनुमान बेनीवाल ने पूछा कि जब भाजपा विपक्ष में थी तब पेपर लीक प्रकरणों की जांच सीबीआई से कराए जाने की मांग की थी। खूब आंदोलन किए थे और चुनाव में उन आंदोलनों का लाभ भी मिला। चुनाव प्रचार के दौरान भी भाजपा ने पेपर लीक मामलों की जांच सीबीआई से कराए जाने की बातें कही थी तो अब सत्ता में आने के बाद एसआईटी से जांच क्यों कराई जा रही है। बेनीवाल ने कहा कि एसआईटी की तो बात ही नहीं थी। मांग सीबीआई जांच की थी तो अब पेपर लीक के सभी मामलों की जांच सीबीआई से कराई जाए ताकि मुख्य गुनहगार सामने आ सके। पूरक प्रश्न के रूप में नेता प्रतिपक्ष के स्थान पर गोविंद सिंह डोटासरा ने पेपर लीक से जुड़ा सवाल सरकार से पूछा। उन्होंने पूछा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल और उससे पहले की भाजपा सरकार के कार्यकाल में कितने कितने पेपर लीक हुए। उनका अलग अलग ब्योरा पेश करें। साथ ही पेपर लीक के कुल 33 मुकदमों में 32 मे चालान पेश हो गया लेकिन जिस 1 प्रकरण में चालान पेश नहीं हुआ, उसकी वजह भी बताएं। हंगामे के बीच इस प्रश्न का उत्तर नहीं दिया जा सका और फिर विधानसभा अध्यक्ष ने अगले सवाल के लिए रोहित बोहरा का नाम पुकार लिया। हनुमान बेनीवाल के सवाल का जवाब देते हुए मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने बताया कि 1 जनवरी 2014 से अब तक पेपर लीक के कुल 33 प्रकरण दर्ज हुए। इन 33 में से 32 प्रकरणों में चालान पेश किया जा चुका है ।

10.7 ग्राम हेरोइन सहित दो तस्कर गिरफ्तार

हनुमानगढ़, 23 जनवरी (एजेंसियां)। जिले की पल्लु और सदर पुलिस ने दो अलग-अलग कार्रवाई करते हुए दो युवकों को अवैध हेरोइन (चिट्टा) सहित गिरफ्तार किया है। पल्लू पुलिस ने युवक से 3 ग्राम अवैध हेरोइन और सदर पुलिस ने 7.7 ग्राम हेरोइन बरामद की है। दोनों मामलों में पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज किया है। पल्लु और सदर थानाप्रभारी ने बताया कि अतिरिक्त महानिदेशक अपराध शाखा द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन फलश आउट के तहत पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई को अंजाम दिया है। बीकानेर रेंज आईजी ओमप्रकाश और पुलिस कप्तान डॉक्टर राजीव पचार के निर्देशन में थाना स्तर पर गठित टीमों ने कार्रवाई को अंजाम दिया है। सदर पुलिस ने थानाप्रभारी के नेतृत्व में गश्त के दौरान एक युवक से 7.7 ग्राम अवैध हेरोइन बरामद की है। एसआई तेजवंत सिंह अपनी टीम सहित थानाक्षेत्र में गश्त कर रहे थे।

गोल्डी बराड़ ने बताया गोगामेड़ी की हत्या का राज

गैंगस्टर बोला-2 बार रोका, नहीं माना तो मार दिया, आनंदपाल गैंग को लेकर भी खुलासा

जयपुर, 23 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर में 5 दिसंबर को श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की घर में घुसकर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड ने पूरे राजस्थान को दहला दिया था। हत्या की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली थी। गोगामेड़ी की हत्या के पीछे राजनीति, आनंदपाल गैंग से दुश्मनी, प्रॉपर्टी विवाद जैसे कई कारण गिनाए गए, लेकिन असली वजह साफ नहीं हो पाई थी। पुलिस ने हत्या के बाद दोनों शूटर को भी पकड़ लिया, लेकिन बाद में जांच एनआईए को सौंप दी गई। हाल ही में विदेश में बैठे लॉरेंस गैंग के राइट हैंड गोल्डी बराड़ ने निजी चैनल को दिए इंटरव्यू में गोगामेड़ी की हत्या की वजह का खुलासा किया।

गोल्डी बराड़ का कहना है कि गोगामेड़ी नेता नहीं था। वो लोगों को जाति और धर्म के नाम पर लड़ाता था। पहले उनकी गोगामेड़ी से कोई दुश्मनी नहीं थी। एक प्रॉपर्टी के डिस्ट्रीब्यूशन को लेकर उनका गोगामेड़ी से विवाद हो गया। उन्होंने गोगामेड़ी को दो बार चेतावनी देकर समझाया भी था। फिर भी बात नहीं बनी तो गोगामेड़ी की हत्या की साजिश रची।

क्या हत्या में आनंदपाल गैंग का हाथ?

गोगामेड़ी ने आनंदपाल के एनकाउंटर के बाद धरने और विरोध प्रदर्शन में भाग लिया था। बाद में ये खबरें आईं कि किसी बात को लेकर गोगामेड़ी का आनंदपाल परिवार से विवाद हो गया। ऐसे में गोगामेड़ी की हत्या को आनदंपाल गैग से भी जोड़ा गया। लेकिन बराड़ ने इंटरव्यू में बताया कि गोगामेड़ी की हत्या उन्होंने ही कराई थी। इसमें आनंदपाल गैंग या उसके नजदीकियों का हाथ नहीं था।

बराड़ का कहना है कि गोगामेड़ी हाथों में तलवारें लहरा कर खुद को बड़ा समझते थे, लेकिन अब जमाना ऑटोमेटिक हथियारों का है।

हत्या के लिए शूटर और हथियार का इंतजाम कैसे किया

गोल्डी बराड़ के अनुसार उन लोगों ने श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या करवाने के लिए किसी को भी पैसे देकर हायर नहीं किया था। हत्या करने वाले उनके भाई थे, वो उनकी मदद करते थे और जरूरूत पड़ने पर लॉरेंस गैंग उनकी मदद करता था। बराड़ बोला- गोगामेड़ी की सुरक्षा में 15 गार्ड लगे थे, फिर भी शूटर वहां से फरार हो गए। हथियारों के बारे में पूछने पर कहा- ऑटोमेटिक हथियार तो कहीं से भी मिल जाते हैं। उनके पास हर टाइप के हथियार हैं।

हत्या कराने वाला गैंगस्टर वीरेंद्र चारण विदेश में

पुलिस की प्रारंभिक जांच में गोगामेड़ी और राजू ठेहट दोनों के मर्डर की साजिश में वीरेंद्र चारण का नाम सामने आया था। चूरू के सुजानगढ़ के रहने वाले वीरेंद्र चारण ने ही राजू ठेहट और गोगामेड़ी की हत्या में हथियारों की सप्लाई की थी। गोगामेड़ी की हत्या के बाद शूटर तो पकड़े गए, लेकिन वीरेंद्र चारण पुलिस के हाथ नहीं लगा। ऐसे में वीरेंद्र चारण के नेपाल के रास्ते दुबई या अजरबैजान भागने की बात सामने आई। गोल्डी बराड़ का कहना है कि उन लोगों के लिए विदेश जाना कोई मुश्किल काम नहीं है।

नाबालिग छात्रा से रेप और हत्या के आरोपी शिक्षक को पुलिस ने पकड़ा, कुएं से मिली थी लाश

बाडमेर, 23 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के बाड़मेर जिले के एक गांव में 17 साल की स्कूली छात्रा के साथ उसके शिक्षक ने कथित तौर पर रेप किया और उसकी हत्या कर दी. आरोपी की पहचान हिंदी शिक्षक प्रह्लाद अंबाराम मेघवाल के रूप में हुई है, जिसे जयपुर में हिरासत में लिया गया और उसे बाड़मेर ले जा गया.

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, क्षेत्र के थाना प्रभारी सुरभान सिंह ने बताया कि रविवार को बाड़मेर पुलिस को सूचना मिली थी कि एक गांव में कुएं के अंदर लड़की का शव मिला है. उन्होंने बताया सूचना मिलने के बाद हम मौके पर गए और लड़की के पिता ने उसकी पहचान अपनी बेटी के रूप में की. इसके बाद उन्होंने शिक्षक प्रह्लाद अंबाराम मेघवाल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई.

उन्होंने कहा, जब वह और उनकी पत्नी दोनों जोधपुर में एक शादी के लिए गए हुए थे. उसी दौरान प्रह्लाद शनिवार और रविवार की मध्यरात्रि में उनके घर आया और उनकी बेटी के साथ रेप किया. फिर उसकी हत्या कर दी. उसके शव को टांका (कुएं) में फेंक दिया.

थाना प्रभारी के अनुसार, घटना के समय लड़की के परिवार के तीन लोग घर पर थे, लेकिन उन्होंने कहा कि हो सकता है कि उन्हें इस बात की जानकारी न हुई हो कि क्या हो रहा है. रविवार सुबह परिजनों को कुएं में शव मिला.

घटना के बाद, लगभग 27 साल का आरोपी कथित तौर पर जयपुर भाग गया था, जहां से उसे पुलिस ने हिरासत में लिया था. अपनी शिकायत में, लड़की के पिता ने यह भी कहा कि आरोपी का पीड़िता पर दबाव डालने का इतिहास रहा है. उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 302 (हत्या), 376 (बलात्कार) और पोक्सो अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

राहुल गांधी पर हमले का विरोध, कांग्रेस ने दिया धरना

अजमेर, 23 जनवरी (एजेंसियां)। राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' पर असम के उत्तरी लखीमपुर में हुए हमले के विरोध में कांग्रेस ने मंगलवार को गांधी भवन पर धरना दिया। पार्टी के कार्यकर्ताओं ने महात्मा गांधी के प्रतिमा के सामने मौन सत्याग्रह किया।

मसूदा से पूर्व विधायक राकेश पारीक ने कहा कि राहुल गांधी की ओर से न्यायालय यात्रा निकाली जा रही है। राहुल गांधी को असम में मंदिर में जाने से रोका गया, जिससे साफ है कि भाजपा धर्म की ठेकेदार बनी हुई है। वह हिंदू धर्म के मसीहा अपने आप ही हो रखे हैं। इसके विरोध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर अजमेर में गांधी भवन पर धरना दिया गया है। कांग्रेस के मोन सत्याग्रह किया जा रहा है, जिससे कि भारतीय जनता पार्टी को सद्बुद्धि आए और वह समझे कि भगवान किसी एक का नहीं है। कांग्रेसी ईश्वर, अल्लाह सबको मानने वाले लोग हैं। जब उनके नेता मंदिर में दर्शन करने जा रहे थे, तब उन्हें रोका गया उसका सभी आज विरोध कर रहे हैं। पूर्व मंत्री नसीम अख्तर ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर प्रदेश भर में आज विरोध किया जा रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के द्वारा भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाली जा रही है।

प्रॉपर्टी कारोबारी ने किया महिला से रेप

मकान दिखाने के बहाने मिलने बुलाया, विरोध करने पर दी मारने की धमकी

जयपुर, 23 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर में एक प्रॉपर्टी कारोबारी ने महिला के साथ रेप किया। आरोपी प्रॉपर्टी कारोबारी ने पीड़िता को मकान दिखाने के बहाने मिलने बुलाया था। इसके बाद परिचित के मकान पर ले जाकर जबरदस्ती की। विरोध करने पर आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने आरोपी प्रॉपर्टी कारोबारी के खिलाफ मुहाना थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मामले की जांच एसएचओ (मुहाना) गोतम डोटासरा कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि मानसरोवर निवासी 28 साल की महिला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उसने बताया- उसे मकान खरीदना है। इसके लिए 12 जनवरी को मकान देखने मुहाना गई थी। वहां किसी ने प्रॉपर्टी कारोबारी पूरण चंद सैनी के मोबाइल नंबर दिए। कॉल करने पर पूरण चंद सैनी ने खुद के गांव में होने की बात कही और 2-3 दिन में आकर सस्ती प्रॉपर्टी दिलाने की कहा।

पीड़िता ने बताया-16 जनवरी को मकान दिखाने के बहाने पूरण चंद सैनी ने उसे मुहाना बुलाया। 5-7 डुप्लैक्स दिखाने के बाद अपनी गाड़ी से मानसरोवर छोड़कर चला गया। अगले दिन दोबारा कॉल किया और नए मकान दिखाने के बहाने बुलाया। दोपहर करीब 11 बजे मुहाना मंडी गेट पर पहुंचने पर एक लड़के को भेजकर अरबना बिल्डिंग के पीछे बुलवाया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि प्रॉपर्टी कारोबारी ने मिलने पर 3-4 डुप्लैक्स दिखाए। उसके बाद कहा- एक परिचित को पैसों की जरूरत है तो सस्ते में उसका मकान मिल जाएगा। इसके बाद मकान दिखाने के बहाने परिचित के मकान पर ले गया, जहां उसके साथ जबरदस्ती की। उसके विरोध करने पर डरायाया और जान से मारने की धमकी दी। आरोपी ने उसके साथ रेप किया और फिर धमकाते हुए अपनी गाड़ी से मानसरोवर छोड़कर चला गया। इसके बाद अलग-अलग मोबाइल नंबर से कॉल कर धमकाने लगा।

राममंदिर के शुभ मुहूर्त में घर आए 'राम' और 'सीता'

परिवार चाहते थे ऐतिहासिक दिन हो बच्चे का जन्म, अकेले जोधपुर में 100 से ज्यादा डिलीवरी

जोधपुर, 23 जनवरी (एजेंसियां)। बच्चे के रोने की बहुत ही प्यारी ध्वनि सुनकर सब रानियां उतावली होकर दौड़ी चली आईं। दासियां हर्षित होकर जहां-तहां दौड़ीं। सारे पुरवासी आनंद में मग्न हो गए। राजा दशरथ पुत्र का जन्म कानों से सुनकर मानो ब्रह्मानंद में समा गए। मन में अतिशय प्रेम है, शरीर पुलकित हो गया। सोमवार को राजस्थान के कई हॉस्पिटल में भी ऐसे ही उत्सव का माहौल था।

अयोध्या मंदिर में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के शुभ मुहूर्त में गर्भवती महिलाओं को सीजेरियन डिलीवरी के लिए ऑपरेशन थियेटर के अंदर ले जाया गया। बाहर परिवार बढ़ी हुई दिल की धड़कनों के साथ राम-नाम जपते हुए इंतजार कर रहा था। थोड़ी ही देर में ओटी के गेट खुले और नर्स बच्चे को गोद में लेकर आई। बच्चे को गोद में लेते ही परिजनों के मुंह से सहसा निकला- हमारे घर राम आए हैं। हमारे घर सीता आई हैं। जोधपुर, अजमेर, सीकर, उदयपुर कई जिलों के हॉस्पिटल्ट में सीजेरियन और नॉर्मल डिलीवरी हुईं। अकेले जोधपुर जिले में 100 से ज्यादा सीजेरियन डिलीवरी की गईं। अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस यादगार और खास दिन की गर्भवती महिलाएं भी साक्षी बनना चाहती थीं। इस कारण 22 जनवरी के शुभ दिन को बच्चे के जन्म के लिए चुना।

डॉक्टरों का कहना है- जिन महिलाओं की सीजेरियन डेट 22 जनवरी के आस-पास है, उनमें से ज्यादातर इसी दिन बच्चे को जन्म देना चाहती थीं। मेडिकल जांच के बाद ही गर्भवती महिलाओं को डिलीवरी के लिए डेट दी गई। कुछ महिलाओं की नॉर्मल डिलीवरी भी हुई। गोयल हॉस्पिटल की डॉ.मिशा गोयल, श्री राम हॉस्पिटल की डॉ. सुमन गलवा, डॉ. नेहा माथुर ने बताया कि पिछले एक महीने से काफी पेशेंट के उनके पास फोन आ रहे थे। उन्हें सीजेरियन डिलीवरी के लिए 20 जनवरी से 30 जनवरी के बीच की तारीख दी गई थी। ऐसे में उन्होंने 22 जनवरी को बच्चे को जन्म देने की इच्छा जताई। डॉक्टरों ने बताया कि 22 जनवरी का सीजेरियन डिलीवरी करवाने की लिस्ट सभी प्राइवेट हॉस्पिटल में बड़ी है। पेशेंट की हेल्थ को पहले ध्यान में रखा गया। ऑपरेशन के पहले पूरा हेल्थ चेकअप किया गया। अगर पेशेंट पूरी तरह से फिट रहा तब ही सिजेरियन डिलीवरी की गई। जोधपुर में 100 से ज्यादा सीजेरियन डिलीवरी प्लान की गईं। जोधपुर के मधुबन क्षेत्र में रहने वाली पति-पत्नी ने बताया कि हेल्थ इशू के चलते डॉक्टर ने उनकी सीजेरियन डिलीवरी होना ही बताया है। डिलीवरी डेट 15 से 30 जनवरी दी थी। राम मंदिर स्थापना को लेकर हमने 22 जनवरी को ही डिलीवरी करवाने का मानस बनाया। इस शुभ दिन इनके घर लड़के का जन्म हुआ है। दंपती ने बच्चे का नाम पहले ही सोच लिया था।

ट्रैफिक जाम में फंसे तो चारपाई पर उठाया, अस्पताल पहुंचने से पहले ही हार्ट अटैक मरीज की मौत

बेटे ने पुलिस प्रशासन को ठहराया जिम्मेदार

अलवर, 23 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर जिले के बानसूर कस्बे में एक शख्स की ट्रैफिक जाम की वजह से मौत हो गई। मामला सोमवार दोपहर का है। यहां अक्सर पुलिस और प्रशासन की लापरवाही से भारी जाम के हालात रहते हैं। ऐसे ही हालात के बीच जाम में फंसने से एक 70 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। बुजुर्ग को रास्ता जाम देखकर चारपाई पर लेटाकर, कंधे पर उठाते हुए आगे ले जाया गया। जाम की वजह से 500 मीटर की दूरी को पार करने में भी 20 मिनट लग गए। बुजुर्ग को अस्पताल पहुंचाया गया तो वहां उसकी मौत हो गई।

10 दिन पहले स्टेंट डाला गया था, सोमवार को तबीयत बिगड़ी

बुजुर्ग बद्रीलाल जाट को 10 दिन पूर्व हार्ट की प्रॉब्लम होने पर स्टेंट डाला गया था। सोमवार दोपहर को सांस लेने में दिक्कत आने पर पिकअप गाड़ी में परिजन अस्पताल के लिए रवाना हुए। आगे पहुंचे तो बानसूर कस्बे के अस्पताल रोड पर जाम लगा मिला। इसके बाद जाम को देखते हुए परिजन चारपाई से बुजुर्ग को लेकर जाते दिखाई दिए। लेकिन वाहनों की रेलमपेल के कारण उन्हें अस्पताल पहुंचने में देरी हो गई, जिससे उसकी मौत हो गई।

जाम में फंसे तो रोने लगे परिजन

परिजन जाम देखकर गाड़ी में रोते दिखे। स्थानीय ग्रामीण उनसे जानकारी ली तो पता चला कि उसमें गंभीर हालत में मरीज को अस्पताल में दिखाने के लिए ले जा रहे थे। जाम नहीं खुलने पर परिजनों ने चारपाई पर बुजुर्ग व्यक्ति को डाल कर अस्पताल ले जाया गया। तब तक देरी हो चुकी थी। चिकित्सकों ने देखकर बुर्जुग बद्री जाट को मृत घोषित कर दिया। मेरे पिताजी की अचानक तबीयत खराब होने पर मैं ई-रिक्शा से ले गया था। रास्ते में मैं पिकअप गाड़ी का सहारा लिया।

भारत गौरव पुण्य क्षेत्र यात्रा ट्रेन सिकंदराबाद से रवाना

हैदराबाद, 23 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे की भारत गौरव ट्रेनों को रेल उपयोगकर्ताओं से भारी प्रतिक्रिया मिल रही है। दो तेलुगु राज्यों के रेल यात्रियों को एक अनूठा अवसर प्रदान करने वाली पर्यटक सर्किट ट्रेन के रूप में शुरू की गई इस ट्रेन ने आज अपनी एक और यात्रा शुरू कर दी है। 23 जनवरी, 2024 को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से और दक्षिणी राज्यों तमिलनाडु और केरल के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों को कवर किया जाएगा। भारत गौरव ट्रेन ने रेल यात्रियों में से एक, हैदराबाद के निवासी रघुमा रेड्डी, उम्र 75 वर्ष, के साथ यात्रा शुरू की, इसे सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से शुरू किया गया। आईआरसीटीसी के समूह महाप्रबंधक पी. राजकुमार भी उपस्थित थे। ज्योतिर्लिंग के साथ दिव्य दक्षिण यात्रा का नौ दिवसीय दौरा तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों के रेल यात्रियों/तीर्थयात्रियों को तिरुवन्नामलाई (अरुणाचलम), रामेश्वरम, मदुरै, कन्याकुमारी, तिरुवनंतपुरम, त्रिची और तंजावुर जैसे महत्वपूर्ण स्थलों की यात्रा करने का एक शानदार अवसर प्रदान करता है। गौरतलब है कि यह ट्रेन तेलंगाना के सिकंदराबाद, काजीपेट, वारंगल और खम्मम स्टेशनों के साथ-साथ आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा, तेनाली, ओंगोल, नेल्लोर, गुडुर और रेनिगुंटा स्टेशनों पर यात्रियों को बोर्डिंग/डी-बोर्डिंग की सुविधा प्रदान करती है।रेल यात्रियों को ट्रेन द्वारा प्रदान किए गए अनूठे अवसर को देखते हुए, न केवल सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से बल्कि मार्ग के स्टेशनों से भी यात्री भारत गौरव ट्रेन सेवाओं का लाभ उठाने के लिए आगे आए हैं। ट्रेन मिश्रित संरचना 2 एसी (1), 3 एसी (3) और स्लीपर (7) के साथ एसी और नॉन-एसी दोनों यात्रियों को अवसर प्रदान करती है। सभी वर्गों के संरक्षण को दर्शाते हुए, सिकंदराबाद स्टेशन के साथ-साथ रास्ते के स्टेशनों के रेल यात्रियों ने एसी और गैर-एसी दोनों ट्रेन सेवाओं का लाभ उठाया है।एससीआर के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने एससीआर से भारत गौरव पर्यटक ट्रेन को यात्रियों से मिली अच्छी प्रतिक्रिया पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि भारत गौरव ट्रेनें देश में आध्यात्मिक पर्यटन के विकास को बढ़ावा देंगी। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रेन तीर्थयात्रियों को व्यक्तिगत यात्रा कार्यक्रम की योजना बनाने की परेशानी के बिना सांस्कृतिक रूप से प्रमुख और ऐतिहासिक स्थानों की यात्रा करने का एक शानदार अवसर प्रदान करती है।

डॉक्टर की लापरवाही से पीड़िता को संक्रमण

निर्मल, 23 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल जिले के भैंसा कस्बे के एक निजी चिकित्सक की लापरवाही से एक महिला के पैर में संक्रमण हो गया। पीड़िता के पति विट्ठल के मुताबिक, राहुल नगर की लावण्या एक साल पहले सीढ़ियों से फिसल गईं और उनका पैर टूट गया। एक स्थानीय निजी अस्पताल में उसका ऑपरेशन हुआ। कुछ महीने बाद ऑपरेशन के दौरान लगाई गई रॉड निकलवाने के लिए उसे दूसरे निजी अस्पताल में भर्ती कराया और रॉड निकलवाई, विट्ठल ने दावा किया कि ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर ने रॉड हटा दी और वाईचर को भूल गए। उनके पैर में संक्रमण के कारण उन्हें हाल ही में निजामाबाद के एक अस्पताल में दिखाया गया था, और डॉक्टरों ने पाया कि उनके पैर में एक वाइचर है। डॉक्टरों ने कहा कि इसी वजह से संक्रमण हुआ है जिसके कारण इन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन कर वाइचार को हटा दिया गया है। बताया जाता है कि उक्त डॉक्टर ने इस मामले में लापरवाही भरा जवाब दिया है।

नराकास (उपक्रम) द्वारा एनएमडीसी में विशेष हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 23 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद के तत्वावधान में एनएमडीसी लिमिटेड के मुख्यालय में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य कार्यालयों के कार्मिकों के लिए एक दिवसीय संयुक्त हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि सत्येन्द्र राय, अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं गणेश वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद के सदस्य-सचिव होमनिधि शर्मा, उप महाप्रबंधक (राजभाषा), बीडीएल, हैदराबाद तथा नराकास कोर समिति के सदस्य श्री रिजवान पाशा, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), एचपीसीएल, हैदराबाद तथा डॉ. राजनारायण अवस्थी, प्रबंधक (राजभाषा), ईसीआईएल, हैदराबाद भी उपस्थित थे। सत्येन्द्र राय, अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) ने उपस्थितों को संबोधित करते हुए कहा कि एनएमडीसी द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति से संबंधित अनेक कार्यक्रमों का आयोजन समय-समय पर किया जाता रहा है। इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर किया जाना चाहिए जिससे नगर स्तर पर राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। श्री राय ने नराकास (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदरबाद तथा एचपीसीएल कार्यालय को दक्षिण क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन के अवसर पर पुरस्कृत किए जाने पर हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी। उन्होंने नराकास के सदस्य कार्यालयों के उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में कार्य करने में यदि कोई भी समस्या आए तो वे बेझिझक होकर एनएमडीसी के राजभाषा विभाग से सम्पर्क कर सकते हैं और उन्होंने समस्या के यथासंभव समाधान का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि, नराकास के पदाधिकारीगण एवं सभी प्रतिभागियों का स्वागत श्री आर.एन. मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) द्वारा किया गया। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि एनएमडीसी द्वारा पिछले एक वर्ष को छोड़कर पिछले कई वर्षों से नराकास के तत्वावधान में सदस्य कार्यालयों के कार्मिकों के लिए हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने एनएमडीसी को यह अवसर प्रदान करने के लिए नराकास के अध्यक्ष एवं सदस्य सचिव के प्रति आभार व्यक्त किया। तत्पश्चात श्री आर.एन. मिश्र द्वारा वर्ष 2023-24 के दौरान एनएमडीसी में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने के लिए की गई राजभाषा गतिविधियों एवं प्राप्त उपलब्धियों की संक्षिप्त जानकारी दी गई। तत्पश्चात मुख्य अतिथि के कर-कमलों से सभी प्रतिभागियों को हिंदी शब्दकोश का वितरण किया गया। कार्यशाला का संचालन देबाशीष घोष, प्रबंधक (राजभाषा) तथा धन्यवाद ज्ञापन श्री राजेश कुमार गोंड, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) द्वारा दिया गया। कार्यशाला के सफल आयोजन में श्री एस.के. सनोडिया, उप प्रबंधक (सचि.) एवं सुश्री के. सौम्या, प्रशिक्षु का विशेष सहयोग रहा।

ब्रह्मर्षि सेवा समाज द्वारा समारोह अयोजित

हैदराबाद, 23 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रह्मर्षि सेवा समाज हैदराबाद ने अपने वंशपुरुष परशुराम मंदिर (जगतगीरगुट्टा) में श्रीराम लला के अयोध्या में प्राणप्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में एक भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया। समाज के महासचिव सुनील सिंह ने बताया कि एलईडी स्क्रीन पर अयोध्या से सामूहिक सीधा प्रसारण यहाँ के ब्रह्मर्षि भक्तों के लिए उपलब्ध कराया गया जिसका सभी ने भावविभोर होकर आनंद लिया। समाज के अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा ने सबका स्वागत किया। पूर्व अध्यक्ष गोपाल चैधरी मीनाक्षी चैधरी के साथ और सुनील सिंह अपनी पत्नी चंचला सिंह के द्वारा पूजन एवं हवन के साथ आयोजन प्रारंभ हुआ। तत्पश्चात् भजन मंडली के साथ वरिष्ठ सदस्य राम दहिन चैधरी, पूर्व महासचिव इंद्रदेव प्रसाद सिंह, शत्रुघ्न सिंह आदि सदस्यों ने सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा का पाठ किया। उपाध्यक्ष अनीता राय के साथ सुधा राय, डॉ. आशा मिश्रा, निश्चला राय, मधु सिंह, पिंकी राय, उषा सिंह आदि ने संक्षिप्त रामायण मनका १०८ का पाठ किया और भजन भी गाए। भव्य आरती के साथ पूजा संपन्न हुआ। इस आयोजन में उपर्युक्त सदस्यों के अतिरिक्त पूर्व अध्यक्ष सुजीत ठाकुर, कोषाध्यक्ष प्रेमशंकर सिंह, कार्यकारिणी सदस्य मोहन सिंह, अमर सिंह, विनोद राय, तिरूपति राय, कॉरास्पांडेंट रंजीत शुक्ला आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मनोज शाही, श्रीमती सरोज सिंह, चंद्रमोहन सिंह, नंदन ठाकुर, बब्बन ठाकुर, सुशील राय आदि उपस्थित होकर इस भव्य आयोजन को सफल बनाया।

अयोध्या राम मंदिर उद्घाटन के अवसर पर देशभर में जश्न का माहौल है। इसी कडी में हैदराबाद के गौलीगुडा में जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल ने अपने परिवार के सदस्यों एवं वेद पंडितों के साथ विशेष पूजा-अर्चना की।

कादंबिनी क्लब की मासिक गोष्ठी आयोजित

हैदराबाद, 23 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कादंबिनी क्लब हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार क्लब की मासिक गोष्ठी का आयोजन आभासी तकनीक के माध्यम से संपन्न हुआ। प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए क्लब अध्यक्ष डॉ. अहिल्या मिश्राएवं कार्यकारी संयोजिका मीना मुथा ने आगे बताया कि इस अवसर पर प्रथम सत्र की अध्यक्षता कर्नल दीपक दीक्षित ने की और विशेष अतिथि के रूप में जी परमेश्वर ने पटल पर अपनी उपस्थिति प्रदान की। मीना मुथा ने संचालन करते हुए बताया कि अलका जैन (संस्था संचालक, मुंबई) ने साहित्य में महिलाओं की भूमिका विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार रखे। सत्र का शुभारंभ शुभ्रा मोहंतो द्वारा निराला रचित सरस्वती वंदना से हुआ। डॉ. अहिल्या मिश्र ने सबका स्वागत करते हुए संक्षिप्त में अलका जैन का परिचय दिया। साथ ही अगले माह 18 फरवरी को आयोजित होनेवाले साहित्य गरिमा पुरस्कार की जानकारी दी। संगोष्ठी सत्र संयोजक अवधेश कुमार सिन्हा (दिल्ली) विषय प्रवेश के अंतर्गत कहा कि नारी स्वतंत्रता का अर्थ है सामंजस्य। आज अलका जी विभिन्न पहलुओं पर आज हमारा ज्ञानवर्धन करेंगी। अलका जैन ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि लेखन में संवेदना की आवश्यकता होती है। माँ, बेटी, बहन, पत्नी नारी के हर रूप का साहित्य में वर्णन है। वह सहनशील है। स्त्री की भूमिका हर जगह है। साहित्य से नारी को हटा दिया जाय, तो साहित्य खत्म हो जाएगा। उन्होंने अमृता प्रीतम, अरुंधती राय की बातें की। विषय पर डॉ अहिल्या मिश्र, आर्या झा, डॉ आशा मिश्रा "मुक्ता', डॉ रमा द्विवेदी, राशि सिन्हा, शशि राय, जी परमेश्वर, भावना पुरोहित और प्रवीण प्रणव ने अपनी बात रखी। कर्नल दीपक दीक्षित ने अध्यक्षीय टिप्पणी में कहा कि पुरुष की तरह स्त्री भी नारी लेखन के बिना अधूरा है। सबने विषय पर चर्चा की और सत्र सार्थक रहा। अध्यक्षीय टिप्पणी देते हुए दायमा ने कहा कि सभी ने सुंदर रचनायें प्रस्तुत कीं। रामलला के आगमन से भावविभोर रचनाओं के लिए उन्होंने साधुवाद दिया और अध्यक्षीय काव्य पाठ किया। डॉ. रमा द्विवेदी ने सभी को धन्यवाद दिया।

अयोध्या राम मंदिर उद्घाटन के अवसर पर मूसारामबाग जयसवाल परिवार द्वारा सुंदरकांड पाठ किया गया जिसमें संतोष जायसवाल, अंचल, शिवनेश, मोहिनी, नरेश, राजेंद्र शामिल हुए

अयोध्या में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा पर श्री गणेश मंदिर सेवा समिति, भावना कॉलोनी बोइनपल्ली में पूजा-अर्चना करते हुए पदम कुमार जैन, जी. विनय सिंह जैन, गौरव जैन, राजीव व अन्य।

बूथ लेवल ऑफिसरों की बैठक आयोजित

मदनूर, 23 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बूथ लेवल ऑफिसरों की बैठक तहसीलदार कार्यालय में आयोजित की गई। इस मौके पर तहसीलदार एमडी मुजीब ने बूथ लेवल आधिकारियों को बताए कि जहां भी एक मतदाता का नाम मतदाता सूची में दो बार दर्ज है, वहां बीएलओ को सावधानी पूर्वक डुप्लीकेट वोट हटाने तथा इसी प्रकार मृतक के वोट हटाने के निर्देश दिये गये हैं। इस बैठक में वरिष्ठ सहायक विजय, गिरदावर शंकर, चुनाव संचालक मुस्तफा, कनिष्ठ सहायक बलाराजू और विभिन्न ग्राम पंचायत सचिवों ने भाग लिया।

आयोध्या में श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के स्वर्णिम उपलक्ष्य में फ्रेंड्स ग्रुप द्वारा लंगर प्रसाद सेवा का सोमवार को आयोजन किया गया। फ्रेंड्स ग्रुप मंगलहाट की घोडे की कब्र में हुए इस कार्यक्रम में मनोज अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, शिव भगवान, गिरधारीलाल, विजय पहलवान, फूल सिंह, अभिषेक, विक्रम, सचिन, साई, राजू, सुरेंद्र, गिरधारीलाल, आशीष अग्रवाल, खेमचंद विजय सिंग, श्याम अग्रवाल एवं अन्य ने भाग लिया।

बिहार सहयोग समिति द्वारा प्राण-प्रतिष्ठा पर विशेष कार्यक्रम

हैदराबाद, 23 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति तेलंगाना ने राम मंदिर उद्घाटन समारोह के शुभ अवसर पर दुर्गा माता मंदिर, इंदिरा नेहरु नगर, मल्काजगिरी में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर बिहार महिला ऐसोसिएशन द्वारा शिव चर्चा की गई। तत्पश्चात अयोध्या राम भगवान की प्राण प्रतिष्ठा के बाद राम भगवान भव्य पूजा और हवन किया गया।

सुभाष चन्द्र बोस की जयंती पर हिमायत नगर स्थित कार्यलय में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेती हुईं अग्रणी महिला मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, सुनयना नरसरिया, रूपा गुप्ता, प्रीति गोयल, रितु गोयल, व अन्य।

सड़क और बीसी भवन मंत्री ने पूर्व सांसद वी. हनुमंत राव के साथ 43वीं राजीव गांधी अखिल भारतीय अंडर-19 टी20 क्रिकेट चैंपियनशिप पुरस्कार प्रदान किया। साथ में हैं विधायक गद्दाम विनोद कुमार, हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के सदस्य पुरूषोत्तम अग्रवाल, भास्कर, हैदराबाद सीएफआई के अध्यक्ष आदि अविनाश, श्रीकांत गौड़, सीएफआई के अध्यक्ष सैयद सादिक पाशा, सीएफआई के महासचिव अमरजीत कुमार और चैंपियनशिप के तकनीकी सचिव रजनी कांत गौड़ उपस्थित थे।

हिन्दी महाविद्यालय में इंटरेक्शन सत्र आयोजित

हैदराबाद, 23 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्राचार्या डॉ.बी. श्रीदेवी के अनुसार हिन्दी महाविद्यालय में इंटरेक्शन सत्र आयोजित किया गया। इस

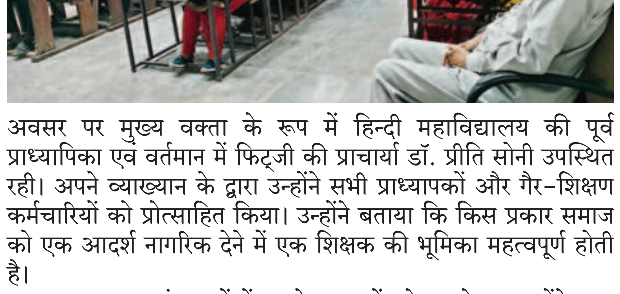

अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में हिन्दी महाविद्यालय की पूर्व प्राध्यापिका एवं वर्तमान में फिट्जी की प्राचार्या डॉ. प्रीति सोनी उपस्थित रही। अपने व्याख्यान के द्वारा उन्होंने सभी प्राध्यापकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार समाज को एक आदर्श नागरिक देने में एक शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।

अलग-अलग संस्थाओं में अपने अनुभवों को बताते हुए उन्होंने कहा कि किस प्रकार छात्रों को अपनी कक्षा में बैठने के लिए उनका उत्साहवर्द्धन किया जाए। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि शिक्षक को कठिन परिश्रम तथा सुंदर व्याख्यान के माध्यम से अपनी कक्षा को सुंदर और सुव्यवस्थित बनाना चाहिए, जिससे छात्र पढाई के प्रति विशेष रुचि रखे। साथ ही उन्होंने कहा कि छात्रों के लिए समय समय पर विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे निबंध प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, क्लास टेस्ट आदि करानी चाहिए, जिससे छात्रों को मनोबल ऊंचा उठ सके।

इसके साथ ही छात्रों का परिवार, समाज तथा देश के प्रति उनके कर्त्तव्यों को भी याद दिलाना चाहिए। इस अवसर पर प्राचार्या डॉ. बी. श्रीदेवी, उप-प्राचाार्या श्रीमती अश्विनी सनपूरकर, महाविद्यालय के उपाध्यक्ष श्री श्यामसुंदर मूंदड़ा, अंग्रेजी विभागाध्यक्ष पी. शारदादेवी, हिन्दी प्राध्यापिका डॉ. पुष्पावल्ली तथा सभी प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्या डॉ.बी. श्रीदेवी द्वारा किया गया।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई

भैंसा, 23 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भैंसा नगर स्थित नेताजी नगर में स्थानीय विधायक पवार रामा राव पटेल के नेतृत्व में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती एवं भारत माता के प्रिय सपूत के शौर्य दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। सबसे पहले उन्होंने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी और कहा सुभाष चंद्र बोस ने कहा था कि कनकन एक जलती हुई चिंगारी और भारत की सुबह है। उन्होंने कहा कि हर किसी को उनके पदचिन्होह पर चलना चाहिए, वह सूर्य थे जिन्होंने स्वतंत्रता की इच्छा जगाई, वह अमर है और भारत माता के प्रिय पुत्र थे जिन्होंने स्वतंत्रता को अपने जीवन का लक्ष्य बनाया। इस कार्यक्रम में पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष गंगाधर, पार्षद गली रवि, सरपंच अल्लकोंडा साईनाथ, नगर अध्यक्ष मल्लेश और जन प्रतिनिधि, भाजपा नेता, कार्यकर्ता और अन्य लोग शामिल हुए।

जीडिमेटला श्री आईमाता मंदिर स्थित अयोध्या में श्री रामोत्सव प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम के शुभ अवसर पर समाज बन्धुओं द्वारा आयोजित पुजा-अर्चना, कलश शोभा यात्रा, भजन-कीर्तन, भोजन-प्रसादी व दीपोत्सव कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष मांगीलाल काग, उपाध्यक्ष अर्जुनलाल बर्फा, केराराम सिन्दड़ा, सचिव नारायणलाल बर्फा, कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग, सहसचिव प्रेम पंवार, सलाहकार बाबुलाल चोयल, सोहनलाल परिहार, दुर्गाराम मुलैवा, समाज बन्धु व महिलाएं।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

नए मंदिर में ...

मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने मंगलवार को कहा, भगवान (जो पहले से ही वहां मौजूद हैं) भी नए मंदिर में चले जाएंगे। अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं। अस्थायी मंदिर में स्थित मूर्ति भी गर्भगृह में चली जाएगी। पुरानी मूर्ति को भी सिंहासन पर रखा जाएगा और नई राम लला की मूर्ति के सामने एक सिंहासन पर बैठाया जाएगा।

मैसूर के कलाकार अरुण योगीराज द्वारा गढ़ी गई नई मूर्ति को सोमवार को अयोध्या में भव्य 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह के दौरान मंदिर के गर्भगृह में रखा गया। काले पत्थर से बनाई गई 51 इंच की मूर्ति, पीले रंग की धोती, सुनहरा मुकुट और हार पहने हुए है और सुनहरे धनुष और तीर धारण किए हुए है।

श्रीरामलला की नई ...

दीक्षित ने कहा कि उन्हें मूर्ति की पहली झलक 18 जनवरी को मिली थी।

सोमवार यानी 22 जनवरी को रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा पूजा में पीएम मोदी और आरएसएस चीफ मोहन भागवत समेत 6 यजमान शामिल हुए। इसके बाद मोदी ने करीब 35 मिनट का भाषण दिया। पीएम ने कहा, कुछ लोग कहते थे कि राम मंदिर बना तो आग लग जाएगी। राम मंदिर किसी आग को नहीं, ऊर्जा को जन्म दे रहा है।

नीतीश राज्यपाल से ...

मगही में कहते हैं, 'खेला होकतो', भोजपुरी में कहते हैं, 'खेला होखी' बाकी तो आप खुद ही समझदार हैं। इससे पहले भी मांझी सियासत में बदलाव के संकेत दे चुके हैं। उन्होंने अपने विधायकों को 25 जनवरी तक पटना में रहने तक के निर्देश दिए हैं। दूसरी ओर नीतीश कुमार भी एक सरकारी कार्यक्रम में भाग लेने के बाद राजभवन पहुंच गए और राज्यपाल से मुलाकात की।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईसीसी टी-20 टीम ऑफ द ईयर 2023 में 4 भारतीय

सूर्यकुमार यादव कप्तान, अर्शदीप, जायसवाल और बिश्नोई भी शामिल

नई दिल्ली, 23 जनवरी (एजेंसियां)। आईसीसी ने टी-20 टीम ऑफ द ईयर 2023 घोषित की। भारत के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को टीम का कप्तान बनाया गया, जबकि रवि बिश्नोई, यशस्वी जयसवाल और अर्शदीप सिंह टीम में शामिल किए जाने वाले तीन अन्य भारतीय रहे।

सुर्यकुमार 2023 में फुल टाइम नेशन के टॉप स्कोरर

सूर्यकुमार यादव 2023 में फुल टाइम नेशन में टी-20 के टॉप स्कोरर रहे। सूर्यकुमार ने 18 मैचों में 733 रन बनाए और दो शानदार शतक लगाए। यादव का आखिरी शतक साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेलते हुए आया जहां उन्होंने सिर्फ 56 गेंदों पर सेंचुरी लगाई।

जायसवाल ने अफ्रीका और अमेरिका में किया शानदार प्रदर्शन टेस्ट मैचों में अपने शानदार प्रदर्शन करने के बाद, यशस्वी जयसवाल ने अपने घरेलू वाइट बॉल फॉर्म को भी इंटरनेशनल स्टेज पर दिखाया। उन्होंने साल 2023 में 159 की स्ट्राइक रेट से 14 पारियों में 430 रन बनाए।

फ्लोरिडा में वेस्टइंडीज के खिलाफ जायसवाल ने 51 गेंदों में 84* रनों नाबाद की पारी खेली और नेपाल के खिलाफ सिर्फ 49 गेंदों में 100 रन भी बनाए।

युवा बाएं हाथ के बल्लेबाज ने साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी घरेलू टी20 सीरीज में 25 गेंदों में 53 रन बनाए, इसके बाद जोहान्सबर्ग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 41 गेंदों में 60 रनों की पारी भी खेली।

अर्शदीप सिंह ने 26 विकेट लिए

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने 2023 में 21 मैचों में 26 विकेट लिए और उन्हें गेंदबाजी लाइन-अप में जिम्बाब्वे के रिचर्ड नगारवा और आयरलैंड के मार्क एडर के साथ नामित किया गया है। अर्शदीप की पावरप्ले और डेथ ओवरों में गेंदबाजी करने की क्षमता उन्हें किसी भी टीम के लिए एक एसेट बनाती है।

बिश्नोई ने 2023 में ग्रोथ की

बिश्नोई ने 2023 में इंटरनेशनल करियर में ग्रोथ देखी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज के ठीक बाद उन्हें टी-20 में वर्ल्ड नंबर-1 भी नामित किया गया।

भारत को ओलंपिक में कठिन पूल

स्वर्ण पदक विजेता बेल्जियम-ऑस्ट्रेलिया और अर्जेंटीना के साथ मिली जगह

लुसान, 23 जनवरी (एजेंसियां)। टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम को इस वर्ष होने वाले पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने के लिए कड़ा जोर लगाना होगा। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने रविवार की रात पेरिस ओलंपिक के पूल आवंटित कर दिए, जिसमें भारत को विश्व नंबर दो, गत ओलंपिक विजेता बेल्जियम, टोक्यो में रजत पदक जीतने वाले ऑस्ट्रेलिया, रियो ओलंपिक विजेता अर्जेंटीना के साथ पूल बी में रखा गया है। पूल की अन्य दो टीमें मजबूत न्यूजीलैंड और आयरलैंड हैं।

हांगझोऊ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम इस वक्त विश्व में नंबर तीन के स्थान पर है। उससे ऊपर नीदरलैंड और बेल्जियम है। आठ ओलंपिक स्वर्ण जीतने वाले भारत को हमेशा ऑस्ट्रेलिया और अर्जेंटीना के साथ जीतने में दिक्कत आई है। वहीं पूल ए में नीदरलैंड, जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, स्पेन, द. अफ्रीका और मेजबान फ्रांस को जगह दी गई है। इस वर्ष

ओलंपिक में खेलने वाली 12 टीमों में भारत एकमात्र एशियाई टीम है। एफआईएच ने रविवार को ओलंपिक हॉकी क्वालिफायर समाप्त होने के बाद पूल आवंटित किए। भारतीय महिला हॉकी टीम रांची में हुए ओलंपिक क्वालिफायर में पेरिस का टिकट हासिल नहीं कर सकी। उसे जापान के हाथों तीसरे-चौथे स्थान के मुकाबले में 0-1 से हारना पड़ा। पूलों का आवंटन विश्व रैंकिंग के हिसाब से किया गया है। ओलंपिक में दोनों पूल में शीर्ष चार पर रहने वाली टीमें क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करेंगी। पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होंगे। इस दौरान हॉकी मुकाबले 27 जुलाई से नौ अगस्त तक होंगे।

आठ बार की ओलंपिक पदक विजेता (तीन स्वर्ण) पाकिस्तानी पुरुष हॉकी टीम एक बार फिर ओलंपिक के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई।

ओलंपिक क्वालिफायर में उसे तीसरे-चौथे स्थान के मुकाबले में न्यूजीलैंड के हाथों 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले सेमीफाइनल में उसे जर्मनी के हाथों 0-4 से हार का सामना करना पड़ा। शीर्ष तीन पर रहने वाली टीमों को ओलंपिक का टिकट मिलना था। यह लगातार तीसरा मौका है जब पाकिस्तानी टीम ओलंपिक में नहीं होगी। 2012 के लंदन ओलंपिक में पाकिस्तान अंतिम बार खेला था, जहां उसे सातवां स्थान मिला था।

आईएलटी 20 : चार्ल्स की अर्धशतकीय पारी की बदौलत जीता शारजाह वॉरियर्स

दुबई कैपिटल्स को 5 विकेट से हराया, सैम्स ने लिए 3 विकेट

खेल डेस्क, 23 जनवरी (एजेंसियां)। आईएलटी 20 में शारजाह वॉरियर्स ने दुबई कैपिटल्स को 5 विकेट से हराया। दुबई के मैदान पर वॉरियर्स ने टॉस जीतकर फील्डिंग चुनी।

दुबई कैपिटल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 170 रन बनाए। जवाब में शारजाह वॉरियर्स ने 5 विकेट खोकर 18.5 ओवर में टारगेट चेज कर लिया।

वॉरियर्स की ओर से जॉनसन चार्ल्स ने 51 गेंदों में 93 रन की पारी खेली। वहीं, टीम के डेनियल सैम्स ने 3 विकेट लिए।

कैपिटल्स की शुरुआत खराब, बिलिंग्स और रजा ने संभाला

कैपिटल्स के लिए पारी की शुरुआत रहमनुल्लाह गुरबाज और डेविड वॉर्नर ने की। गुरबाज 15 रन और वॉर्नर 20 रन बनाकर आउट हुए । तीसरे नंबर पर आए जेक मैग्रक 14 रन ही बना सके। इसके बाद सैम बिलिंग्स और सिकंदर रजा ने पारी संभाली। दोनों के साथ 44 गेंदों में 81 रन की साझेदारी की।

रजा 23 बॉल में 48 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, बिलिंग्स ने 52 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। इन दोनों के आउट होने के बाद कोई बड़ा स्कोर नहीं कर सका। रोवमैन पॉवल 2 रन और जेसन होल्डर 15 रन बनाकर आउट हुए। राहुल चोपड़ा 1 रन और वैन डर मर्वे 2 रन पर नाबाद रहे।

टीम ने 7 विकेट के खोकर 170 रन बनाए।

दुबई कैपिटल्स की ओर से डेनियल सैम्स को 3 विकेट मिले। वहीं, क्रिस वोक्स और महीश तीक्षणा को 2-2 सफलताएं मिलीं।

चार्ल्स ने मैच विनिंग नॉक खेला

टारगेट का पीछा करने उतरी वॉरियर्स की ओर से मार्टिन गप्टिल और जॉनसन चार्ल्स ने पारी की शुरुआत की। गप्टिल 2 रन बनाकर पवेलियन लौटे। जबकि चार्ल्स दूसरे छोर पर टिके रहे।

कप्तान टॉम कोहोलर कैडमोर 3 रन, निरोशन डिकवेला 7 रन और लुईस ग्रेगरी 16 रन बनाकर आउट हुए। चार्ल्स ने 51 बॉल में 93 रन की पारी खेली। बसिल हमीद 24 रन और डेनियल सैम्स 16 रन बनाकर नाबाद रहे।

टीम ने 18.5 ओवर में 5 विकेट रहते टारगेट चेज कर लिया। दुबई की ओर से दुश्मंथा चमीरा ने ही सभी 4 विकेट लिए। जबकि गप्टिल रन आउट हुए।

बुमराह बोले- 'बैजबॉल' से मुझे ज्यादा विकेट मिलेंगे

मैंने आईपीएल से खेलना शुरू किया लेकिन टेस्ट क्रिकेट आज भी किंग

मुंबई, 23 जनवरी (एजेंसियां)। जसप्रीत बुमराह ने कहा, इंग्लैंड अगर बैजबॉल अप्रोच ही अपनाएगा तो मुझे सीरीज में बहुत विकेट मिलेंगे। टेस्ट में बैटर अगर हर बॉल पर शॉट लगाएगा तो मुझे विकेट लेने के ज्यादा चांस मिलेंगे। बुमराह 25 जनवरी से इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत से खेलते नजर आएंगे

द गार्जियन को दिए इंटरव्यू में भारतीय पेसर ने कहा, 'मैंने आईपीएल से क्रिकेट खेलना शुरू जरूर खेला लेकिन टेस्ट क्रिकेट आज भी किंग है। मैं हमेशा इसे ही सबसे चैलेंजिंग फॉर्मेट मानूंगा।'

बुमराह ने कहा, 'मैं उस जनरेशन से हूं, जहां टेस्ट क्रिकेट ही किंग है। मैं हमेशा खुद को इसी प्रदर्शन के आधार पर देखूंगा। मैंने आईपीएल से शुरू किया लेकिन फर्स्ट क्लास क्रिकेट से अपनी बॉलिंग को सुधारा। मैं कभी भी व्हाइट बॉल क्रिकेट खेलकर खुश नहीं रहा। टेस्ट क्रिकेट में बैटर्स आसानी से आउट नहीं होते और यही मुझे सबसे ज्यादा चैलेंजिंग और मेजदार भी लगता है।

टी-20 और वनडे में आप 5 स्लोअर गेंद फेंककर 5 बैटर्स को आउट कर सकते हैं, लेकिन टेस्ट में ऐसा करने से एक भी विकेट नहीं मिलता। टेस्ट क्रिकेट में किस्मत काम नहीं आती, यहां बेहतर टीम को ही जीत मिलती है। आप किस्मत के भरोसे 20 विकेट नहीं ले सकते।

मुझे नहीं पता कि आज के युवा टेस्ट क्रिकेट को कैसे देखते हैं। ये फॉर्मेट लम्बे समय से यहां है और टिका भी रहेगा। बहुत ज्यादा टेस्ट क्रिकेट बोरिंग हो जाएगा, बहुत ज्यादा व्हाइट बॉल क्रिकेट होने से भी कुछ ऐसा ही होगा। मुझे लगता है खेल में सभी फॉर्मेट होने चाहिए लेकिन किसी भी फॉर्मेट का ओवरडोज नहीं होना चाहिए।'

इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट की सीरीज पर बुमराह ने कहा, 'मैं बैजबॉल को ज्यादा कारगर नहीं मानता लेकिन इंग्लैंड एग्रेसिव बैटिंग कर सफल हो रहा है। वे दिखा रहे हैं कि इस तरह से भी टेस्ट खेला जा सकता है। एक बॉलर के रूप में मुझे लगता है कि अगर उनके बैटर्स तेज खेलने की कोशिश करेंगे तो मुझे विकेट के ज्यादा मौके मिलेंगे। वह हर बॉल पर मुझे गेम में रखेंगे और इसी के लिए मैं पूरी तरह से तैयार हूं।

बुमराह बोले- बचपन से बड़े होते हुए मुझे हमेशा ही मेरा बॉलिंग एक्शन नॉर्मल लगा। वो तो नेशनल जूनियर कैम्प जॉइन करने

का बाद पता लगा कि मेरा एक्शन (बॉलिंग) थोड़ा अलग है। वहां मैंने अपनी बॉलिंग का वीडियो देख लिया था। मैं तो बस तेज गेंदें फेंककर विकेट ले रहा था।

मुझे कभी एक्शन से दिक्कत नहीं हुई लेकिन अब इसी एक्शन से मुझे विकेट मिल रहे हैं। ये मेरी स्ट्रेंथ बन चुका है। मैंने टीवी पर कई बॉलर्स को देखकर सीखा है, लेकिन खुशकिस्मत हूं कि किसी भी कोच ने मेरे एक्शन में ज्यादा बदलाव नहीं किए।

बुमराह ने कहा, 'टीम इंडिया के लिए खेलना ही उनका सबसे बड़ा सपना है। मैं जब भी थकता हूं तब भारत के लिए खेलने के बारे में सोचता हूं। क्रिकेट करियर बहुत कम समय के लिए रहता है, मैं हमेशा नहीं खेल सकता। मैं खुद से यही कहकर अपने खेल का मजा लेते रहता हूं। मेरे लिए भारत के लिए खेलने से बड़ा कुछ भी नहीं।'

हमेशा से फास्ट बॉलिंग पसंद

बुमराह ने कहा, 'मैं हमेशा से तेज गेंदबाजी ही करना चाहता था, मुझे हाई स्कोरिंग मैच पसंद नहीं। चौके-छक्के देखना भी ज्यादा पसंद नहीं। मैंने किसी एक बॉलर को देखकर नहीं सीखा, टीवी पर कोई भी बॉलर अच्छी बॉलिंग करता तो वो मुझे पसंद आ जाता था।'

बुमराह ने अपनी यॉर्कर के बारे में बताते हुए कहा, 'यॉर्कर फेंकने की आदत मुझे घर में बॉलिंग करते हुई लगी। भारत में गर्मियों का मौसम बहुत तेज रहता है, पेरेंट्स अपने बच्चों को घर से बाहर निकलने नहीं देते।

मुझमें शुरू से ही बहुत एनर्जी रहती थी, लेकिन मेरी मम्मी दोपहर में सो जाया करती थीं। तब मैंने देखा कि अगर में दीवार के निचले कोने पर बॉल मारूंगा तो आवाज नहीं आएगी। ताकि मैं मां को परेशान किए बिना ही बॉलिंग भी कर सकूं। मुझे नहीं पता था कि ऐसा करने से मेरी यॉर्कर सही टप्पे पर जाएगी, लेकिन ऐसा होने लगा।'

बुमराह ने बताया कि वह कनाडा में अपने अंकल के घर जाकर पढ़ाई आगे बढ़ाना चाहते थे। फिर 2013 में मुंबई इंडियंस के कोच जॉन राइट गुजरात में अक्षर पटेल को देखने आए। तभी उन्होंने मलिंगा जैसे स्लिंगी बॉलिंग एक्शन वाले बुमराह को बॉलिंग करते हुए देख लिया। अगले ही ऑक्शन में टीम ने स्लिंगी बॉलर को खरीद लिया और बुमराह ने भी विराट कोहली के रूप में पहला विकेट लेकर खुद को साबित कर दिया।

23 फरवरी को शुरू होगा विमेंस प्रीमियर लीग: सीजन-1 की फाइनलिस्ट

एमआई-डीसी के बीच पहला मुकाबला; बेंगलुरु-दिल्ली में होंगे सभी 22 मैच

नई दिल्ली, 23 जनवरी (एजेंसियां)। विमेंस प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन का शेड्यूल घोषित हो चुका है। 23 फरवरी को सीजन-1 की फाइनलिस्ट मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच ओपनिंग मैच होगा। 15 मार्च को एलिमिनेटर और 17 मार्च को फाइनल खेला जाएगा।

डब्ल्यूपीएल के सभी 22 मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम और दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होंगे। दोनों ही शहरों में 11-11 मैच खेले जाएंगे।

डब्ल्यूपीएल के सीजन-2 में 23 फरवरी से 4 मार्च तक शुरुआती 11 मुकाबले बेंगलुरु होंगे। इसके बाद 5 से 17 मार्च तक बाकी 11 मुकाबले दिल्ली में खेले जाएंगे। एक दिन में एक ही मैच होगा और सभी मुकाबले शाम 7:30 बजे से शुरू होंगे। 13 मार्च को दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात जायंट्स के बीच दिल्ली में आखिरी लीग मैच होगा। 14 और 16 मार्च को एक-एक दिन का ब्रेक रहेगा। जबकि 15 मार्च को एलिमिनेटर और 17 मार्च को फाइनल खेला जाएगा।

डब्ल्यूपीएल के दूसरे सीजन में भी 5 टीमें हिस्सा ले रही हैं। सभी टीमें एक-दूसरे के खिलाफ 2-2 लीग मैच खेलेंगी। लीग स्टेज खत्म

होने के बाद पॉइंट्स टेबल में पहले नंबर पर रहने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी। वहीं दूसरे और तीसरे नंबर पर रहने वाली टीम के बीच दिल्ली में एलिमिनेटर खेला जाएगा। इसे जीतने वाली टीम 17 मार्च को पहले नंबर पर रहने वाली टीम के खिलाफ फाइनल खेलेगी।

विमेंस प्रीमियर लीग का पहला सीजन 2023 में 4 से 26 मार्च के बीच खेला गया। मुंबई इंडियंस ने फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को हराकर खिताब जीता था। मुंबई की कप्तानी हरमनप्रीत कौर और दिल्ली की मेग लेनिंग ने की थी। पहले सीजन में 5 टीमों ने हिस्सा लिया था, दूसरे सीजन में भी 5 ही टीमें हिस्सा लेंगी।

रिपोर्ट्स के अनुसार, बीसीसीआई विमेंस प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन को एक ही राज्य के अलग-अलग स्टेडियम में करवाना चाह रहा था। क्योंकि एक ही राज्य में मैच होने से मैनेजमेंट आसानी से हो जाता है।

बीसीसीआई ने महाराष्ट्र और गुजरात के 2 ऑप्शन निकाले थे। लेकिन मुंबई में सीजन-1 के सभी मैच खेले गए, इसलिए इस बार उसे मेजबानी नहीं दी जा रही। जबकि अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम की दर्शक क्षमता टूर्नामेंट के लिए कुछ ज्यादा ही हो जाती। इसलिए बीसीसीआई ने इन दोनों स्टेडियम को ड्रॉप किया और आखिर में दिल्ली और बेंगलुरु पर सहमति बना ली।

इंग्लिश स्पिनर शोएब बशीर को नहीं मिला भारत का वीजा

खेल डेस्क, 23 जनवरी (एजेंसियां)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के ऑफ स्पिनर शोएब बशीर वीजा नहीं मिलने के कारण अब तक भारत नहीं पहुंच सके। टीम के बाकी प्लेयर्स ने 21 जनवरी को हैदराबाद पहुंच कर प्रैक्टिस शुरू कर दी है। बशीर अब भी यूएई में ही हैं, ईसीबी ने उनके वीजा की दिक्कतों के बारे में बीसीसीआई से मदद मांगी है।

भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 25 जनवरी से हैदराबाद में खेला जाएगा। 20 साल के बशीर ने अब तक इंग्लैंड के लिए डेब्यू नहीं किया है, उनके पहले टेस्ट में डेब्यू करने की संभावनाएं हैं।

इंग्लैंड टीम ने भारत में टेस्ट सीरीज से पहले यूएई के अबू धाबी में ट्रेनिंग की। सपोर्ट स्टाफ और टीम के बाकी खिलाड़ी रविवार को ही भारत पहुंच गए, लेकिन बशीर अब भी यूएई में ही हैं। उनका पेपरवर्क अब तक खत्म नहीं हुआ है, उनके माता-पिता पाकिस्तान से हैं, माना जा रहा है कि इसी कारण उन्हें वीजा मिलने में देरी हो रही है।

रोहन बोपन्ना और मैथ्यू एबडेन की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में

मेलबर्न, 23 जनवरी (एजेंसियां)। इस जीत के साथ बोपन्ना का युगल विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर आना सुनिश्चित हो गया है। उनके जोड़ीदार एबडेन का तीसरे नंबर पर आना तय हो गया है। अगर यह जोड़ी सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहे तो विश्व युगल रैंकिंग में उनका नंबर एक बनना सुनिश्चित हो जाएगा।

भारत के 43 साल के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के उनके जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन ने मेलबर्न में नीदरलैंड के वेस्ली कूलहोफ और

क्रोएशिया के निकोला मेकटिक की जोड़ी को सीधे सेटों में हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। भारत और ऑस्ट्रेलिया की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने कूलहोफ और मेकटिक की दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी के खिलाफ 7-6 7-6 से जीत दर्ज की।

इस जीत के साथ बोपन्ना का युगल विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर आना सुनिश्चित हो गया है। उनके जोड़ीदार एबडेन का तीसरे नंबर पर आना तय हो गया है। अगर यह जोड़ी सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहे तो विश्व युगल रैंकिंग में उनका नंबर एक बनना सुनिश्चित हो जाएगा।

यह रोहन बोपन्ना का ऑस्ट्रेलियाई ओपन में श्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले वह कभी पुरुष युगल में वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम के क्वार्टर फाइनल में नहीं पहुंचे थे। पिछले साल वह सानिया मिर्जा के साथ मिश्रित युगल के फाइनल में जरूर पहुंचे थे। दुनिया के नंबर दो स्पेन के कार्लोस अल्काराज और रूस के दानिल मेदवेदेव ने पुरुष एकल वर्ग के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अल्कारेज ने सर्बिया के मियोमीर केस्मानोविच को 6-4, 6-4, 6-0 से हराया। मेदवेदेव ने नूनो बोर्गस को 6-3, 7-6(4), 5-7, 6-1 से पराजित किया। अब उनकी टक्कर दुनिया के नंबर नौ हुबर्ट हरकेज या फ्रांस के वाइल्डकार्ड से प्रवेश पाने वाले आर्थर कैजाक्स से होगी।

शराब के ओवरडोज से मैक्सवेल की तबियत बिगड़ी

मेलबर्न, 23 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल को शुक्रवार की रात को एडिलेड के एक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने उस दिन एडिलेड में पूरी रात पार्टी की थी और बहुत शराब पी रखी थी। जिसके बाद उनकी तबियत बिगड़ गई और फिर एम्बुलेंस से उन्हें हॉस्पिटल ले जाया गया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया मामले की जांच कर रहा है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज से मैक्सवेल को आराम दिया गया है। 3 वनडे की सीरीज 2 फरवरी से शुरू होगी, जिसमें

ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी स्टीव स्मिथ करेंगे।

डेली टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना तब हुई। जब मैक्सवेल ब्रेट ली के रॉक बैंड 'सिक्स एंड आउट' को देखने पहुंचे थे। वहां एक एम्बुलेंस को बुलाया गया था और मैक्सवेल को अस्पताल ले जाया गया था, हालांकि वो ज्यादा देर तक हॉस्पिटल में नहीं रुके थे।

फ्रेजर मैगर्क को वनडे स्क्वॉड में ग्लेन मैक्सवेल की जगह मौका दिया गया, जिन्हें सीरीज से रेस्ट दिया गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बताया कि टी-20 वर्ल्ड कप और टी-20 सीरीज से पहले वर्कलोड मैनेजमेंट को देखते हुए मैक्सवेल को आराम दिया गया है। कंगारू टीम फरवरी में वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज भी खेलेगी।

SHOWROOMS: TELANGANA: HYDERABAD: RENAULT Banjara Hills Mob: +91 7428892716, RENAULT Begumpet Mob: +91 9311733972, RENAULT Gachibowli Mob: +91 9289220863, RENAULT Hitech City Mob: +91 9311733970, RENAULT Kukatpally Mob: +91 7067322620, RENAULT LB Nagar Mob: +91 9311700671. **KARIMNAGAR**: RENAULT Karimnagar Mob: +91 9582305983. **KHAMMAM**: RENAULT Khammam Mob: +91 8527234093. **KOTHAGUDEM:** RENAULT Kothagudem Mob: +91 7428439271. **MAHABUBABAD:** RENAULT Mahabubabad Mob: +91 9311341235. **MAHBUBNAGAR**: RENAULT Mahbubnagar Mob: +91 7799766431. **MANCHERIAL**: RENAULT Mancherial Mob: +91 9582571953. **MIRYALGUDA:** RENAULT Miryalguda Mob: +91 7428439406. **NALGONDA:** RENAULT Nalgonda Mob: +91 7428439437. **NIZAMABAD:** RENAULT Nizamabad Mob: +91 9311700672. **SATHUPALLY:** RENAULT Sathupally Mob: +91 8130499615. **SHADNAGAR:** RENAULT Shadnagar Mob: +91 9311700675. **SIDDIPET**: RENAULT Siddipet Mob: +91 8527235114. **SURYAPET:** RENAULT Suryapet Mob: +91 8130311149. **VIKARABAD:** RENAULT Vikarabad Mob: +91 9311733961. **WARANGAL:** RENAULT Warangal Mob: +91 9311700673. **ZAHIRABAD:** RENAULT Zahirabad Mob: +91 9311733977.

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.